{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 07 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 45
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	83,311.01
निफ्टी	25,509.70
सोना	1,21,910
चांदी	1,51,500
डॉलर	88.63

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अनिल अंबानी को ईडी का समन

मुंबई। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को प्रवर्तन निदेशालय ने फिर से समन भेजा है। ईडी ने अनिल अंबानी को 14 नवंबर को पूछताछ के लिए हाजिर होने को कहा है। यह मामला मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक लोन फ्रॉड से जुड़ा है, जिसकी जांच ईडी कर रही है। इससे पहले ईडी ने 3 नवंबर को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़ी 132 एकड़ जमीन को अटैच कर दिया है। यह जमीन धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी नवी मुंबई में है, जिसकी वैल्यू 4,462.81 करोड़ रुपए है। इसके अलावा ग्रुप से जुड़ी 40 से ज्यादा प्रॉपर्टीज को अटैच भी किया था। इन प्रॉपर्टीज में अनिल अंबानी का पाली हिल वाला घर भी है।

विमानों के जीपीएस सिग्नल में फेक अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली में पिछले एक हफ्ते से विमानों के जीपीएस सिग्नल में फेक अलर्ट आ रहे हैं। इसे जीपीएस स्पूफिंग भी कहते हैं। इसके तहत पायलटों को गलत लोकेशन और नेविगेशन डेटा अलर्ट मिल रहे हैं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल के सूत्रों के अनुसार, दिल्ली के करीब 100 किमी के दायरे में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। फ्लाइट रेग्युलेटर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन को इसके बारे में जानकारी दे दी गई है। स्पूफिंग एक प्रकार का साइबर अटैक है जो नेविगेशन सिस्टम को गुमराह करने के लिए फेक जीपीएस सिग्नल भेजता है। ज्यादातर इसका इस्तेमाल वॉर जोन में किया जाता है। ताकि दुश्मनों के ड्रोन और विमानों को नष्ट किया जा सके।

पीथमपुर की फैक्ट्री में जिंदा जले दो लोग

पीथमपुर।धार जिले के पीथमपुर में शिवम इंडस्ट्रीज में बुधवार रात लगी आग में दो लोग जिंदा जल गए। गुरुवार सुबह उनके कंकाल मिले हैं। आग इतनी भयावह थी कि फायर फाइटर्स को इसे बुझाने में कई घंटे की मशक्कत करनी पड़ी। तडके करीब 4 बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। इसके बाद सुबह जब पुलिस टीम ने घटना स्थल का मुआयना किया तो भयावह सच सामने आया। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, सुबह लगभग 8 बजे पुलिस प्रशासन ने कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ की। एक मजदूर ने बताया कि दो मजदूर लापता हैं और उनके फोन नहीं लग रहे हैं। इसके बाद थाना प्रभारी सुनील शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने राख के ढेर और अन्य स्थानों पर बारीकी से तलाशी शुरू की। इस दौरान जले हुए टैंकर के नीचे दो मानव कंकाल दबे मिले।

कुछ ना कहना

बिहार विधानसभा चुनाव में हुआ 64.46 प्रतिशत मतदान

पटना। बिहार चुनाव 2025 को लेकर गुरुवार को पहले चरण का मतदान छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। पहले चरण में 18 जिलों के 121 सीटों के लिए मतदाताओं ने वोट डाले। खबर है कि पहले चरण में लोगों ने जमकर मतदान किया। शाम 6 बजे तक कुल 64.46 प्रतिशत मतदान हुआ। पहले चरण के मतदान के बाद निर्वाचन आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बात की जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि पहले चरण के मतदान में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया। उन्होंने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इस दौरान कही कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। पहले चरण के मतदान में महिला मतदाताओं की भागीदारी बहुत अच्छी रही है। उन्होंने बताया कि पहले चरण के मतदान में 1314 उम्मीदवारों का किस्मत ईवीएम में कैद हो गया। इनमें 1192 पुरुष और 122 महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में खड़े थे।

117 करोड़ की जब्ती

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि आज चुनाव के दिन 1 करोड़ 96 लाख की जब्ती हुई है। जिसमें 16 लाख कैश, एक करोड़ 31 लाख की शराब और 18 लाख का ड्रग्स बरामद किया गया है। अब तक 117 करोड़ की जब्ती की गयी है। जिसमें 11 करोड़ 57 लाख रुपये नगद जब्त किया गया है।

सीएपीएफ जवानों पर फेंके पत्थर

वैशाली में राजद प्रत्याशी के भडक़ाने पर लोगों ने सीएपीएफ जवानों पर पत्थर फेंके। दरअसल, आरजेडी प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ जुटे हुए थे, जवानों ने उन्हें हटाया तो हंगामा हो गया। हालांकि, इसमें किसी को चोट नहीं आई है। पथराव को लेकर महनार एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने बताया कि राजद उम्मीदवार रविन्द्र कुमार सिंह ने वीडियो जारी कर समर्थकों को बताया कि उमेश सिंह कुशवाहा द्वारा प्रशासन के सहयोग से लोगों को पिटवाया जा रहा है। जिससे भीड़ में गुस्सा था। वहीं जंदाहा थाना क्षेत्र की बूथ संख्या 53 में सीएपीएफ फोर्स जब गई, तभी वहां पर मौजूद प्रत्याशी ने भीड़ को उकसाया और सीएपीएफ पर पथराव किया गया है। सभी सीएपीएफ फोर्स सुरक्षित हैं। घटना का वीडियो मिला है। उस वीडियो के आधार पर हमलोग प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं।

बिहार के चुनावी इतिहास में अब तक सबसे ज्यादा मतदान

पहले चरण में 64.46 प्रतिशत मतदान हुआ है जो बिहार के चुनावी इतिहास में अब तक सबसे ज्यादा मतदान है। चुनाव आयोग के आंकड़ों को देखें तो 2020 में 56.9 फीसदी मतदान हुआ था। राज्य में सबसे अधिक मतदान की बात करें तो वो साल 2000 में हुई थी। उस समय 62.6 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले थे और तब राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू था और पूरा बिहार राजनीतिक अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था। उस समय आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। हालांकि, बहुमत से कुछ सीटें कम रह गईं। उस समय जेडीयू और बीजेपी गठबंधन में थे। चुनाव में कांग्रेस और कुछ अन्य छोटे दलों को कुछ सीटें मिली थीं. राबड़ी देवी ने बहुमत होने का दावा किया और दोबारा मुख्यमंत्री बनीं। राबड़ी की सरकार 2005 तक चली, जब राज्य में राजनीतिक अस्थिरता के बाद विधानसभा भंग हुई और दोबारा चुनाव कराए गए। अब एक बार फिर पहले चरण के चुनाव में भारी मतदान हुआ है और इस भारी मतदान के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। खैर ये तो 14 नवंबर को ही पता चल पाएगा। बहरहाल अब दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होने के बाद कुल 243 सीटों की मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

सीवान में टॉर्च की लाइट में वोटिंग

सीवान के गरौली में वोट बहिष्कार के कारण सुबह से वोटिंग नहीं हुई। शाम साढ़े 5 बजे मतदाता पहुंचे। उसके बाद लाइन में लगे वोटर्स ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। बूथ पर रोशनी की व्यवस्था नहीं थी, इसलिए टॉर्च की लाइट में वोट डाले गए। नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड के डीहरी पंचायत स्थित मुसहरी गांव में ग्रामीणों ने अंडरपास निर्माण की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान गुरुवार को गांव के आंगनबाड़ी केंद्र में बने बूथ संख्या 280 पर दोपहर चार बजे तक एक भी वोट नहीं डाला गया।

डिप्टी सीएम की गाड़ी पर गोबर-चप्पल फेंकी

उपमुख्यमंत्री और लखीसराय से भाजपा कैंडिडेट विजय कुमार सिन्हा की गाड़ी पर गुरुवार को गोबर और चप्पलें फेंकी गई। विजय सिन्हा ने कहा, गाड़ी पर पथराव भी हुआ है। ये हमला राजद के लोगों ने किया है। मामला लखीसराय विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 404 और 405 के पास का है। विजय सिन्हा खोरियारी गांव में इंटर कर रहे थे, तभी कुछ लोगों ने कार को घेर लिया। विजय सिन्हा के मुताबिक, कुछ लोगों ने चप्पलें फेंकी, पथराव किया और मुर्दाबाद के नारे लगाए। उन्हें गांव में जाने से भी रोक दिया। उन्होंने कहा, ये राजद के गुंडे हैं। सत्ता में आए बिना ही ये गुंडे बिहार के उपमुख्यमंत्री को बाहर जाने के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यहां के एसपी कायर और कमजोर हैं, जो यहां आकर कह रहे हैं कि शांतिपूर्ण मतदान हो रहा है। अगर किसी भी तरह की कोई घटना होती है तो हम यहीं पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। ऐसे प्रशासन पर धिक्कार है।

पहले फेज की बड़ी घटनाएं

-लखीसराय में डिप्टी सीएम की गाड़ी पर हमला हुआ। राजद एमएलसी अजय सिंह से भिड़े विजय सिन्हा।

-पटना के मनेर में आईडी चेक करने पर राजद उम्मीदवार भाई वीरेंद्र ने दरोगा को धमकाया। कहा- यहीं आग लगा देंगे।

-वैशाली में राजद उम्मीदवार रविंद कुमार सिंह के भडक़ाने पर लोगों ने सीएपीएफ जवानों पर पत्थर फेंके।

-दरभंगा के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र में पोलिंग एजेंट को धमकी मिली। पुलिस पर पथराव हुआ। 2 हिरासत में।

सारण के जैतपुर में मांझी सीट से सीपीआई प्रत्याशी सत्येंद्र कुमार की गाड़ी पर ईंट-पत्थर, लाठी से हमले किए गए।

-लखीसराय में बूथ कैप्चरिंग की खबर पर एसपी मौके पर पहुंचे। 1 घंटे पुलिस ने गांव में फ्लैग मार्च किया।

-10 जिलों में ईवीएम में खराबी आई। इस दौरान मतदान भी रुका रहा।

-पटना साहिब के बूथ नंबर 238 पर विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव से मतदान कर्मियों की बहस।

-सीवान, दरभंगा और मुजफ्फरपुर के 8 बूथों पर मतदान का बहिष्कार, नालंदा के 3 बूथों पर एक भी वोट नहीं पड़ा।

-बिहारशरीफ में मतदान के दौरान पुलिस ने 4 भाजपा कार्यकर्ताओं को लिया हिरासत में

-मुंगेर के नक्सल प्रभावित भीमबंद गांव में 20 साल बाद पहली बार हुआ मतदान।

कहाँ कितना प्रतिशत रहा मतदान ?

पटना में 55.026 प्रतिशत, बेगूसराय में 67.32 प्रतिशत, समस्तीपुर में 66.65 प्रतिशत, मधेपुरा में 65.74 प्रतिशत, मुजफ्फरपुर में 64.63 प्रतिशत, गोपालगंज में 64.96 प्रतिशत, लखीसराय में 62.7, शेखपुरा में 52.36 प्रतिशत सबसे कम मतदान वाले जिलों में से एक। सीवान, वैशाली, मुंगेर, पटना, भोजपुर, बक्सर और दरभंगा में मतदान का आंकड़ा 60 प्रतिशत को पार नहीं कर पाया। सीवान में 57.41 प्रतिशत, वैशाली में 59.45 प्रतिशत, मुंगेर में 54.90 प्रतिशत, नालंदा में 57.58 प्रतिशत, पटना में 55.02 प्रतिशत, भोजपुर में 53.24 प्रतिशत, बक्सर में 57.06 प्रतिशत और दरभंगा में 58.38 प्रतिशत वोटिंग ही हो पाई है। सहरसा 62.65 प्रतिशत, समस्तीपुर 66.65 प्रतिशत, सारण 60.90 प्रतिशत, शेखपुरा 52.36 प्रतिशत, सीवान 57.41 प्रतिशत , वैशाली 59.45 प्रतिशत, लखीसराय 62.76 प्रतिशत, मधेपुरा 65.74 प्रतिशत, मुंगेर 54.90 प्रतिशत, मुजफ्फरपुर 65.23 प्रतिशत, नालंदा 57.58 प्रतिशत, पटना 55.02 प्रतिशत, बेगूसराय 67.32 प्रतिशत, भोजपुर 53.24 प्रतिशत, बक्सर 57.06 प्रतिशत, दरभंगा 58.38 प्रतिशत, गोपालगंज 64.96 प्रतिशत और खगड़िया 60.65 प्रतिशत मतदान हुआ।

ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लगाई केंद्र को फटकार

सीजेआई बोले-24 के बाद करना हो तो बता दो, सरकार मौजूदा पीठ से चाह रही बचना

नई दिल्ली। ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट मामले में सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने फिर केंद्र सरकार को फटकार लगाई। सीजेआई बीआर गवई ने स्थगन की मांग पर आपत्ति जताई है। इससे पहले भी उन्होंने मामले को बड़ी बेंच के पास भेजे जाने के अनुरोध को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए थे और कहा था कि लगता है सरकार मौजूदा पीठ से बचना चाह रही है।

बार एंड बेंच के मुताबिक अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने मामले में स्थगन की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने यह अनुरोध पेश किया गया था। इस पर सीजेआई गवई ने सवाल उठाया कि क्या सरकार उनके रिटायरमेंट होने का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि हम दो बार पहले ही आपकी बात मान चुके हैं। कितनी बार और ? अगर आप यह 24 नवंबर के बाद चाहते हैं, तो हमें बता दें। यह कोर्ट के साथ बहुत अन्याय है। हर बार आप मध्यस्थता के लिए सुविधा मांगते हैं। आपके कई वकील हैं और आप बड़ी बेंच की मांग को लेकर आधी रात में आवेदन दाखिल करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब हम हाईकोर्ट में थे, तो जो भी ब्रीफ हमें छोड़ने पड़ते थे, उसके लिए हम यहां आते थे। हम शीर्ष संवैधानिक अदालत का बहुत सम्मान करते हैं। हम कल और कोई केस नहीं लिया। हमने सोचा था कि हम कल सुनवाई करेंगे और वीकेंड पर फैसला लिख देंगे। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने उस अर्जी पर कड़ा रुख अपनाया था, जिसमें अधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को वृहद पीठ के पास भेजने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अंतिम सुनवाई के आखिरी चरण में सरकार से ऐसी उम्मीद नहीं थी। सीजेआई गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने इस बात को लेकर नाराजगी जताई कि केंद्र अब इस मामले को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेजना चाहता है। पीठ ने इस मामले में मुख्य याचिकाकर्ता मद्रास बार एसोसिएशन समेत कई याचिकाकर्ताओं की ओर से अंतिम दलीलें पहले ही सुन ली हैं।

पीठ ने कहा कि पिछली तारीख पर अटॉर्नी जनरल ये आपत्तियां नहीं उठाईं और आपने निजी कारणों से सुनवाई टालने का अनुरोध किया था। आप पूरी सुनवाई के बाद ये आपत्तियां नहीं उठा सकते...हम केंद्र सरकार से ऐसी तरकीब अपनाने की उम्मीद नहीं करते हैं।

वायु प्रदूषण रोकने सुप्रीम कोर्ट में याचिका, प्रदूषण को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित करने की मांग, दावा

दिल्ली में 22 लाख बच्चों के फेफड़े खराब

नई दिल्ली। भारत भर में बढ़ते वायु प्रदूषण को रोकने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका ल्यूक क्रिस्टोफर काउंटिन्हो ने दायर की है। क्रिस्टोफर का कहना है कि देश में वायु प्रदूषण का स्तर पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी के अनुपात में पहुंच गया है। जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों की सेहतर पर बुरा असर पड़ रहा है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि अकेले दिल्ली में करीब 22 लाख स्कूली बच्चों को फेफड़ों में इतना नुकसान हो चुका है कि उनकी रिकवरी मुश्किल है। इसकी पुष्टि सरकारी और मेडिकल स्टडी से भी हुई है।

याचिका में किए गए दावे

पॉलिसी बनने के बावजूद, ग्रामीण और शहरी भारत के बड़े हिस्से में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब बनी हुई है। कई मामलों में तो और भी बदतर है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु में पीएम 2.5 और पीएम10 जैसे प्रदूषक सीमाओं से ज्यादा है। पीएम 2.5 का एनुअल एवरेज 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम10 के लिए 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। इसके उलट दिल्ली में पीएम 2.5 का लेवल लगभग 105 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर, कोलकाता में लगभग 33 और लखनऊ में लगभग 90 दर्ज किया गया है, जो भारतीय मानकों का उल्लंघन है। वायु अधिनियम 1981 और संबंधित कानूनों के तहत रेगुलेटरी एटमॉस्फीयर लगातार कमजोर होता जा रहा है। 2019 में दिल्ली में वायु अधिनियम के तहत एक भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया, जबकि यह दुनिया केर सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है। ग्रेप को हवा की गुणवत्ता गंभीर होने पर इमरजेंसी में राहते देने के लिए डिजाइन किया गया था, लेकिन इसे लागू करने में अक्सर देरी होती है। एयर क्वालिटी जब तक सीवियर कैटेगरी में नहीं पहुंच जाती। फॉग स्प्रेयर, एंटी-स्मॉग गन और आर्टिफिशियल रेन जैसे उपाय आश्वासन तो दे सकते हैं, लेकिन बहुत कम मददगार हैं।

बालाघाट: एक शब्दचित्र

चार अखबार, चालीस पत्रकार ! एक लाख आबादी डेढ़ सौ नेता !!

साल 2000 की बात है। मेरे अनुरोध पर अभिन्न मित्र शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी कॉलेज में हिन्दी विभाग के प्रोफेसर संजय कुमार गुप्त (अब स्वर्गीय)ने बालाघाट पर केन्द्रित यह कविता लिखी थी। वे मुक्त कविता के सशक्त हस्ताक्षर थे। उनकी कविताएं 'हंस', 'नया ज्ञानोदय' 'वर्तमान साहित्य' 'आजकल' सरीखी हिन्दी के स्तरीय और वैचारिक पत्र-पत्रिकाओं में छपती थी। इस तरह वे मूलत: बालाघाट के प्रतिनिधि कवि थे।

प्रस्तुत कविता सरल भाषा में इस कस्बाई शहर बालाघाट की दिनचर्या, सेहत, जनसमाज और देशकाल को रेखांकित करता है। अस्तु, आज तक बालाघाट के किसी अन्य कवि ने बालाघाट को इतनी सादगी से नहीं कविताओं में उकेरा है। सादगी उनकी प्रकृति थी।

प्रोफेसर संजय गुप्त हमारे प्रतिभावान साथी थे। एक क्रूर दुर्घटना ने उन्हें हमसे छीन लिया। यह प्रकाशन उनको श्रद्धांजलि भी है।प्रस्तुत है उनकी बालाघाट शहर की समकालीन ता को समेटे यह रेखाचित्र सी अद्भुत कविता -

मुस्कुराइए आप बालाघाट में हैं

मध्यप्रदेश में है बालाघाट
और बच गया है छत्तीसगढ़ में जाने से
तमाम अटकलों के बावजूद
इसलिए मुस्कुराइए

मुस्कुराइए कि बालाघाट में है आप
बालाघाट वैनगंगा के किनारे है
और अपने चीर हरण के बावजूद
मुस्कुरा रही है यह नदी

मुस्कुरा रहे है वनाधीशों के चेहरे
मुस्कुराइए कि सागौन जल रहा है
सतपुड़ा नशे में है

बारह रूपए सेर आटा, बीस रूपया चावल
कुकिंग गैस सात हजार रूपए

चार अखबार, चालीस पत्रकार

एक लाख आबादी डेढ़ सौ नेता
पैतीस मुहल्ले, सत्तर ब्यूटी पॉर्लर

इसलिए मुस्कुराइए
मुस्कुराइए कि बालाघाट की सड़कों पर चलना
चाँद पर चलने जैसा है

बालाघाट एक जिला है
हालांकि कुछ भी नहीं यहाँ जिले जैसा
और इसे जिला बने सौ से अधिक साल बीत
चुके हैं
जैसे भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है
इसे आजाद हुए पचास साल से ज़्यादा बीत चुके
हैं

मुस्कुराइए कि मुस्कुरा रहा है
छोटी लाइन का रेलवे स्टेशन
अपने जीर्णोद्धार की प्रतीक्षा में
किसी राम की अहिल्या सा

मुस्कुराइए कि मुस्करा रहा है वनस्पति उद्यान
जो अभी नहीं बदला है मसान में
मोती ताल-भोपाल की संभावनाओं से लैस
गांगुल पारा
एक पोखर में तब्दील होते जाने के बावजूद
इसलिए मुस्कुराए

कि मुस्कुरा रही है वाइन-गंगा की पुरा इमारत
आंबेडकर की प्रतिमा के ठीक पीछे

और यह कवि जो जटाशंकर महाविद्यालय में
अपनी कक्षाओं में न जाकर
लिख रहा है
घर बैठे कविताएँ

मुस्कुराइए आप बालाघाट में है
बालाघाट मध्यप्रदेश में
मध्यप्रदेश की तमाम कोशिशों के बावजूद
भारत दुनिया के नक्शे में

इसलिए मुस्कुराइए
कि जन्म लिया है आपने पृथ्वी पर
जो अभी भी बची हुई है ब्रम्हांड में
इस पृथ्वी पर मनुष्य हैं आप
और हमारा बालाघाट है इसलिए मुस्कुराइए।

-प्रो. संजय कुमार गुप्त

52 दिनों में दो दोहरे जघन्य हत्याकांड से दहल गया कटंगी अंचल!!

सिंचाई विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी और पत्नि की खून से सनी लाश मिलने से सनसनी, कटंगी थाना क्षेत्र में 52 दिनों में दूसरी वारदात, जिसमें दंपत्ति की हुई हत्या, बालाघाट पुलिस की कार्यप्रणाली पर लगा प्रश्न चिन्ह

पद्मेश न्यूज। कटंगी।

कटंगी क्षेत्र एक बार फिर सीरियल कीलिंग से सहम उठा। डेढ़ माह पूर्व थाना अंतर्गत ग्राम मोहगांव में हुए बिसेन दंपत्ति की निर्मम हत्याकांड का पुलिस अब तक खुलासा नहीं कर पाई थी कि बुधवार-गुरूवार की मध्यरात्रि कटंगी शहरी क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 2 नट्टीटोला में निवासरत सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी रमेश हांके एवं उसकी पत्नि को अज्ञात हमलावरों ने मौत के घाट उतार दिया। प्रतिदिन की तरह गुरूवार की सुबह दूध लेकर घर पहुंचे दूधवाले ने डोरबेल बजाने पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर पड़ौस में निवासरत रमेश हांके के भांजे घनश्याम लांजे को सूचना दी। घनश्याम ने दूधवाले के साथ जब हांके दंपत्ति के घर में प्रवेश किया तो पति एवं पत्नि की खून से लथपथ मिली लाश देकर दंग रह गया। उसने तत्काल डॉयल 112 के माध्यम से पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना पर पहले तो स्थानीय पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया। इसके पश्चात् अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्यक्ष ने फॉरेंसिंक एवं डॉग स्क्रायॅड के साथ घटना स्थल का मुआयना किया। मृतक रमेश हांके की बेडरूम एवं पत्नि पुस्तकला की कीचन में खून से सनी हुई लाश मिली। प्रारंभिक जांच में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की नियत से घर में प्रवेश कर घटना को अंजाम दिए जाने की बात सामने आई है। पति एवं पत्नि की किसी धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की पुष्टि हुई है। हालांकि यह भी साफ नहीं हो पाया है कि चोरों ने क्या-क्या चोरी किया और घर में वे कैसे प्रवेश कर गए। घटना स्थल पर जूतों के निशान दिखाई दिए। पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर पति-पत्नि की मौत पर मर्ग कायम कर प्रकरण जांच में लिया है। देरशाम 8.00 बजे मृतक दंपत्ति के दोनों पुत्रों एवं परिजनों की उपस्थिति में शवों का पीएम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

पुलिस की भूमिका पर लगा प्रश्न चिन्ह, कटंगी बंद का ऐलान

उक्त घटना में मृतक रमेश हांके उम्र 65 वर्ष सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त वाहन चालक थे उनकी पत्नि पुस्तकाल हांके उम्र 60 वर्ष गृहिणी थी। दोनों के पुत्र योगेश और सुनील अपने परिवार के साथ नागपुर में निवास कर रहे थे। 52 दिनों के भीतर हुई इस दूसरी सीरियल किलिंग की घटना से क्षेत्र में दहशत व्याप्त है। वहीं इस मामले में अब क्षेत्र की राजीनीति गरमा गई है। पूर्व सांसद बोधसिंग भगत ने जिले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बीजेपी सरकार एवं पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरी तरह से नकारा हो चुकी है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि के नाते विधायक को भी अब लोगों की मौत की परवाह नहीं है। पूर्व जनपद सदस्य अंजू शर्मा ने कहा कि जिले के एसपी हेलमेट चेक करने में व्यस्त है लेकिन जनता की सुरक्षा की उन्हें कोई चिंता नहीं है। समाजसेवी एवं युवा नेता आशुतोष बिसेन ने घटना के विरोध में शुक्रवार को कटंगी बंद का ऐलान किया। उन्होनें कहा कि जब तक बालाघाट जोन के आईजी आकर इस घटना पर पुलिस कार्यवाही का ब्यौरा नहीं रखेंगे तब तक खामोश नहीं बैठा जाएगा।

निशाने पर जिला पुलिस अधीक्षक

शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद रमेश हांके और उनकी पत्नी दोनों ही कटंगी नट्टीटोला रोड़ में रहते थे जबकि उनके दोनों पुत्र नागपुर में जॉब करते हैं। हांके दंपत्ति की मौत की वारदात ने कटंगी थाना क्षेत्र के ही मोहगांव नांदी में घटित वारदात को ताजा कर दिया है। पुलिस मोहगांव में हुए बिसेन दंपति की हत्या की वारदात का अब तक खुलासा नहीं कर पाई है। बिसेन दंपत्ति की हत्या अब भी गुत्थी ही बनी हुई है और अब कटंगी थाने से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर डबल मर्डर की यह दूसरी बड़ी घटना हुई है। जिसका खुलासा करना अब पुलिस के लिए चुनौती है। बहरहाल जैसे ही डबल मर्डर की जानकारी पुलिस को मिली थी पुलिस ने घटना स्थल को सील कर दिया था और किसी को भी घटनास्थल पर प्रवेश नहीं करने दिया गया। ताकि घटनास्थल पर जो साक्ष्य है उनसे किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ ना हो पाए। डबल मर्डर की वारदात से पुलिस की कार्यशैली पर ही सवाल उठने लगे है खासतौर पर पुलिस अधीक्षक सभी के निशाने पर है। जिले में उनकी तैनाती के बाद जनप्रतिनिधि से लेकर मीडिया ने उनकी तारीफों के कसीदे गढ़े थे किंतु देखा जा रहा है कि जिले में किसी एक भी बड़े मर्डर का खुलासा पुलिस नहीं कर पाई है जबकि मोहगांव नांदी की वारदात में एसपी लगातार मानिंटरिंग कर रहे थे।

पुलिस का नकारा चेहरा सामने-बोधसिंग

पूर्व सांसद बोधसिंग भगत ने कहा कि घटना के बाद बालाघाट पुलिस का नकारा चेहरा सामने आ चुका है। कथित नक्सली को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का दावा कर वाहवाही लूट रही पुलिस आमजनता की निर्मम हत्या के आरोपियों को पकड़ने में पूरी तरह से नाकाम है। घटना के प्रति प्रदेश की भाजपा सरकार एवं उनके स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है जो इतनी बड़ी वारदातों पर भी चुप्पी साधे हुए हैं। श्री भगत ने कहा कि यदि पुलिस दोनों ही घटना के आरोपियों को पकड़ने में नाकाम रही तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

पुलिस की निष्क्रियता बयां कर रही घटना-अंजू

पूर्व जनपद सदस्य अंजू शर्मा ने कहा कि कटंगी थाना क्षेत्र में दोहरे हत्याकांड की यह दूसरी घटना है। पहली घटना पर अभी तक पुलिस कोई खुलासा नहीं कर पायी है। इससे जनता में भारी असंतोष व्याप्त है। जिले के एसपी हेलमेट चेक करने में व्यस्त हैं जबकि पुलिस को सबकुछ छोड़कर इन घटनाओं की तफ्तीश करने की आवश्यकता है। पुलिस का रवैया निंदनीय है।

अपराधों पर अंकुश लगाने में नाकाम बालाघाट पुलिस-आशुतोष

युवा नेता आशुतोष बिसेन ने कहा कि बालाघाट पुलिस जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम है। क्षेत्र में लगातार हत्याएं हो रही है और जिले के एसपी मीडिया में पब्लिसिटी लेकर हीरो बनने की कोशिश कर रहे है। पुलिस पूरी तरह से संवेदनहीन हो चुकी है। कानून व्यवस्था पूरी तरह से भंग हो चुकी है। अपराधियों के ऊपर पुलिस का भय खत्म हो चुकी है। आशुतोष ने कहा कि मैं सर्व समाज से आव्हान करता हूं कि वे इस घटना के विरोध में सड़कों पर आकर प्रदर्शन करें। आशुतोष ने कहा कि शुक्रवार बाजार दिवस सर्व समाज के साथ घटना के विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा।

लंबित बिजली बिलों के भुगतान सरचार्ज में छूट के लिए समाधान योजना

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मध्प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बालाघाट के अधीक्षण अभियंता इंजी. अमित कुमार द्वारा बताया गया कि प्रदेश स्तर पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं द्वारा विभिन्न कारणो से बिजली बिलो का भुगतान कर पाने के फलस्वरूप मूल बकाया और उस पर अधिरोपित सरचार्ज के कारण उनके चालू माह के बिलो में अतधिक वृद्धि हो जाती है जिससे उपभोक्ता परेशान रहता है। जिसको शासन की ओर से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए ऐसे उपभोक्ता जिन्होने 03 माह या उससे अधिक अवधि से भुगतान नही किया गया के समस्त घरेलु (स्थाई-अस्थाई) कनेक्शन, गैर-घरेलु कनेक्शन,औद्योगिक एवं कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं(शासकीय कनेक्शनों को छोड़कर) के लिए विलंबित भुगतान अधिभार(संचयी) सरचार्ज में छुट हेतु समाधान योजना 2025-26 लागू की गई है। यह योजना ''जल्दी आयें' एकमुकश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाये'' के सिद्धांत पर आधारित है।

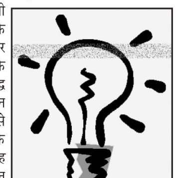

योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ होगा, तथा समय/चरण के साथ छूट का प्रतिशत क्रमश- कम होता जायेगा। यह योजना 01 नवंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी जिसका प्रथम चरण 01 नवंबर से 31 दिसम्बर 2025 तक होगा तथा दूसरा चरण 01 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक लागू होगा। योजना का लाभ लेने के लिए प्रथम चरण में घरेलु एवं कृषि उपभोक्ता द्वारा एकमुश्त भुगतान करने पर शतप्रतिशत सरचार्ज मे छुट प्रदान की जावेगी तथा किश्तो मे भुगतान करने पर 70 प्रतिशत सरचार्ज की छुट प्रदान की जावेगी तथा रजिस्ट्रेशन के समय कम से कम 10 प्रतिशत राशि पंजीकरण राशि का भुगतान करना होगा उसी तरह गैरघरेलु एवं आद्योगिक उपभोक्ताओं का एकमुश्त भुगतान करने पर 80 प्रतिशत सरचार्ज एवं किश्तो में भुगतान करने पर 60 प्रतिशत का सरचार्ज में छुट प्रदान की जावेगी जिसमें रजिस्ट्रेशन करते समय कम से कम 25 प्रतिशत या जो भी लागू हो का भुगतान करना होगा। अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ता विद्युत विभाग की वेबसाईट MPEZ.CO.IN में जाकर अपना समाधान योजना 2025-26 एलटी एवं एचटी में जाकर आईवीआरएस नंबर डालकर छूट की डिटेल देख सकते है।

बालाघाट जिले में पदस्थ अधिकारियों/कार्यालय में जाकर सम्पर्क कर सुविधा के लिए उनके मोबाईल नम्बर दिये गए है इन पर उपभोक्ता कॉल कर सम्पर्क कर सकते है। बालाघाट (शहर) अंकित मार्को 9425806285, भानेगांव अजय कुमार साहू 9425806292, भरवेली सुभाष नाग 9425820078, हट्टा बिरजु उइके 9425820230, कारंजा विश्वजीत शर्मा 9425806244, किरनापुर संदीप सहारे 9425806254, लांजी ललित मार्को 9425806291, रजेगांव वर्गीस जॉर्ज 9425806293, सरेखा-1रोशनलाल बिहोने 9425806288, सरेखा-2 मिथलेश उईके 9425806284, डीई बालाघाट आरके कुम्भरे 9425806283, बैहर ए.के. पटले 9425806308, दमोह नरेन्द्रकुशराम ला.परि 9425806227, लामटा अनिल कुमार गुप्ता 9425806307, मलाजखंड कोपसिंह मेरावी 9425806308, मोहगांव कोपसिंह मेरावी 9425806308, परसवाडा ए.के. पटले 942582 0071, उकवा विरेन्द्र उइके परि. सहा. 9425806222, डीई बैहर लक्ष्मण सिंह 9425806305, अमोली विनीत कुमार टेकाम 9425806297, बोनकट्टा विनीत बिसेन 9425806361, डोंगरमाली मनोज कुमार ठाकरे 9425806303, कटंगी राजीव रंजन 9425807990, खैरलांजी सुशील कुमार मर्सकोले 9425806301, कोचेवाही बबीता उइके 9425806157, लालबर्रा सरफराज कुरैशी 9425805472, रामपायली निखिल सुखदेवे 9425807870, सांवगी मयूर बिसेन 9425805466, तिरोडी परमेश्वर लिल्हारे 9425808071, उमरी प्रेरणा हरिनखेडे 9425806257, वारासिवनी (शहर) राहुल तुरकर 9425806299, डीई वारासिवनी बीएल भैना 9425806294, एसई अमित कुमार के मो.न. 9425805911 पर सम्पर्क कर सकते है।

चित्रगुप्त नगर में कायस्थ समाज ने किया भागवत कथा का आयोजन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। धर्म, आस्था और अध्यात्म की गंगा में डुबकी लगाने का सुनहरा अवसर चित्रगुप्त सभा कायस्थ समाज, बालाघाट द्वारा प्रदान किया जा रहा है। समाज द्वारा 2 नवंबर से 9 नवंबर तक चित्रगुप्त सभा मंगल भवन, चित्रगुप्त नगर में भव्य श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस दिव्य कथा का वाचन संपूर्ण देश में प्रसिद्ध संत श्री बिहारी सरकार अनिकेत जी महाराज के श्रीमुख से प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक किया जा रहा है। कथा स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर श्रीकृष्ण लीला, भक्ति, ज्ञान और मोक्ष की दिव्य कथाओं का रसपान कर रहे हैं। कार्यक्रम के आयोजक स्वर्गीय अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव, जो राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक रहे हैं, की धर्मपत्नी श्रीमती ललिता श्रीवास्तव एवं पुत्र श्री रविन्द्र श्रीवास्तव हैं। इस धार्मिक आयोजन में श्रीवास्तव परिवार के सभी सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। विशेष रूप से उनकी तीनों बेटियां, जिनमें विजेता श्रीवास्तव, जो चित्रगुप्त सभा कायस्थ समाज महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष हैं , कथा आयोजन और व्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। कायस्थ समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यह कथा न केवल कायस्थ समाज की आस्था का प्रतीक है, बल्कि पूरे बालाघाट जिले की धार्मिक और सांस्कृतिक एकता का उत्सव है। इस कथा के माध्यम से समाज में भक्ति, सद्भावना और एकता का संदेश प्रसारित किया जा रहा है। चित्रगुप्त सभा कायस्थ समाज, बालाघाट ने समस्त सनातन धर्म प्रेमियों, समाजसेवियों, श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से भावपूर्ण निवेदन किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भागवत कथा श्रवण का पुण्य लाभ प्राप्त करें। समाज का कहना है कि यह कार्यक्रम हम सबका अपना आयोजन है, जहाँ धर्म, समाज और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। कथा पंडाल में प्रतिदिन सुंदर सजावट, भजन-संकीर्तन, और भक्ति भाव से ओतप्रोत वातावरण श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करा रहा है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विशाल प्रसाद वितरण और सामूहिक आरती का आयोजन भी किया जाएगा।

प्रेमनगर प्रवेशद्वार लोकार्पण पर राजनीति शुरू

कांग्रेस पार्षद ने लगाया राजनीति करने का आरोप, अध्यक्ष भारती ठाकुर बोलीं , लोकार्पण नियमों के अनुसार हुआ

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

नगर पालिका परिषद द्वारा प्रेम नगर के प्रमुख मार्ग पर गायत्री मंदिर शक्तिपीठ प्रवेश द्वार का निर्माण कर लोकार्पण किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम में आयोग सदस्य मौसम बिसेन, नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी और पार्टी पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। दूसरी ओर वार्ड पार्षद आशुतोष ने इस पूरे कार्यक्रम का विरोध करते हुए नाराज़गी जताई। पार्षद ने कहा कि लोकार्पण पत्थर पर नगर पालिका द्वारा भाजपा पदाधिकारियों के नाम अंकित किए गए हैं, जबकि वार्ड पार्षद और वार्ड वासियों का नाम प्रोटोकॉल के अनुसार नहीं लिखा गया है। इसे उन्होंने भाजपा द्वारा राजनीतिक श्रेय लेने का प्रयास बताया। पार्षद के विरोध के बावजूद नगर पालिका के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने प्रवेश द्वार के लोकार्पण को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया ।

नगर पालिका द्वारा 6 नवंबर को शहर के गोंदिया रोड स्थित प्रेम नगर पहुँच मार्ग पर गायत्री मंदिर शक्तिपीठ प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया गया। यह प्रवेश द्वार नगर पालिका के पूर्व स्वीकृत प्रस्ताव के तहत बनाया गया है। कार्यक्रम का आयोजन पूरे धार्मिक उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल दिखाई दिया। कार्यक्रम में आयोग सदस्य मौसम बिसेन, नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन और सभापति श्रीमती योगिता विनय बोपचे सहित नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। फीता काटकर विधिवत लोकार्पण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्य पहले ही किया जाना था, किंतु तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से इसमें कुछ समय की देरी हुई। नगर पालिका ने सभी संबंधित लोगों को जानकारी में लेकर अंततः इस महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न कराया। नगर पालिका के कांग्रेसी पार्षद आशुतोष डहरवाल ने इस पूरे कार्यक्रम को भाजपा द्वारा श्रेय लेने की राजनीति करार दिया और कार्यक्रम का विरोध किया। पार्षद ने कहा कि लोकार्पण पत्थर पर भाजपा पदाधिकारियों के नाम अंकित किए गए हैं, जबकि वार्ड पार्षद और वार्डवासियों के नाम प्रोटोकॉल के अनुसार नहीं लिखे गए। पार्षद डहरवाल ने बताया कि उन्हें नगर पालिका की ओर से किसी प्रकार का निमंत्रण भी नहीं दिया गया। उन्हें वार्डवासियों के माध्यम से जानकारी मिली कि प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पत्थर पर कुछ ऐसे लोगों के नाम अंकित किए गए हैं जो उनके वार्ड से संबंधित नहीं हैं। इतना ही नहीं, नगर पालिका ने वार्ड के वार्डवासियों के भी नाम को नज़रअंदाज किया और उनका नाम अधूरा लिखा गया। उन्होंने कहा कि यह वही प्रवेश द्वार है जिसके निर्माण की मांग को लेकर उन्होंने कई बार ज्ञापन सौंपे थे और प्रदर्शन तक किए थे। पार्षद ने कहा, यदि नगर पालिका को निष्पक्ष रहना था तो मेरे वार्ड के सामने और पीछे के दोनों वार्डों के पार्षदों के नाम भी पत्थर पर अंकित किए जाने चाहिए थे। भाजपा की यह राजनीति बहुत ही छोटे स्तर की है। पार्षद ने कहा कि भले ही उनका नाम लोकार्पण पत्थर में नहीं है, लेकिन उनके कार्यों से उनके वार्डवासी भलीभांति परिचित हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रवेश द्वार क्षेत्र की पहचान और धार्मिक आस्था से जुड़ा प्रतीक है, और उन्होंने इसके निर्माण के लिए लगातार प्रयास किया था।

ऐसा विरोध पार्षद की मानसिकता को दर्शाता है - भारती

नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कांग्रेस पार्षद के आरोपों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका ने प्रेम नगर मार्ग पर प्रवेश द्वार का लोकार्पण नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार किया है। यह कार्य नगर पालिका के पूर्व स्वीकृत प्रस्ताव के तहत किया गया था और इसकी समस्त जानकारी संबंधित प्रतिनिधियों को पहले से दी गई थी। अध्यक्ष ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्षद को लोकार्पण कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। लोकार्पण पत्थर पर नाम प्रोटोकॉल के अनुसार ही अंकित किए गए हैं। किसी के साथ कोई पक्षपात या राजनीति नहीं की गई है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के जनहित से जुड़े कार्यों का विरोध करना उचित नहीं है। ऐसा विरोध जनप्रतिनिधि की मानसिकता और दृष्टिकोण को दर्शाता है। अध्यक्ष ने कहा कि नगर पालिका का उद्देश्य शहर के सौंदर्यीकरण और धार्मिक स्थलों के विकास को बढ़ावा देना है, न कि किसी प्रकार की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल होना।

हॉकी इंडिया के सौ वर्ष पूर्ण, स्व. श्री रमणीकलाल त्रिवेदी दर्शक दीर्घा का लोकार्पण आज

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नेहरू स्पोर्टिंग क्लब बालाघाट द्वारा हॉकी इंडिया के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शहीद चंद्रशेखर एस्ट्रोटर्फ हॉकी ग्राउण्ड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर 7 नवम्बर शुक्रवार की सुबह करीब 10 बजे स्व. श्री रमणीकलाल त्रिवेदी दर्शक दीर्घा का लोकार्पण कलेक्टर मृणाल मीणा के प्रमुख उपस्थित में किया जाएंगा। इस संबंध में नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि एस्ट्रोटर्फ मैदान की सौगात जिलेवासियों को काफी लंबे इंतजार के बाद मिली है। टर्फ मैदान में इस वर्ष अखिल भारतीय स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट भी कराया गया। जिसमें देश की बेहतरीन टीमों ने शामिल होकर अपना शानदार प्रदर्शन किया। टर्फ मैदान में नवीन शाला की ओर दर्शकों के बैठक व्यवस्था के लिये गैलरी की सुविधा नहीं होने से मेरे द्वारा अपने पिता स्व. रमणीक लाल त्रिवेदी की स्मृति में रमणीक लाल त्रिवेदी दर्शक दीर्घा का निर्माण करीब 30 लाख की लागत से किया गया है। नव-निर्मित दर्शका दीर्घा का लोकार्पण हॉकी इंडिया के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शुक्रवार को किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष में नारायण सिंह मेमोरियल अखिल भारतीय स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट में देश की नामी गिरामी टीमों को बुलाने का प्रयास किया जाएंगा।इस अवसर पर नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी व सचिव विजय वर्मा ने क्लब के सभी पदाधिकारी व हॉकी खिलाड़ी एवं खेल प्रेमियों से उपस्थिति की अपील की है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, जिला बालाघाट म.प्र.

आम सूचना

क्रमांक/8768 /नजूल रीडर/2025 बालाघाट दिनांक 06/11/2025

प्रकरण में आवेदक श्री परेश बाफना एवं कमलेश बाफना पिता स्व. श्री ज्ञानचंद बाफना निवासी वार्ड नं0 17 मेन रोड बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट द्वारा बालाघाट स्थित नजूल शीट क्रमांक 25 ए प्लाट नंबर 85 क्षेत्रफल 434 वर्गमीटर नजूल भूखण्ड पर ज्ञानचंद बाफना पिता कालूराम बाफना निवासी 17 मेन रोड बालाघाट का नाम दर्ज है। पूर्व धारक ज्ञानचंद बाफना पिता कालूराम बाफना निवासी बालाघाट द्वारा उपरोक्त भूखण्ड को आवेदक परेश बाफना एवं कमलेश बाफना पिता ज्ञानचंद बाफना के पक्ष में पंजीकृत वसीयतनामा पंजीयत दिनाक 04/02/2019 लिख दी गई थी। पंजीकृत वसीयतकर्ता ज्ञानचंद बाफना पिता कालूराम बाफना की मृत्यु दिनांक 17/07/2025 को हो चुकी है। पंजीकृत वसीयतनाम के आधार पर आवेदित भूखण्ड पर वर्तमान धारक परेश बाफना एवं कमलेश बाफना पिता स्व. श्री ज्ञानचंद बाफना के नाम पर नामांतरित किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, उक्त नामांतरण में हित रखने वाले व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि या तो स्वयं अथवा किसी अभिभाषक द्वारा उपस्थित होकर नामांतरण में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो निश्चित दिनांक 10..11.2025 को कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल अधिकारी
बालाघाट(म.प्र.)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शुक्रवार 07 नवम्बर 2025

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

रेलवे मालगोदाम में नौकरी के नाम पर ठगे 39 लाख रूपये!!

गोंदिया के एक युवक ने पैसे ऐंठ कर कई युवाओं को बनाया ठगी का शिकार, युवाओं ने एसपी कार्यालय में सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पढाई पूरी करने के बाद भी, नौकरी ना मिलने के चलते शिक्षित बेरोजगारों के आंकड़े लगातार बढ़ते जा रहे हैं।जिसके चलते बेरोजगार युवा किसी भी तरीके से रोजगार की चाह में अपनी गाढी कमाई खर्च कर, लगातार ठगी के शिकार हो रहे हैं।रोजगार देने के नाम पर पैसों की ठगी के लगातार बढ़ते जा रहे मामलों के बीच अब भारतीय रेलवे में सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर 90 से अधिक युवाओ के साथ लाखो रु की धोकाध ?ी किए जाने का एक मामला सामने आया है।जहां ठगी का अहसास होने पर जिले के करीब 20 युवाओ में से 4 युवाओ ने एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौपकर महाराष्ट्र राज्य के जिला व नगर गोंदिया, खापरड़े कालोनी निवासी 32 वर्षीय खुशाल पिता मुरलीधर नेवारे पर करीब 39 लाख रु की धोकाधड़ी किए जाने का आरोप लगाया है।जिन्होंने नौकरी लगाने के नाम पर ली गई रकम उन्हें वापस करने, गोंदिया निवासी आरोपी कुशाल नेवारे पर एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने, और उसपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

वर्ष 2022 से रेलवे में नौकरी की राह देख रहे युवा

उक्त आरोप लगाते हुए ज्ञापन सौपने पहुचे युवाओ ने बताया कि पीढ़ित थाना लांजी ग्राम सालेटेकरी वार्ड नं 3 निवासी विजय पिता राधेलाल राउत, कथित आरोपी गोंदिया निवासी खुशाल नेवारे, का रिश्ते में भांजा लगता है सन् 2022 में उसके घर किसी कार्यक्रम में आया था उस दौरान वह विजय सहित अन्य युवाओ से मिला और उसने बताया कि वह भारतीय रेल्वे माल गोदाम श्रमिक युनियन का कमेटी मेम्बर है,अभी उक्त युनियन में सुपरवाईजर, क्लर्क, चपरासी, और लेबर भर्ती की कार्यवाही शुरू है जिसमें वहां उनकी सरकारी नौकरी लगा सकता है।आरोपी ने बताया कि उक्त युनियन में सभी मेम्बरों के साथ बहुत अच्छी जान-पहचान है, लेकिन उक्त भर्ती के लिए कुछ राशि जमा करनी पडेगी। आप लोगों की भर्ती उक्त युनियन में सरकारी पद में हो पाएगी। उसके बाद खुशाल द्वारा भर्ती कार्यवाही के लिए युवाओ को कुछ फार्म दिये गए थे जिसे युवाओ ने भरकर खुशाल को दिये थे, उसके बाद खुशाल द्वारा युवाओ का सेमीनार किरनापुर, आमगांव, रांची, दिल्ली में लेकर उन्हे आश्वस्त किया कि उनकी नौकरी पक्की हो गयी है।साथ ही उक्त सेमीनार में खुशाल के द्वारा युवाओ को

भारतीय रेल्वे माल गोदाम श्रमिक युनियन के आईडेंटी कार्ड प्रदान कर दिया गया।जिसपर विश्वास करते हुए युवाओ ने कथित भारतीय रेल्वे माल गोदाम श्रमिक युनियन के अध्यक्ष कांति मंडल, अन्य पदाधिकारी घनश्याम ओरानो,शिशिर ओरानो और अमित गुप्ता के खाते में भी ऑनलाईन रकम जमा करा ली, लेकिन युवाओ को नौकरी नही दी।और वर्ष 2022 से युवाओ को नौकरी के नाम पर आश्वासन देता रहा।

ना नौकरी मिली, ना वापस मिली रकम, भटक रहे युवा

ज्ञापन सौपने पहुचे युवाओ ने बताया कि गोंदिया निवासी खुशाल नेवारे हर किसी पद के लिए अलग-अलग रूपयें की मांग थी।उधर खुशाल की बातों में आकर सरकारी नौकरी की चाह में युनियन में भर्ती के लिए युवाओ ने अपने चित-परिचित रिश्तेदारों को भी फार्म भराकर एवं उनसे पैसे लेकर खुशाल को दे दिए बताया गया कि इन युवाओ से लगभग 39,00,000/- (उनचालीस लाख रूपयें) की रकम ऐंठी गई है।जबकि गोंदिया के खुशाल ने 90 से युवाओ को ठगी का शिकार बनाया है।

विश्वास दिलाने के लिए 500रु के स्टाम्प पर बनाया था एग्रीमेंट

पीड़ित युवाओ ने बताया कि युनियन की भर्ती के लिए लगभग जिले के 90 लोगों से पैसा लेकर आज दिनांक तक किसी भी व्यक्ति को नौकरी प्रदान नही की गयी है।सभी युवाओ ने नकदी एवं ऑनलाईन के माध्यम से राशि अदा की है। जिसके सबूत भी हमारे पास है।हमारे द्वारा जब- जब नौकरी के बारे में पूछा जाता था कि भर्ती कब होगी तब तब वह कोई ना कोई बहाना बनाकर एक-दो महीने में भर्ती हो जाएगी कहकर आश्वासन दिया जाता था।उसने हमसे छल-कपट एवं धोखाधडी कर पैसे लिए है।ठगी का एहसास होने पर जब हमने राशि वापस मांगी तो उसने राशि दो माह में वापस कर दूंगा, कहकर आश्वासन दिया था, लेकिन समय सीमा समाप्त होने पर भी राशि नही लौटाई।बोलने गए तो आक्रोशित होकर माँ-बहन की गंदी-गंदी गाली-गलौच करते हुए दोबारा राशि मांगने पर जान जान से खत्म करवाने की धमकी दी जा रही है।अपने आप को ऊची पहुच वाला बताता है।एस.पी.,टी.आई. बडे-बडे नेता-मंत्री के साथ भी मेरा उठना- बैठना होता है कहकर झूठे केस में फसाने की धमकी देता है।युवाओ ने बताया कि विश्वास दिलाने के लिए 27 नवंबर.2024 को उसने अपने घर बुलाकर राशि वापस देने का आश्वासन दिया था, 500/- रूपए के स्टाम्प पेपर पर उधारी का करारनामा भी निष्पादित कि उक्त राशि दर्ज की थी, लेकिन पैसा वापस नही किया।

रकम वापस दिलाकर संबंधित पर की जाए कड़ी कार्यवाही- विजय राउत

लांजी निवासी विजय कुमार राउत ने बताया कि गोंदिया निवासी खुशाल नेवारे ने भारतीय रेलवे माल गोदाम में सरकारी नौकरी लगने के नाम पर 90 युवाओं से करीब 39 लाख रुपए ऐठ लिए है। नौकरी लगने की बात वर्ष 2022 में तय हुई थी 2023 तक सभी ने सरकारी नौकरी के लिए उसे पैसे दे दिए थे लेकिन उन्होंने नौकरी नहीं दी, तब से लेकर अब तक वह तारीख पर तारीख दे रहा है, पैसे वापस नहीं कर रहा है, इसीलिए आज हम एसपी कार्यालय आए हैं हम चाहते हैं कि हमें हमारे पैसे वापस दिलाया जाए, वही संबंधित पर एफआईआर दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी कर उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए ताकि दूसरे युवाओं के साथ ऐसी धोखाधड़ी न हो।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर 9 नवंबर को होगा आंदोलन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली की मांग को लेकर प्रदेशभर के कर्मचारी और शिक्षक एक बार फिर सड़कों पर उतरने जा रहे हैं। इसी क्रम में 9 नवंबर को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक भव्य और ऐतिहासिक आंदोलन आयोजित किया जाएगा। यह आंदोलन आजाद अध्यापक शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रांताध्यक्ष भरत पटेल के नेतृत्व में होगा। इस राष्टीय स्तर के आंदोलन में मध्यप्रदेश के हजारों शिक्षक और विभिन्न विभागों के कर्मचारी शामिल होंगे। आंदोलन का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों तक यह सशक्त संदेश पहुँचाना है कि पुरानी पेंशन अब केवल मांग नहीं, बल्कि कर्मचारियों का अधिकार और उनका अटल संकल्प है। इस आयोजन में ऑल इंडिया एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्टीय अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल भी शामिल होंगे। उनके नेतृत्व में देश के विभिन्न राज्यों और विभागों के प्रतिनिधि कर्मचारी दिल्ली पहुंचेंगे। इस दिन जंतर-मंतर कर्मचारियों की एकजुटता, संघर्ष और संकल्प का प्रतीक स्थल बन जाएगा। प्रांताध्यक्ष भरत पटेल ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम सब अपनी पुरानी पेंशन के हक के लिए एकजुट होकर सरकार तक अपनी आवाज बुलंद करें। यह आंदोलन केवल एक मांग नहीं, बल्कि हमारे भविष्य और सम्मान की लड़ाई है। इसी कड़ी में बालाघाट जिले के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी आंदोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर ली है। जिलाध्यक्ष आशीष बिसेन ने बताया कि जिले से सैकड़ों शिक्षक और अन्य विभागों के कर्मचारी 9 नवंबर को दिल्ली रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि अब मांग करने का समय नहीं, हक लेने का समय है। जिला पदाधिकारियों ने शिक्षकों, कर्मचारियों और पेंशन समर्थकों से अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुँचने और आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है। जंतर-मंतर पर होने वाला यह आंदोलन कर्मचारी एकता और अधिकार की नई मिसाल पेश करेगा, जिसमें देशभर के लाखों कर्मचारी एक ही स्वर में यह उद्घोष करेंगे की पुरानी पेंशन हमारी माँग नहीं, हमारा अधिकार है।

श्रीमति कमला बाई बढ़ई नहीं रहीं

पदमेश न्यूज।बालाघाट। स्थानीय वार्ड 27 निवासी दिनेश बढ़ई की माताश्री श्रीमती कमला बाई बढ़ई का स्वर्गवास आज दिनांक 6 नवम्बर 2025 को प्रात: हो चुका है.उनका अंतिम संस्कार यात्रा 7 नवम्बर को प्रात: 10 बजे इनके निज निवास से निकलकर मोक्षधाम जागपुर घाट में किया जावेगा । वे अपने पीछे पुत्र दिनेश बढई,संतोष बढई सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गयी है. शुभचिंतको ने पुण्यात्मा को शोक श्रद्धांजलि दी है।

जनपद पंचायत अध्यक्ष और सीईओ की समझाईश पर भी नहीं माने भरवेली के आंदोलित पंच

पंच बोले जबतक जिला पंचायत सीईओ नही देते आवश्वासन जारी रहेगा धरना, भरवेली पंचायत के पंचो का 9 दिनों से जारी है धरना प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली में सरपंच और विपक्षी पंचों के बीच पिछले कई महीनो से जारी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां कई बार शिकायत, आवेदन, निवेदन और प्रदर्शन के बावजूद भी अब तक विपक्षी पंचों द्वारा की गई शिकायत पर जांच पूरी होकर कोई निर्णय नहीं निकल पाया है। जिससे नाराज 13 समस्त विपक्षी पंचो द्वारा उपसपंच राजेश बाहेश्वर के नेतृत्व में, 29 अक्टूबर से पंचायत के सामने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है। समस्त विपक्षी 13पंचों द्वारा शुरू किया गया यह धरना प्रदर्शन अब भी जारी है। उधर गुरुवार को धरना प्रदर्शन को समाप्त करने के लिए जनपद पंचायत अध्यक्ष फूलचंद सहारे, जनपद पंचायत सीईओ ममता कुलस्ते और पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष उम्मेंद लिल्हारे, पंचों के धरना स्थल पर पहुंचे। जिन्होंने मामले का संज्ञान लेते हुए जल्द ही शिकायतों की जांच कराकर ,जांच रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष पेश करने, और मामले में वैधानिक कार्यवाही कराने की बात कही, जहां उन्होंने मामले की वैधानिक जांच के साथ-साथ मामले का त्वरित निराकरण किया जाने का भी आश्वासन दिया। लेकिन उनके आश्वासन का धरने पर बैठे पंचों पर कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने उनके इस आश्वासन को नजरअंदाज करते हुए मामले का निराकरण ना होने तक 6 सूत्रीय मांगों को लेकर जारी उनका यह धरना प्रदर्शन आगे भी जारी रखने की चेतावनी दी है। तो वही समय पड़ने पर वार्डो की जनता को साथ लेकर जिला पंचायत सीईओ का घेराव किया जाने की भी चेतावनी दी गई है।

भाजपा से जुड़े अध्यक्ष ने पंचो की मांगों को बताया जायज

भरवेली पंचायत में सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन भारतीय जनता पार्टी से जुड़ी है, जिनपर निर्माण कार्यों में अनिमियता सहित अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए विपक्षी पार्षदों द्वारा पिछले 9 दिनों से पंचायत भवन के सामने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। जिनके धरना प्रदर्शन को आश्वासन पर समाप्त करने के लिए जनपद पंचायत अध्यक्ष फूलचंद सहारे, जिला पंचायत सीईओ ममता कुलस्ते के साथ पंचों के धरना स्थल पर पहुंचे थे। जहां भारतीय जनता पार्टी से जुड़े जनपद पंचायत अध्यक्ष फूलचंद सहारे ने भी विपक्षी पंचों द्वारा किए जा रहे धरना प्रदर्शन और उनकी मांगों

को जायज ठहराते हुए जिला पंचायत व जनपद पंचायत में चल रही जांचों पर जल्द कार्यवाही कर, जल्द ही मामले का निराकरण कराए जाने की बात कही है ।

जिला पंचायत सीईओ के घेराव की योजना बना रहे विपक्षी पंच

पिछले 29 अक्टूबर से जारी पंचो के इस अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन को 9 दिन बीत चुके हैं। बावजूद इसके भी अब तक पूर्व में की गई शिकायतो की जांच पूरी नहीं हो पाई है और ना ही कोई निर्णय निकल पाया है। इसके अलावा जिला पंचायत सीईओ द्वारा अब तक प्रदर्शनकारी पंचों को कोई ठोस आश्वासन भी नहीं दिया गया है, जिसके चलते अब विपक्षी पंचों ने वार्डो की जनता को साथ लेकर जिला पंचायत सीईओ का घेराव करने की योजना बनाई है।जिन्होंने जल्द ही इस योजना पर विचार विमर्श करके, इस योजना को मूल रूप दिए जाने की बात कही है।

3 वर्ष का हिसाब मांग रहे विपक्षी पंच

उपसरपंच सहित 13 पंच, अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर पंचायत के सामने 9 दिनों ने अनिश्चितकालीन धरना पर है। इस अनिश्चितकालीन प्रदर्शन के दौरान विपक्षी पंचो ने पंचायत के जिम्मेदारों पर तरह-तरह के आरोप लगाते हुए सरपंच सचिव से 3 वर्षो का हिसाब दिए जाने की मांग की, तो वही अपनी इन मांगो को लेकर उन्होंने जमाकर नारेबाजी कर विपक्षी पंचो की उपेक्षा किए जाने का भी आरोप लगाया है। उधर जनपद पंचायत अध्यक्ष और सीईओ से मिले आश्वासन को स्वीकार न करते हुए उपसरपंच सहित अन्य पंचो ने मांग पूरी न होने तक उनका यह धरना प्रदर्शन शुरू रहने की चेतावनी दी है।

इन 6 सूत्रीय मांगो को लेकर 9 दिनों से जारी है धरना प्रदर्शन

ग्राम पंचायत भरवेली द्वारा कराए गए 72 निर्माण कार्यो में 2-3 करो ? रु का हिसाब देने, मॉयल से पंचायत को प्राप्त टैक्स की राशि करीब 40-45 लाख रु. का ब्यौरा प्रस्तुत करने, ग्रामकोष की राशि का लेखा जोखा दिए जाने, सरपंच पति के द्वारा निर्माण एवं पंचायत के विभिन्न कार्यो में हस्तक्षेप पर प्रतिबंध लगाने,विगत 3 वर्षो का ग्राम पंचायत भरवेली के पंचो को आय-व्यय का हिसाब देने, और पंचो को अपने अधिकार से सरपंच पति के द्वारा वंचित रखे जाने का आरोप लगाते हुए उपसपंच सहित पंचायत के अन्य 13 विपक्षी पंचो द्वारा पिछले 9 दिनों से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू है, जो अब भी जारी है।

जिला पंचायत सीईओ से मिले आश्वासन, तो स्थगित कर सकते है धरना- राजेश बाहेश्वर

वार्ड पंच अमीन खान, और उपसपंच राजेश बाहेश्वर ने बताया कि आज हमें समझाईश देने के लिए जनपद पंचायत अध्यक्ष और सीईओ मैडम आई थी लेकिन हम अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।जिला पंचायत सीईओ द्वारा 10 से 11 दिनों में जांच पूरी करने की बात कही गई है,आश्वासन देकर हमे धरना प्रदर्शन समाप्त करने कहां है लेकिन जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होगी तब तक हमारा यह धरना जारी रहेगा। यदि जिला पंचायत सीईओ से हमें कोई ठोस आश्वासन मिले, तो हम धरने को स्थगित कर सकते हैं।

अविश्वास प्रस्ताव वाले मामले में कलेक्टर ने नही किया इंसाफ- उम्मेंद लिल्हारे

जनपद पंचायत पूर्व अध्यक्ष उम्मेंद लिल्हारे ने बताया कि भरवेली में पंचों और सरपंच की लड़ाई पुरानी हो गई है, यहां पर अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था उस अविश्वास प्रस्ताव पर कलेक्टर ने इंसाफ नहीं किया। अधिक संख्या में सभी विपक्षी पंचो की मांग पर उचित निर्णय नहीं लिया गया। सरपंच के साथ-साथ सचिव, व पंचायत के कर्मचारी भी पंचों और उनके वार्डो से भेदभाव कर रहे हैं। वहां का कचरा तक नहीं उठाया जा रहा है, नालियां तक साफ नहीं हो पा रही है। इसके पूर्व इस पंचायत में कभी सांप्रदायिक बातें नहीं हुई, जो अब चल रही है, इस कार्यकाल में पहले भी सरपंच के खिलाफ कई शिकायतें की गई जिसकी जांच पूरी नहीं हुई है। हमारी मांग है कि उन शिकायतों की जांच कर, पंचों की मांग पूरी करनी चाहिए , दोषियों को घर बैठकर वैधानिक कार्रवाई की जानी चाहिए। क्योंकि इन पंचो को कोई शौक नहीं है जो इतने दिनों से बैठे हैं, अधिकारियों ने तत्परता से उनके मुद्दों पर निर्णय लेना चाहिए। इसके पूर्व जिला पंचायत सीईओ द्वारा पंचायत के पीछे बाजार में चल रहे शेड निर्माण कार्य पर रोक लगाई जाने को लेटर दिया गया था, लेकिन ये सीईओ का आदेश भी नहीं मान रहे हैं, जनपद पंचायत, जिला पंचायत सीईओ की जब नहीं सुनी जा रही है तो फिर इन विपक्षी पंचो की क्या सुनी जाती होगी। इसीलिए वार्डों की जनता ने इन पंचो का साथ देना चाहिए और जिला पंचायत सीईओ का घेराव करने का निर्णय लेना चाहिए।

विपक्षी पंचों की मांगे जायज है- फूलचंद सहारे

जनपद पंचायत अध्यक्ष फूलचंद सहारे ने बताया कि हम सीईओ मैडम के साथ धरने पर बैठे पंचों से मिलने आए थे, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हमने पंचो की बात सुनी है, पंचायत राज अधिनियम के तहत पंचों की मांगे जानी है, हमने पंचो से कहा है कि वह धरने पर बैठकर समय बर्बाद कर रहे हैं, आपकी जांच निरंतर चल रही है, हम इन पंचो का हर तरह से सहयोग करने तैयार हैं।एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अधिकारियो से हम कहेंगे की जांच को जल्द से जल्द पूरी करें, प्रथम दृष्टिया पंचों की मांग जायज है इसीलिए यहां आधे से ज्यादा पंच धरने पर बैठे हैं।

परमात्मा एक सेविका मंडल ने मोती उद्यान में किया पौधारोपण

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। परमात्मा एक सेविका बहु उद्देशीय समिति कटंगी के तत्वाधान में शहर मुख्यालय स्थित मोती उद्यान में विभिन्न प्रजाति के पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस संबंध में समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि परमात्मा एक सेवक मंडल नागपुर के संचालक एवं मार्गदर्शकों के मार्गदर्शन में पौधरोपण का कार्यक्रम आहूत किया गया। जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण व प्रकृति को हरा-भरा करना है।इस दौरान प्रमुख रूप से टीकाराम पराते मंडल संचालक बालाघाट, सुरेन्द्र नगपुरे मार्गदर्शक कोसमी, संतोष चंदेल, श्रीमती उमा चंदेल कोसमी, मोहनलाल बिसेन, शिवनंद कटरे गायखुरी, लालदास बारेकर गर्रा, श्रीधर डेकाटे, मोंटू चौरे, मुकेश करकाड़े बालाघाट, सेकेन्द्र सिंह बिसेन कंटगी, रूपलाल लिल्हारे, भोजराज धुपे, सखाराम तेलासकर सरेखा, लालचंद चौरागढ़े, विजेन्द्र बिरनवार सहित अन्य मौजूद रहे।

बिजली दुर्घटना रोकने तारों की ऊंचाई बढ़ाई गई

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री अमित कुमार ने बताया कि जिले के तीनों संभाग में बिजली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में वितरण केंद्र तिरोड़ी के अंतर्गत ग्राम कालीमाटी एवं ग्राम बिछवा दोनों ग्रामों में दुर्घटना संभावित लोकेशन पर मुख्यालय टीम और उपसंभाग कटंगी टीम द्वारा क्रमश: 11 किलोवाट लाइन की ऊंचाई अत्यधिक कम होने पर नया 11 किलोवाट मिडस्पान पोल स्थापित किया गया है तथा एलटी पोल जर्जर स्थिति में होने पर नया पोल लगाकर उचित रखरखाव कार्य संपादित किया गया है। इसी प्रकार 06 नवंबर को सावंगी वितरण केंद्र के अंतर्गत ग्राम छोटाटोला में निम्नदाब लाइन की जमीन से कम दूरी होने के कारण, दुर्घटना संभावित क्षेत्र में मिड स्पाणन पोल लगाकर समस्या का निराकरण किया गया है। जिले में दुर्घटना संभावित स्थ लों पर तारों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। आम जन से भी अपील की गई है कि वे बिजली के तारों से सुरक्षित दूरी बनाये रखें।

आत्मनिर्भरता की दिशा में पहल : कराटे प्रशिक्षण केंद्र का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। गुरुनानक जयंती के पावन अवसर पर 5 अक्टूबर को शासकीय प्राथमिक शाला डोगरु टोला, सेलवा (कटंगी) में कराटे प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। यह केंद्र आत्मनिर्भर और सुरक्षित समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। प्रशिक्षण केंद्र का संचालन हान्सी राजेंद्र सिंह तोमर के मार्गदर्शन एवं सेन्साई रूपेंद्र बनकर (ब्लैक बेल्ट 3 डान) के नेतृत्व में किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक श्री गनीलाल पटले एवं समाजसेवी श्री संतोष ऊके ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सेलवा कटंगी क्षेत्र के सीनियर खिलाड़ी लक्ष्मी नागोसे, योगीता गाडेकर, मनीष पटले, डाली बनकर, लवली बनकर, साक्षी कौहरे, प्रेरणा देशकर, माही मेश्राम, प्रांजल मेश्राम, एकता कुमरे, आरुषि तुरकने, अनुराधा कुमरे, धाम्मदीप मेश्राम, हर्षित देशकर, मोहक बनकर, कुनाल बनकर, कुशाल बनकर और वेदांश बनकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान शासकीय माध्यमिक शाला सेलवा की छात्राएं विधि सहारे एवं विधि नागेश्वर को कराटे में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला इंडियन कराटे संघ बालाघाट के संरक्षक देवेंद्र सिंह चंदेल, अध्यक्ष तपेश असाटी, कोषाध्यक्ष श्रेयांश वेद, विजय बुडेकर, रूपेंद्र बनकर, सहसचिव पूरन सिंह धुर्वे, परेश कुथे, रूपल गौतम एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण केंद्र न केवल बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से भी सशक्त बनाएगा।

उपयंत्रियों की तीन माह से हड़ताल जारी, पंचायतों के निर्माण सहित अन्य कार्य ठप्प

रोजगार की तलाश में मजदूरों का हो रहा पलायन, सरपंच, सचिव एवं ग्रामीणजन परेशान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

मनरेगा अभियंता संघ के प्रांतीय आव्हान पर प्रदेशभर के मनरेगा उपयंत्री गत 16 अगस्त करीब तीन माह(80 दिनों) से संविदा पारिश्रमिक की गणना नियुक्ति दिनांक की सेवा अवधि से समकक्ष सेवा अवधि वाले नियमित उपयंत्री के वेतन के समतुल्य करने सहित 7 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये है। इसी तरह लालबर्रा जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में पदस्थ मनरेगा उपयंत्री भी करीब 3 माह से अपनी जायज मांगों लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। जिनके हड़ताल पर चले जाने के कारण विगत तीन माह से पंचायत में नये निर्माण कार्य, मजदूरी का भुगतान, मजदूरों को रोजगार दिलवाने सहित कोई भी कार्य नही हो पा रहे है। इस तरह से उपयंत्रियों की हड़ताल के कारण ग्राम विकास की रफ्तार थम सी गई है। नये विकास काम पंचायत के द्वारा नही करवाये जा रहे है। जबकि दीपावली पर्व के बाद पंचायतों में मनरेगा योजना के तहत ग्रामीणजनों को रोजगार उपलब्ध प्रतिवर्ष करवाया जाता था। लेकिन इस वर्ष ग्रामीणों को रोजगार भी नही मिल रहा है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणजन रोजगार की तलाश में बड़े शहरों की ओर पलायन कर रहे है। वहीं करीब 3 माह होने लगे मनरेगा उपयंत्रियों के हड़ताल को लेकिन सरकार के द्वारा उनकी मांगों की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ऐसा लगता है कि सरकार को उपयंत्रियों के हड़ताल से कोई प्रभाव नही पड़ रहा है। लेकिन मनरेगा योजना पूरी तरह से ठप्प हो चुकी है। जिससे सबसे अधिक परेशान सरपंच, सचिव के साथ ही ग्रामीणजन भी है क्योंकि पूर्व में मजदूरों से करवाये गये कामों एवं निर्माण कार्यों का मूल्यांकन नही होने के कारण भुगतान नही हो पा रहा है। इसलिए सरपंच-सचिव एवं ग्रामीणजनों ने सरकार से मनरेगा उपयंत्रियों की करीब 3 माह से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल को जल्द स्थगित करवाने की मांग की है। ताकि जो विकास कार्य अवरूध्द पड़े है उसे गति मिल सके एवं ग्रामीणों को ग्राम स्तर पर ही रोजगार मिल सके।

सरकार उपयंत्रियों की मांगों पर सकारात्मक पहल कर जल्द समस्या का निकाले स्थायी हल

आपकों बता दे कि जनपद पंचायत लालबर्रा में पदस्थ मनरेगा उपयंत्री अपनी लंबित मांगों को लेकर करीब तीन माह से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। जिसके कारण पंचायत स्तर में मनरेगा योजना से होने वाली समस्त निर्माण कार्य सहित नये कार्यों की तकनीकी स्वीकृति नही मिलने से ग्राम का विकास कार्य अवरूध्द हो चुका है एवं मजदूरों का भुगतान भी नही हो पा रहा है। जिससे सरपंच, सचिव एवं ग्रामीणजन खासा परेशान है। जबकि जो भी काम पंचायत में करवाये जाते है उसकी निगरानी एवं निर्माण की गुणवत्ता की जांच उपयंत्रियों के माध्यम से की जाती है, लेकिन मनरेगा उपयंत्री अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर 80 दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। ऐसी स्थिति में बिना उपयंत्री की निगरानी के कुछ निर्माण कार्य भगवान भरोसे हो रहे है। वहीं वैकल्पिक व्यवस्था के लिए प्रशासन के द्वारा 77 ग्राम पंचायतों के लिए आरईएस विभाग बालाघाट से एक उपयंत्री को जनपद पंचायत लालबर्रा में नियुक्त किया गया है, जिसके पास वारासिवनी जनपद का भी प्रभार है। लेकिन उन पर कार्य का भार अधिक होने के कारण कार्यों का मूल्यांकन, टीएस सहित अन्य कार्य करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सरपंच, सचिव, ग्रामीणजनों की परेशानी एवं उपयंत्रियों की मांगों की ओर शासन-प्रशासन के द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे सरकार के प्रति लोगों में आक्रोश पनप रहा है। सरकार को उपयंत्रियों की मांगों पर सकारात्मक पहल कर समस्या का जल्द स्थायी समाधान निकालना चाहिए। वहीं उपयंत्रियों का कहना है अपनी जायज मांगों को लेकर करीब तीन माह से अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे है। लेकिन सरकार हमारी मांगे पूरी नही कर रही है इसलिए हड़ताल निरंतर जारी है।

हड़ताल स्थगित करवाये सरकार - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि प्रदेशभर के मनरेगा उपयंत्री करीब 3 माह से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है, जिसके कारण पंचायतों के सभी काम ठप्प पड़े हुए है। इसके अलावों मजदूरों को रोजगार भी नही मिल पा रहा है एवं विकास कार्य अवरूध्द हो चुका है। साथ ही यह भी बताया कि मजदूर वर्ग दीपावली पर्व मनाये आये थे उसके बाद पंचायत के माध्यम से उन्हे मनरेगा योजना से दीपावली पर्व के बाद प्रतिवर्ष रोजगार मिल जाता था।

लेकिन उपयंत्रियों के हड़ताल के चलते नये कार्यों की स्वीकृति नही मिलने के कारण मनरेगा के सभी काम बंद है ऐसी स्थिति में मजदूर वर्ग रोजगार की तलाश में बड़े शहरों की ओर पलायन कर रहे है। श्री खान ने बताया कि सरकार को उपयंत्रियों की मांग को जल्द पूरा कर हड़ताल स्थगित करवाना चाहिए ताकि उपयंत्रियों के हड़ताल के कारण जो काम प्रभावित हो रहे है वे सुचारू रूप से हो सके।

अपनी जायज मांगों को लेकर उपयंत्री हड़ताल पर है - रूपेश

मनरेगा अधिकारी रूपेश इवने ने बताया कि मनरेगा उपयंत्री अपनी जायज मांगों को लेकर गत 16 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है जिसके कारण मजदूरों की गणना, नये कार्यों की टीएस सहित मनरेगा संबंधित सभी कार्य एवं 15 वां वित्त के कार्य प्रभावित हुए है। श्री इवने ने बताया कि मनरेगा उपयंत्रियों के हड़ताल पर चले जाने से कार्य पुरी तरह से प्रभावित न हो इसलिए शासन स्तर से आरईएस से एक सबइंजीनियर को नियुक्त किया गया है। जिसके द्वारा कार्य किया जा रहा है और मजदूरों को रोजगार उपलब्ध करवाने पर प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि हड़ताल के पूर्व जो कार्य करवाये गये है उसका मूल्यांकन नही हो पाया है, जिसके कारण मजदूरी भुगतान भी नही हो पा रहा है और हम प्रयास कर रहे है कि उपयंत्री वापस आ जाये। लेकिन वे प्रांतीय आव्हान पर हड़ताल पर गये है, जब तक आगे से उनकी मांगे पूरी नही होगी जब तक नही आयेगें बोल रहे हैं। किन्तु हम लोग पुरा प्रयास कर रहे है कि एक उपयंत्री के माध्यम से नये कार्य स्वीकृत करवाकर पंचायत में विकास कार्य करवाने का प्रयास जारी है।

युथ कांग्रेस लालबर्रा अध्यक्ष बने अंकित पिपलोद

आतिशबाजी एवं मिठाई बांटकर युवाओं ने अंकित को दी शुभकामनाएं

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश युवा (युथ) कांग्रेस संगठन के प्रदेशाध्यक्ष, महासचिव, जिलाध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लाक अध्यक्षों का चुनाव विगत माह पूर्व संपन्न हुए थे। जिसका परिणाम 6 नवंबर को घोषित किया गया है और जबलपुर के यश घनघोरिया युथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त हुए है। इसी तरह लालबर्रा विकासखण्ड में युथ कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष अंकित पिपलोद नियुक्त होने पर समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर व्याप्त है। अंकित पिपलोद के युथ कांग्रेस लालबर्रा अध्यक्ष बनने पर मानपुर पंचायत भवन के सामने एवं बस स्टैण्ड में युथ कांग्रेस के पदाधिकारियों ने गुरूवार की शाम में जमकर आतिशबाजियां की एवं मिठाई बांटकर शुभकामनाएं दी है। वहीं युथ कांग्रेस के पदाधिकारियों ने कहा कि अंकित पिपलोद के युथ कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष बनने से संगठन को मजबूती मिलेगी एवं अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का कार्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में किया जायेगा। चर्चा में नवनियुक्त युथ कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष अंकित पिपलोद ने बताया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जो दायित्व सौंपा है उसका निर्वहन ईमानदारी से करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को कांग्रेस पार्टी में जोड़ने के साथ ही हर युवाओं के हित में काम किया जायेगा। इस अवसर पर नवनियुक्त युथ कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष अंकित पिपलोद सहित अन्य कार्यकर्ता एवं समर्थकगण उपस्थित रहे।

नियम विरूध्द भूखण्ड मरम्मत की अनुमति दिये जाने की जांच की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा महामंत्री सतानंद दमाहे ने गत दिवस कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नियम विरूध्द भूखंड मरम्मत की अनुमति दिये जाने की जांच कर दोषी अधिकारी पर कार्यवाही करने की मांग की है। शिकायतकर्ता सतानंद दमाहे ने बताया कि लालबर्रा जनपद पंचायत के 258 भूखण्ड है। जिसकी नीलामी 3 वर्षों से नही की जा रही है किन्तु उक्त भूखण्ड की मरम्मत के नाम से जितेन्द्र मोहबे सहित अन्य लोगों को जनपद पंचायत सीईओं श्री मंडलोई द्वारा अनुमति जारी की गई है। जिसकी नीलामी ही नही हुई है तो फिर इनके द्वारा अनुमति कैसे दी गई है। इस तरह से भूखंडधारियों को नियम विरूध्द मरम्मत की अनुमति देने के कारण लोगों के द्वारा 2 से 3 मंजिला की पक्की दुकाने बनाई गई है जो गलत है। श्री दमाहे ने बताया कि एक ही व्यक्ति के नाम पर 3 से 4 भूखण्डों का आबंटन किया गया है और नियम विरूध्द भूखण्ड मरम्मत की अनुमति भी जनपद सीईओं लालबर्रा के द्वारा कुछ भूखंड धारियों को दिया गया है। इसलिए गत दिवस कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर नियम विरूध्द भूखण्ड मरम्मत की अनुमति दिये जाने की जांच कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

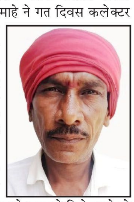

क्षेत्र में गुलाबी ठंड की हुई दस्तक

मार्केट में सज गई गर्म कपड़ों की दुकानें

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम साफ होते ही गुलाबी ठंड की दस्तक हो चुकी है। वहीं धीरे-धीरे ठंड बढ़ने की बात कही जा रही है परन्तु वर्तमान समय में दोपहर के समय धुप लग रही है एवं शाम होते ही ठंड अपना असर दिखाना प्रारंभ कर रही है जो सुबह तक बनी रहती है। ठंड से बचने के लिए लोग गर्म कपड़ों का उपयोग करने लगे है और मार्केट में गर्म कपड़ों की भी दुकाने सज चुकी है। जहां क्षेत्तीयजन पहुंचकर गर्म कपड़ों की खरीदी भी कर रहे है एवं क्षेत्र में सुबह-शाम ठंड का अहसास भी हो रहा है। इस तरह क्षेत्र में गुलाबी ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है, ऐसे मौसम में दिन में दोपहर के समय को छोड़कर हल्की गुलाबी ठंड का अहसास हो रहा है। वहीं शाम के ढलने के बाद से ही ठंड अपना असर दिखाना प्रारंभ कर रही है। क्षेत्र में शाम होते ही शीतलहर के चलने से ठंड लगना प्रारंभ हो जाता है और ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे है। आपकों बता दे कि क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व ठंड का असर कम था क्योंकि बे-मौसम बारिश होने के साथ ही बदलीनुमा मौसम बना रहता था किन्तु दो-तीन दिन पूर्व से मौसम साफ होने के बाद धीरे-धीरे ठंड बढ़ने लगी है। ठंड के कारण लोग अब शाम के बाद गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे है। वहीं क्षेत्र में ठंड के असर को देखते हुए मार्केट में व्यापारियों द्वारा गर्म कपड़ों की दुकानें सजा ली गई है। जिसमें ऊनी, मखमली व अन्य वेरायटियों से निर्मित स्वेटर, टोपा, मफलर व जैकेट सहित गर्म कपड़े नई डिजाईनों में उपलब्ध है। जिन्हें लोगों के द्वारा अपनी आवश्यकताओं के अनुसार खरीदी की जायेगी। व्यापारियों की माने तो गर्म कपड़ों का बाजार अभी जोर नहीं पकड़ पाया है, आगामी 10-15 दिनों में ठंड पूरे शबाब पर रहेगी जिसके बाद गर्म कपड़ों की खरीददारी तेजी से होगी।

बालाजी मंदिर में जलाये गये टिपुर, पूजा-पाठ कर श्रध्दालुओं ने लिया आशीर्वाद

रामजीटोला के कार्तिक पूर्णिमा मेले में कथापूजन और धार्मिक-सांस्कृतिक 'धरती के सिंगार' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी अंतर्गत आने वाले ग्राम रामजीटोला में स्थित अतिप्राचीन तिरूपति बालाजी मंदिर परिसर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 5 नवंबर को दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रात: 8 बजे से श्रध्दालुओं द्वारा अपनी-अपनी मन्नत के अनुसार पूजन अर्चन किया एवं श्री सत्यनारायण भगवान की कथा का वाचन कर विभिन्न अनुष्ठान के पश्चात भगवान बालाजी का अभिषेक करवाया गया। जिसके बाद शाम 5 बजे से कथा पूजन किया गया एवं रात 8 बजे आरती की गई। जिसके पश्चात ग्रामीणजनों ने अपने-अपने घरों से घी-तेल लाकर मंदिर में एकत्रित होकर सामूहिक रूप से पारंपरिक तौर पर टिपुर जलाये, जिससे पुरा मंदिर परिसर टिपुर दीये से जगमगा उठा। वहीं क्षेत्रभर से पहुंचे श्रध्दालुओं ने बालाजी भगवान की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये। साथ ही कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए भोथीपार कला सिंगोला राजनांदगांव (छ.ग.) का धार्मिक-सांस्कृतिक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच (धरती के सिंगार) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें धार्मिक सांस्कृतिक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच के गायक विजेन्द्र साहु, नारायण महानंद, गायिका ज्योति यादव, हीना साहू एवं साथी कलाकारों के द्वारा सुवा, कर्मा, ददरिया, पंथी, नाचा, गम्मत सहित देशभक्ति गीतों पर अपनी पारंपरिक और जीवंत छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झांकी के साथ नृत्यों की भव्य प्रस्तुतियां दी गई जो दर्शकों का मनमोह लिया। वहीं इन नृत्यों में कलाकारों का पारम्परिक परिधान, लोक संगीत की मधुर धुने और ओजपूर्ण नृत्य शैली ने समां बांध दिया। साथ ही इस कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़ी संस्कृति की पारंपरिक और जीवंत झांकी स्पष्ट रूप से देखने को मिली और उपस्थितजनों ने सुबह तक उक्त कार्यक्रम का आनंद उठाया।

सच्चे मन से बालाजी की आराधना करने पर मनोकामनाएं होती है पूरी

आपकों बता दे कि अति प्राचीन बालाजी मंदिर रामजीटोला में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लालबर्रा क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों से श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में पहुंचकर भगवान बालाजी की पूजा अर्चना प्रतिवर्ष करते है। साथ ही जो भक्तजन सच्चे मन से बालाजी की आराधना करता है उसकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती है। रामजीटोला में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 5 नवंबर को आयोजित दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 10 बजे से धार्मिक-सांस्कृतिक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच (धरती के सिंगार) भोथीपार कला सिंगोला राजनांदगांव छ.ग. का आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम पांढरवानी सरपंच, विधायक प्रतिनिधि अनीस खान के मुख्य आतिथ्य, जनपद सदस्य दीपक कावरे, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती सहित अन्य समिति पदाधिकारियों के विशेष आतिथ्य एवं मेला समिति अध्यक्ष मनोज यादव की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित धार्मिक-सांस्कृतिक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच (धरती के सिंगार) राजनांदगांव छ.ग. के गायक-गायिका के द्वारा सुवा, कर्मा, नाचा, गम्मत, हास्य प्रहसन जैसी विभिन्न विधाओं पर मनमोहक प्रस्तुती दी गई, जिसका उपस्थितजनों ने रातभर लुप्त उठाया। कार्यक्रम को अतिथियों ने संबोधित करते हुए सभी को कार्तिक पूर्णिमा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आगामी समय पर इससे भव्य कार्यक्रम मेले में आयोजित किये जाने की बात कही। वहीं श्रध्दालुओं ने बताया कि रामजीटोला में स्थित बालाजी मंदिर बहुत पुराना है और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेला भी लगता है एवं क्षेत्र के श्रध्दालुजन पहुंचकर पूजा अर्चना करते है और इस मंदिर की मान्यता है कि जो भी भक्तजन सच्चे मन से बालाजी की आराधना करता है उसकी मनोकामना भी पूर्ण होती है। चर्चा में श्री त्रिरूपति बालाजी मेला समिति रामजीटोला अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दिन-रात के मेले का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम लोक मंच (धरती के सिंगार) भोथीपार कला सिंगोला राजनांदगांव छ.स. का आयोजन किया गया था। जिसमें कलाकारों के द्वारा अपनी प्रस्तुती दी गई और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बालाजी मंदिर में सुबह से ही श्रध्दालुजन पहुंचकर माथा टेककर आर्शीवाद प्राप्त किये। इस अवसर पर श्री तिरूपति बालाजी मेला समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

बिरसा मुण्डा जयंती पर क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित संस्थाओं में 01 से 15 नवम्बर तक विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने बताया कि 04 नवम्बर को सांदीपनि विद्यालय परसवाड़ा में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 05 नवम्बर को कन्या शिक्षा परिसर परसवाड़ा में जनजातीय गीत गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में 07 नवम्बर को जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र की सभी आंगनवाड़ी केंद्रो में आदिवासी परंपरा अनुसार भोजन बनाया जाएगा।

खैरलांजी जनपद पंचायत सदस्यों ने सामान्य सभा का किया बहिष्कार

५ वें वित्त की राशि सभी जनपद सदस्यों को समान रूप में देने लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी जनपद पंचायत के सभा कक्ष में ६ नवंबर को सामान्य सभा की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त विभागों की समीक्षा एवं कार्य योजना सहित पांचवें वित्त की राशि को लेकर चर्चा की गई। जिसमें जनपद सदस्यों के द्वारा अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष और जनपद सीईओ पर बीच बैठक में उठकर चले जाने के विषय पर आक्रोश व्यक्त किया। सामान्य सभा की बैठक का बहिष्कार करने की बात कहते हुए जनपद सीईओ पर तानाशाही बरतने का आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खैरलांजी जनपद पंचायत में अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष ,जनपद सदस्य एवं जनपद सीईओ की उपस्थिति में सामान्य सभा की बैठक प्रारंभ की गई। जिसमें बैठक के प्रारंभ में समस्त विभागों की समीक्षा सहित अन्य विषय पर चर्चा करते हुए पांचवें वित्त की राशि पर भी चर्चा की गई। जिसमें जनपद सीईओ के द्वारा प्राथमिकता के आधार पर राशि का खर्च करने और सदस्यों से उनके क्षेत्र में होने वाले कार्यों का विवरण लिया गया। जिस पर जनपद सदस्य आक्रोशित हो गए। इस दौरान जनपद सीईओ ,अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष बैठक समाप्त की बात कहते हुए बैठक से उठकर बाहर आ गए। परंतु जनपद सदस्य वहीं बैठे रहे जिनके द्वारा बाहर निकल कर अपना आक्रोश व्यक्त कर जनपद सीईओ ,अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पर बीच बैठक में उठकर बाहर चले जाने और जनपद सीईओ पर तानाशाही का आरोप लगाया है। वहीं पांचवें वित्त की राशि समस्त जनपद सदस्यों को बराबर वितरण करने की मांग की गई है।

जनपद सीईओ,अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की चल रही मनमानी-द्रोण

जनपद सभापति द्रोण डोहरे ने बताया कि सामान्य सभा की बैठक आयोजित हुई थी। जिसमें जनपद सीईओ तानाशाही अपना रहे हैं वह कहते हैं कि मैं जो कहूं वैसा काम हो। हमने अपना निर्णय लिया कि इस बैठक का बहिष्कार करना है,पांचवा वित्त की राशि सभी जनपद सदस्य को बराबर मिलनी चाहिए। परंतु हमें फॉर्म देकर ग्राम क्षेत्र के कार्य के नाम लिखने के लिए कहा गया। हमने राशि का आवंटन पूछा तो कहां हमारी मर्जी जो भी आप डालोगे अध्यक्ष की मर्जी से काम होगा। जब अध्यक्ष और सीईओ की मर्जी से काम होना है तो बैठक क्यों रख रहे हैं। बात चल ही रही है और अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष ,जनपद सीईओ उठकर चले गये यह गलत हैं हम इसकी मुख्यमंत्री को शिकायत करेगे।

पांचवें वित्त की राशि सभी सदस्यों को बराबर दिया जायें नही तो होगा विरोध-पूजा

जनपद सदस्य पूजा नगपुरे ने बताया कि सामान्य सभा की बैठक थी जिसमें सभी विभागों की समीक्षा की गई। फिर पांचवें वित्त की राशि पर चर्चा प्रारंभ हुई उसमें हमें एक फ ॉर्मेट दिया गया था। जिसमें तीन कलम थे ऑप्शन की तरह जिसमें जनपद सीईओ ने कहा कि आप फॉर्म भरो निर्णय हमारा होगा। अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष के हिसाब से कार्य होंगे हम चाहते हैं कि जनपद सदस्य अपने कार्य क्षेत्र से जीत कर आए हैं तो वह अपनी पंचायत में काम कर सके। शासन व हमारे अनुसार कार्य होना चाहिए यही विषय को लेकर जनपद सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार किया है कि बिना बताए सीईओ ,अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष निकल गए। हमारी मांग है की बैठक के किसी भी प्रस्ताव को मान्य ना किया जाए सभी जनपद सदस्यों की मांग पूरी हो पांचवें वित्त की राशि का वितरण सभी में हो।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि सामान्य सभा की बैठक थी जो पूर्ण होने पर हम सभी उठे हैं। इस दौरान बैठक में सभी विषय पर चर्चा की गई है ,सदस्यों का कहना है की राशि उन्हें दी जाए और नियम कहता है कि काम के आधार पर राशि तय हो और प्राथमिकता के कार्य को पहले किया जाए। इसके लिए कोई क्षेत्र फिक्स नहीं है प्राथमिकता के आधार पर जनपद क्षेत्र में इस राशि से कार्य करवायें जाना है।

वृंदावन मीणा
मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत खैरलांजी

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रीराम बालाजी मंदिर के टिपूर प्रज्जवलन में शामिल हुये जायसवाल

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्रीराम बालाजी मंदिर रामपायली और श्रीराम मंदिर बेनी में टिपूर प्रज्जवलन के कार्यक्रम में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल शामिल हुये। रामपायली में जंहा पंचायत भवन में अधिकारियों व जनप्रतिनिधीयों की बैठक में मेले के दौरान अपार भक्तो की सुविधाओं का ख्याल रखने के निर्देश दिये। वहीं बेनी मे मंदिर में शिखर तक जाने के कार्य के लिये स्थायी सीढि के निर्माण का ग्राम वासियों को आश्वासन दिया। क्षेत्र के सबसे बड़े मेले की श्रीराम बालाजी मंदिर रामपायली में टीपुर जलने की परंपरा के साथ ही शुरूवात हो गयी है। कार्यक्रम की शुरूवात में रामपायली मुख्य चौक से नगर भ्रमण कर परंपरा का पालन करते हुये भक्तो की रैली मंदिर पहुंची। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, जं.प. अध्यक्ष श्रीमती माया उइके,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल, जं.प. उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अमूले, किशोर अमूले, शैलेन्द्र सेठी,अनीश मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान, दीपदान और भगवान श्रीराम की पूजा का विशेष महत्व है। मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा पर जाकर दीपक जलाना, दान पुण्य करना और पूजा पाठ करना भक्तों को मोक्ष, धन और सुख-समृद्धि प्रदान करता है। श्रीराम बालाजी मंदिर में महाआरती के बाद रामधून के बीच निर्धारित समय में टिपूर प्रज्जवलन किया गया। इस दौरान मंदिर में स्थानीय व निकट के भक्तो का अपार समुदाय भी उपस्थित रहा। जनपद पंचायत वारासिवनी के द्वारा स्थानीय ग्राम पंचायत के सहयोग से सात दिवसीय मेले का परंपरा के अनुसार आयोजन किया जाता है। इसी तरह ग्राम बेनी में कार्तिक पूर्णिमा पर बैनगंगा के पावन तट पर प्रसिद्ध श्रीराम मंदिर में रात्रि १२ बजे विशिष्ट मुहूर्त में टीपुर जलने की ऐतिहासिक परम्परा में शामिल होकर प्रदीप जायसवाल ने विधिवत पूजन अर्चन के साथ समिति व भक्तों के साथ जमकर जयघोष लगाये। इस अवसर पर जतन मरार , बालकिशन लिमजे,अरुण अर्जे, भिवराम मात्रे,यशवंत मात्रे,मुकेश लिमजे उपस्थित रहे।

नरोडी मेला में आदिवासी संस्कृति के संगीत में थिरके पूर्व मंत्री जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम नरोड़ी लुक्कुटोला, मदनपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की आदिवासी नृत्य अक्सर धार्मिक अनुष्ठानों, फ सल कटाई, शादी ब्याह और अन्य सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सवों का हिस्सा होते हैं। आदिवासी नृत्य समूह सदस्यों के बीच एकता और अपनेपन की भावना को मजबूत करते हैं। और उनकी सामूहिक पहचान को बनाए रखने में मदद करते हैं। हमने इस टोले के लिये सदैव विकासात्मक सोच को प्रदर्शित किया है। श्री जायसवाल ने कहा की हम भी आपके ग्राम में आकर आप से मुलाकात व संवाद कर आंनदित होते है। कार्यक्रम के माध्यम से सांस्कृतिक आदान प्रदान के साथ परंपराओ के संरक्षण और सामाजिक सदभाव को बढावा भी मिलता है। इस दौरान सुनील झिल्पे , दीवानचंद रांहगडाले, सुभाष हांडे ,श्रीमती गीता हनवत जिला पंचायत सदस्य,परमानन्द एरपुड़े,फ ागुलाल मरठे, ,अनीश मिश्रा,शारदा शिव,मुन्ना राणा ,अशोक परते, खूबचन्द अहाते,चैनलाल

लोहे के पाइप से मवेशी को मार रहे व्यक्ति का वीडियो बनाना पुरुषोत्तम लिल्हारे को पड़ा महंगा

ससुर और साले के साथ मिलकर दो लोगों से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के वार्ड नंबर ८ निवासी पुरुषोत्तम लिल्हारे को लोहे के पाइप से भैंस की पिटाई कर रहे पडोसी का वीडियो बना कर गौ राक्षकों के ग्रुप में भेजना भारी पड़ गया। जिसमें भैस की पिटाई करने वाले नरेंद्र तुरकर के द्वारा अपने ससुर और साला के साथ मिलकर पुरुषोत्तम लिल्हारे के पुत्र को बुलाकर परिवार के साथ मारपीट कर दी गई। जिसमें श्रीमती लता लिल्हारे के द्वारा परिवार के साथ थाने में उपस्थित होकर मामले में शिकायत दर्ज कराई गई हैं। जिसमें पुलिस ने नरेंद्र तुरकर ,अनिल रहाँगडाले और नितेंद्र रहाँगडाले के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी श्रीमती लता पति पुरुषोत्तम लिल्हारे के द्वारा थाने में उपस्थित होकर लिखित शिकायत दी गई की मैं वार्ड नं.८ ग्राम वारा रहती हूं गृहणी का काम करती हूं। ६ नवंबर की सुबह करीबन ११.३० बजे की बात है मेरे घर के सामने रहने वाला नरेन्द्र तुरकर आये दिन अपनी भैस को लोहे के पाईप से बेरहमी से मारता पीटता है और आज भी बेहरमी से क्रूरता पूर्वक लोहे के पाईप से मारपीट कर रहा था। जिसका विडियो मेरे पति पुरूषोत्तम लिल्हारे ने बनाकर गौ.रक्षक वाट्सअप ग्रुप पर चार पांच दिन पहले डाले थे। जो नरेन्द्र तुरकर को ५ नवंबर को पता चला की मेरा विडियो बनाकर पुरुषोत्तम लिल्हारे ने गौ.रक्षक वाट्सअप ग्रुप पर डाला है। उसी बात को लेकर नरेन्द्र तुरकर ने अपने ससुर नितेन्द्र राहगंडाले एवं अपने साला अनिल राहगंडाले दोनो निवासी कटंगी नट्टीटोला को बुलबाकर मुझे तथा मेरे बेटे आशीष लिल्हारे को अपने घर के सामने बुलाया और बोला की मेरा विडियो किसने बनाया है। यह कहकर हम लोगो को अश्लील गालियां देने लगे जो सुनने में बुरी लग रही थी। मैने गालियां देने से मना की तो नरेन्द्र तुरकर,नितेन्द्र राहगंडाले ,अनिल राहगंडाले ने हम लोगो के साथ हाथ मुक्को से मारपीट करने लगे। नरेन्द्र तुरकर बोलने लगा मैं अपनी भैस को मारू चाहे जो भी करूं तुम लोगो को क्या मतलब है । और बोलने लगा की आज के बाद यदि तुमने मेरा विडियों बनाये तो तुम्हे जान से खत्म कर दूंगा। इस मारपीट करने से मुझे मेरे बांये हाथ के अगूठा एवं दाहिने हाथ के ऊंगली में चोट लगी है तथा मेरे बेटे आशीष को दाहिने हाथ की अंगूली एवं दाहिने तरफगर्दन में चोट खरोच लगी है। पुलिस ने प्रार्थी श्रीमती लता पुरुषोत्तम लिल्हारे की रिपोर्ट पर नरेंद्र तुरकर ,अनिल रहाँगडाले ,नितेंद्र रहाँगडाले के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६ (बी), ११५ (२),३५१(३), ३/५ पशु के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम १९६० की धारा ११ (१) के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया हैं।

सालईटोला मार्ग से ग्रामीणों का आवागमन हुआ दूभर

आश्वासन के २ साल बाद भी ग्रामीण कर रहे संघर्ष जिम्मेदार मौन

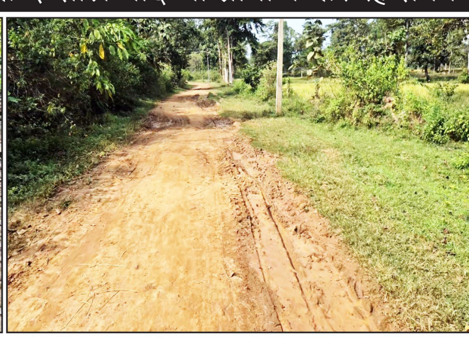

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगेझरी के ग्राम सालईटोला पहुंच मार्ग की स्थिति पहले से ज्यादा खराब हो गई है। जहां ग्रामीणों का आना जाना दूभर हो गया है परंतु मजबूरी में उन्हें सफर करना पड़ रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। हालांकि बीते विधानसभा चुनाव में ग्रामीणों के विरोध पर प्रशासन के द्वारा निर्माण का आश्वासन दिया गया था। परंतु करीब २ वर्ष बीत जाने के बाद भी आश्वासन पर जिम्मेदार मौन बैठे हुए हैं। मार्ग की हालत पहले से बहुत ज्यादा बत्तर हो गई है पूरी सड़क कीचड़ बडे बड़े गड्ढे और बड़े.बड़े पत्थरों से भरी पड़ी हुई है। जहां आना जाना दुर्घटना को आमंत्रण देना साबित हो रहा है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा मार्ग निर्माण की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है ताकि उन्हें आवागमन के लिए पक्की सड़क प्राप्त हो सके।

ठंडे बस्ते में प्रशासन का आश्वासन

मंगेझरी के ग्राम सालईटोला के लिए ग्राम पंचायत कोस्ते से एक कच्चा मार्ग जाता है। जो ग्रामीणों के लिए नगर मुख्यालय जाने को समीप का मार्ग बना हुआ है यहां से ग्रामीण वर्षों से आना जाना कर रहे हैं। परंतु मार्ग का निर्माण आज तक नहीं किया गया है, जबकि यह मार्ग सीधा सालईटोला से आगे केरा ,भांडी और बालाघाट निकलता है। तो वहीं क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के लिए भी यह सरल रास्ता है जिनकी स्थिति बहुत ज्यादा खराब है। पूरे मार्ग में बड़े.बड़े गड्ढे हो गए हैं गाड़दान जैसी स्थिति बनी हुई है जगह जगह गिट्टी के बड़े.बड़े पत्थर बाहर आ गए हैं। जहां छोटे बड़े वाहनों से चलना दूर्भर हो रहा है दुर्घटना की लगातार संभावना बनी हुई है। इस मार्ग की दुर्दशा से ग्रामीण बहुत आक्रोशित है, जिनके द्वारा पिछली विधानसभा चुनाव २०२३ में मतदान का बहिष्कार कर रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा लगाया गया था। जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा ग्राम में उपस्थित होकर सड़क निर्माण करवाने के लिए आश्वासन दिया गया था। जिसके बाद शांतिप्रिय तरीके से ग्राम में मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई थी। ऐसे में विधानसभा चुनाव हुए २ वर्ष करीब होते आ रहा है परंतु वर्तमान तक उक्त मार्ग निर्माण को लेकर कोई गतिविधि सामने नहीं आ पाई है। यह केवल आश्वासन में ही सिमट कर रह गई है ऐसे में उक्त मार्ग की स्थिति वर्तमान में और ज्यादा खराब हो गई है। जहां से आना जाना मुश्किल हो गया है किंतु ग्रामीणजन मजबूरी में आना जाना कर रहे हैं। तो वहीं सबसे ज्यादा समस्या स्कूली और कॉलेज के छात्र छात्राओं के साथ है जो प्रतिदिन साइकिल से आना जाना करते हैं। वापस जाते समय उन्हें शाम हो जाती है और रास्ते में जंगल भी पड़ता है। तो वहीं पूरे मार्ग में ग्रामीणों के खेत स्थित है जहां बैलगाड़ी व अन्य मशीन लाना दिक्कत का विषय बनता जा रहा है। ऐसे में ग्रामीणों के अंदर प्रशासन के प्रति काफी रोष व्याप्त है उनके द्वारा पक्की सड़क निर्माण कर आवागमन सुगम मनाने की मांग की जा रही है।

प्रशासन ने आश्वासन दिया था फिर भी रोड़ नही बनाया-देवनलाल

ग्रामीण देवनलाल अवझेकर ने बताया कि रोड़ की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो गई है। मोटरसाइकिल या बैलगाडी कुछ भी यहां से आना जाना नहीं कर पता है फिर भी सड़क में ग्राम के लोग आना जाना करते हैं। बड़े.बड़े गड्ढे हो गए हैं गिट्टी के छोटे बड़े पत्थर बाहर निकल गए हैं प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। दो वर्ष से यह पूरी रोड़ खराब हो गई है सालईटोला से कोस्ते तक पूरा मार्ग खराब है इसमें कीचड़ गड्ढे पत्थर सब कुछ है। यह रोड़ वाहन चलाने लायक नहीं बचा है मगर हर कोई मजबूरी में उपयोग कर रहा है। बैलगाडी जब चलते है तो लगता है कहीं चक्का फुट ना जाए ऐसे में सर्वाधिक किसान परेशान है। क्योंकि पूरे रोड़ में खेत लगे हुए हैं विधानसभा चुनाव में इसकी मांग भी की गई थी परंतु आज तक कोई समस्या हल नहीं की गई है।

इस मार्ग को बनाने ग्रामीणों के द्वारा रोड़ नही तो वोट नही का विरोध किया था-बलिराम

ग्रामीण बलिराम रहाँगडाले ने बताया कि यह सड़क कोस्ते से सालईटोला और वहां से मंगेझरी केरा ,भांडी ,कालागोटा होते हुए बालाघाट निकलती है। तो वहीं विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों को भी जाती है इस रोड़ की स्थिति इतनी खराब है कि आना जाना मुश्किल है। साइकिल से ग्राम की बच्चियों स्कूल ,कॉलेज जाती है उनके गिरने दुर्घटनाग्रस्त होने का डर बना रहता है। कोई ध्यान नहीं है पिछली विधानसभा चुनाव में आश्वासन दिया गया था उस समय रोड़ नहीं तो वोट नहीं का नारा लगाकर फ्लेक्स भी लगा दिया गया था। चुनाव का बहिष्कार किया गया था प्रशासन ने आश्वासन दिया था पर कुछ हुआ नहीं। खेती में बैलगाड़ी मशीन नहीं आती जाती है स्कूल के बच्चे को परेशानी है सुबह आते हैं शाम को जाते हैं यदि तेज गति से जाएंगे तो दुर्घटना होगी धीरे.धीरे जाते हैं अंधेरा हो जाता है। यह ३ किलोमीटर का मार्ग है जिसमें जंगल भी बना हुआ है शाम होते ही डर लगता है प्रशासन को गंभीरता से इस समस्या पर ध्यान देना चाहिए।

इनका कहना है

सालईटोला मार्ग की पहले से और ज्यादा हालत खराब हो गई है। हर किसी को समस्या है यह मार्ग पंचायत स्तर पर नहीं बन सकता है। इसलिए ग्रामीणों ने आंदोलन भी किया गया था प्रशासन ने आश्वासन भी दिया पर आज तक इस विषय पर कोई अपडेट शासन से प्राप्त नहीं हुआ है। इस मार्ग को आश्वासन के बाद भी क्यों नहीं बनाया जा रहा है यह समझ से बाहर है। आज भी हर ग्रामीण को आवागमन करने संघर्ष करना पड़ रहा है,हमारे द्वारा इसके पहले भी प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की गई थी किंतु उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। जब आश्वासन दिया गया है तो प्रशासन को इस विषय पर संज्ञान लेते हुए सड़क का निर्माण करना चाहिए।

लोकचंद रोडगे
सरपंच, मंगेझरी

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

हादसों की पटरियों पर ज़िन्दगी

देश में आम लोगों के लिए रेल सेवाएं यातायात का प्रमुख साधन हैं। रोजाना लाखों लोग रेलगाड़ियों में सफर करते हैं। सरकार यह दावा करते हुए नहीं थकती कि रेलयात्रा को सुलभ एवं सुरक्षित बनाना उसकी प्राथमिकता में है। फिर क्या वजह है कि रेल हादसों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है? कभी दो रेलगाड़ियों के टकराने से दुर्घटना हो जाती है, तो कभी कोई ट्रेन पटरी से उतर जाती है। वहीं, पैदल यात्रियों का ट्रेन की चपेट में आना, तो अब रोजमर्रा की घटनाएं हो गई हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मंगलवार को एक यात्री ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे बड़ा हादसा हो गया। इसके अगले दिन बुधवार को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में रेलगाड़ी से उतर कर पटरी पार कर रहीं महिलाएं दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गईं। इन दोनों हादसों में कई लोगों की जान चली गई। इससे रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आखिर अब तक हुई रेल दुर्घटनाओं से सबक लेकर व्यवस्था में व्याप्त खामियों को दुरुस्त करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की जाती है ?

> बिलासपुर में रेल हादसे की प्रारंभिक जांच रपट में यह सामने आया है कि चालक दल यात्री ट्रेन को लाल बत्ती पर नियंत्रित नहीं कर पाया, जिससे वह आगे जाकर एक मालगाड़ी के पिछले हिस्से से टकरा गई।

गौर करने की बात है कि एक तरफ देश में बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी की जा रही है और दूसरी तरफ रेल दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की हाल की एक रपट के मुताबिक, देश में वर्ष 2023 में रेलगाड़ियों के टकराने, पटरी से उतरने और पैदल यात्रियों के चपेट में आने से संबंधित चौबीस हजार से अधिक हादसे हुए हैं, जिनमें इक्कीस हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई। वर्ष 2022 की तुलना में 2023 में रेल हादसों में 6.7 फीसद की वृद्धि हुई है। हालांकि, सरकार की ओर से रेल सेवाओं को सुरक्षित बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल सहित कई कदम उठाए गए हैं, लेकिन इन्हें व्यावहारिक रूप में ढालने और धरातल पर लागू करने में विभिन्न स्तरों पर बरती जा रही लापरवाही भी रेल हादसों का एक बड़ा कारण है।

बिलासपुर में रेल हादसे की प्रारंभिक जांच रपट में यह सामने आया है कि चालक दल यात्री ट्रेन को लाल बत्ती पर नियंत्रित नहीं कर पाया, जिससे वह आगे जाकर एक मालगाड़ी के पिछले हिस्से से टकरा गई। यह जांच रपट पांच विशेषज्ञों ने तैयार की है, लेकिन इस पर केवल तीन ने ही हस्ताक्षर किए हैं और इसको लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में हुए हादसे को लेकर रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कुछ यात्री एक ट्रेन से पटरी वाले हिस्से की ओर उतर गए और वे उसी वक्त सामने से आ रही दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए। यह दावा भी किया जा रहा है कि वहां ऊपरिगामी मार्ग बना हुआ है, लेकिन हादसे में जान गंवाने वाली महिला यात्रियों ने उसका इस्तेमाल नहीं किया। सवाल है कि ट्रेन से उतरने वाले यात्री इसी मार्ग का इस्तेमाल करें, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है? देशभर में रेलवे फाटकों पर भी पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था न होने की वजह से पटरी पार करते समय आए दिन लोगों की जान चली जाती है। सरकार और रेलवे प्रशासन को सुरक्षा से जुड़ी इन व्यवस्थाओं पर गंभीरता से ध्यान देना होगा तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी होगी, तभी हादसों पर अंकुश लग पाएगा।

जीवन धारा

राही मासूम रजा

कृष्ण चंदर, भारती, कमलेश्वर जैसे दोस्त न होते, तो बंबई में मेरा रहना असंभव हो जाता। इन दोस्तों ने ऐसे वक्त में मदद की, जब सबसे ज्यादा जरूरत थी। इनके एहसान से कभी बरी नहीं हो पाऊंगा।

कर्ज उतर जाता है एहसान नहीं उतरता

बंबई (अब मुंबई) में कई दोस्त मिले, जिनके साथ अच्छी-बुरी गुजरी। कृष्ण चंदर, भारती, कमलेश्वर, जो शुरू ही में ये न मिल गए होते, तो बंबई में मेरा रहना असंभव हो जाता। शुरू में मेरे पास कोई काम नहीं था और बंबई में मैं अजनबी था। उन दिनों इन दोस्तों ने बड़ी मदद की। इन्होंने मुझे जिंदा रखने के लिए चंदा देकर मेरी तौहीन नहीं की। इन्होंने मुझे उलटे-सीधे काम दिए और उस काम की मजदूरी दी। पर इसका मतलब यह नहीं कि मैं इन लोगों के एहसान से कभी बरी हो सकता हूं। मुझे वह दिन आज भी अच्छी तरह याद है, जब नैयर होली फैमिली अस्पताल में थीं। चार दिन के बाद अस्पताल का बिल अदा करके मुझे नैयर और मरियम को वहां से लाना था। सात-साढ़े सात सौ का बिल था और मेरे पास सौ-सवा सौ रुपये थे। तब कमलेश्वर ने %सारिका% से, भारती ने %धर्मयुग% से मुझे पैसे एडवांस दिलवाए और कृष्ण जी ने अपनी एक फिल्म के कुछ संवाद लिखवा के पैसे दिए और मरियम घर आ गई। आज सोचता हूं कि जो यह तीनों न रहे होते, तो मैंने क्या किया होता? क्या मरियम को अस्पताल में छोड़ देता? वह बहुत बुरे दिन थे। कुछ दोस्तों से उधार भी लिया। कलकत्ते से ओपी टांटिया व राजस्थान से मेरी एक मुंहबोली बहन लनिला और अलीगढ़ से मेरे भाई मेहंदी रजा और दोस्त कुंवरपाल सिंह ने मदद की। कर्ज उतर जाता है, एहसान नहीं उतरता। और कुछ बातें ऐसी हैं, जो एहसान में नहीं आतीं, पर उन्हें याद करो, तो आंखें नम हो जाती हैं। जब मैं अलीगढ़ से बंबई आया, तो अपने छोटे भाई अहमद रजा के साथ ठहरा। छोटे भाई तो बहुतों के होते हैं, पर अहमद रजा यानी हद्दन जैसा छोटा भाई मुश्किल से होगा किसी की तकदीर में। उसने मेरा स्वागत यूं किया कि मैं यह भूल गया कि फिलहाल मैं बेरोजगार हूं।

हम हद्दन के साथ ठहरे हुए थे, पर लगता था कि वह अपने परिवार के साथ हमारे साथ ठहरे हुए हैं। घर में होता वह था, जो मैं चाहता था या मेरी पत्नी नैयर चाहती थी। वह घर बहुत सस्ता था। जिस फ्लैट में अब हूं, उससे बड़ा था। इसका किराया 600 दे रहा हूं। उसका किराया केवल 150 रुपये माहवार था। तो हद्दन ने सोचा कि वह घर उन्हें मेरे लिए खाली कर देना चाहिए। रिजर्व बैंक से उन्हें फ्लैट मिल सकता था, मिल गया। जब वह जाने लगे, तो उन्होंने अपनी पत्नी के साथ साजिश की कि घर का सारा सामान मेरे लिए छोड़ जाएं, क्योंकि मेरे पास तो कुछ था नहीं। जाहिर है कि मैं इस पर राजी नहीं हुआ। चुनांचे वह घर का सारा सामान लेकर चले गए और घर खाली हो गया। मेरे पास दो कुर्सियां भी नहीं थीं। हमने कमरे में दो गद्दे डाल दिए और वही दो गद्दोंवाला वीरान कमरा बंबई में हमारा पहला ड्राइंग रूम बना। उन दिनों मैं नैयर से शर्माने लगा था। मैं नैयर के बारे में सोचता था कि यह कैसी जिंदगी से निकाल कर कैसी जिंदगी में ले आया। मगर नैयर ने मुझे यह कभी महसूस नहीं होने दिया कि वह निम्न मध्यवर्गीय जिंदगी को झेल नहीं पा रही है। हम दोनों उस उजाड़ घर में बहुत खुश थे।

ऐसे मिलें कि आखिरी दिन हो

सूत्र - अक्सर लोग किसी के गुजरने के बाद उसके प्रति सदाशयता दिखाते हैं, लेकिन आप आज से ही, जिससे भी मिलें, उसके साथ ऐसा व्यवहार करें, जैसे कि आज आपका अंतिम दिन हो। उसके प्रति अपनी पूरी संवेदना, दयालुता और समझदारी दिखाएं, और ऐसा किसी लाभ के बारे में सोचकर न करें। आपका जीवन फिर कभी पहले जैसा नहीं रहेगा।

यह जीत क्या कहती है

न्यूयॉर्क के चुनाव, जिन पर पूरी दुनिया की नजर थी, में पहले भारतीय-अफ्रीकी और मुस्लिम, जोहरान क्वामे ममदानी की जीत महज प्रतीकात्मकता से कहीं ज्यादा है। शहर की आबादी में रहने वालों का विभाजन ऐसा है कि उनकी यह जीत कुछ अलग कहती प्रतीत होती है।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर के रूप में पहले भारतीय-अफ्रीकी व मुस्लिम, जोहरान क्वामे ममदानी का चुनाव दोहरे संकेतों तथा कई संदेशों के साथ आया है। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा उनके %मेक अमेरिका ग्रेट अगेन% अभियान के लिए भी एक गंभीर झटका है। लेकिन इसके साथ ही, वैश्विक पूंजीवाद के %ग्राउंड जीरो% क्षेत्र में इस स्वघोषित समाजवादी लोकतांत्रिक युवा की जीत, अमेरिका को एक समावेशी राष्ट्र के रूप में राजनीतिक रूप से मजबूत भी करती है। हालांकि, उनकी जीत महज प्रतीकात्मकता से कहीं ज्यादा है, क्योंकि दुनिया अमेरिका के वैश्विक उत्पात पर भी ध्यान दे रही है, जिसमें वह सुदूर देशों के खिलाफ सैन्य धमकियों, व्यापार व टैरिफ को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है।

लंबे समय से चली आ रही व्यवस्था को चुनौती देते इन चुनावों के बाद ध्रुवीकृत अमेरिका और भी अधिक ध्रुवीकृत होता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर अपनी विजयी वापसी के पहले दस महीनों में ट्रंप डेमोक्रेटिक पार्टी के अपने प्रतिद्वंद्वियों से मिली पहली गंभीर चुनौती में नाकाम रहे हैं, जिन्होंने न्यू जर्सी और वर्जीनिया में भी गवर्नर पदों के चुनाव जीते हैं। ट्रंप और उनकी पार्टी ने देश की अर्थव्यवस्था के लंबे समय से बंद रहने को इसका जिम्मेदार बताया है, जिसकी वजह से उनका प्रशासन न तो खर्च कर सकता है और न ही अपने कर्मचारियों को वेतन दे सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि चुनावी नतीजे जनता के असंतोष को ही दर्शाते हैं।

34 वर्ष की उम्र में न्यूयॉर्क के सबसे युवा मेयर बनने जा रहे ममदानी के साथ उनका मुकाबला पीढ़ीगत और वैचारिक, दोनों था। ट्रंप ने उन्हें %कुछ हद तक कम्युनिस्ट% कहा और न्यूयॉर्क के सभी मतदाताओं को चेतावनी भी दी थी कि अगर ममदानी जीते, तो वह शहर के लिए धन रोक सकते हैं। मतदान के दिन, उन्होंने घोटालों में फंसे न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्र्य कओमो का आधिकारिक रूप से समर्थन करके रिपब्लिकन पार्टी के अपने उम्मीदवार की बलि चढ़ा दी। मतदाताओं से स्लिवा पर वोट बर्बाद न करने का आग्रह करते हुए, उन्होंने कुओमो को तरजीह दी, जो एक डेमोक्रेट हैं और पार्टी प्राइमरी में ममदानी से हार चुके हैं। वह शायद ममदानी के वोट काटने के लिए, एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव में उतरे थे। ममदानी पर अपशब्दों की बौछार की गई। अरबपति एलन मस्क ने उन्हें %ममदुमी या जो भी उनका नाम हो% कहकर मजाक उड़ाया। लेकिन, ममदानी, जो एक वर्ष पहले तक एक अनजान राज्य विधानसभा सदस्य थे, ने एक जोशीला अभियान चलाया, जिसमें बॉलीवुड के संवादों का इस्तेमाल, तो शाहरुख खान की शैली में बांहें फैलाकर अपील की गई। उन्होंने न्यूयॉर्क के एक मजदूर वर्ग के बड़े हिस्से व प्रवासियों को आकर्षित करने के लिए स्पेनिश, अरबी, बंगाली, उर्दू, स्वाहिली व दूसरी भाषाओं का भरपूर इस्तेमाल किया। यहूदी विरोधी रुख के बावजूद हिस्पैनिक, लैटिनो और यहां तक कि गरीब यहूदियों ने भी उन्हें वोट दिया।

उन्होंने न्यूयॉर्क की सड़कों, मॉल और ड्राइव-वे पर घूम-घूमकर सभी वर्गों के लोगों से समर्थन मांगा। उन्होंने चुनाव प्रचार में सबसे आगे रहते हुए सिर्फ एक कार्डबोर्ड प्लेकार्ड, जिस पर लिखा था %आइए, चुनाव

पर चर्चा करें% और हाथ में माइक लेकर, भीड़ को संबोधित करते हुए, उनका उत्साह बढ़ाते हुए, अपनी जीत की मुस्कान बिखेरी। उनके प्रतिद्वंद्वी उनकी विजयी मुस्कान के आगे थके हुए लग रहे थे और सिर्फ अपने अनुभव के नाम पर उनको घेरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वे भल गए कि ममदानी एक हाउसिंग काउंसलर की तरह गरीबों को

किफायती आवास दिलाने में मदद कर रहे थे। दुनिया की आर्थिक राजधानी में, जहां अरबपति रहते हैं, ममदानी ने उन लोगों का एक बड़ा समूह तैयार किया, जो अमीर नहीं हैं। न्यूयॉर्क, जो अमेरिका का सबसे बड़ा शहर होने के साथ ज्ञान और बेहतर जीवन के आकांक्षी लोगों को आकर्षित करता है, का यह चुनाव एक वैश्विक घटना की तरह हो गया था। ममदानी की उपस्थिति ने एशिया और अफ्रीका (उनके भारतीय/युगांडाई वंश), मुस्लिम जगत तथा उन सभी लोगों को आकर्षित किया, जो ट्रंप के दुनिया पर हावी होने के तरीकों से परेशान थे। इस दौरान सोशल मीडिया पर अभूतपूर्व ढंग से विभाजनकारी बहसें चलीं, मानों धर्मयुद्ध का युग लौट आया हो।

ममदानी का समर्थन और विरोध, दोनों ही ध्रुवीकरण कर रहे थे। जो लोग समर्थन कर रहे थे, वे इस्लामोफोबिया का विरोध कर रहे थे और इसे यथास्थिति के खिलाफ विद्रोह बता रहे थे। साथ ही, जो लोग विरोध में थे, वे चाहते थे कि हर मुसलमान पश्चिम छोड़ दे और %जहां से आया है, वहीं लौट जाए।% रूढ़िवादी अमेरिकियों के लिए, न्यूयॉर्क, लंदन, जो कि एक और विश्व राजधानी है, के नक्शेकदम पर चल रहा था, जहां एक मुसलमान सादिक खान है, जिसे ट्रंप नापसंद करते हैं।

न्यूयॉर्क को अमेरिका के अमीरों का घर कहा जाता है, जहां माना जाता है कि 3,50,000 करोड़पति रहते हैं, के लिए चुनावों के रुझान डरावने थे। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार, कम से कम 26 अरबपतियों ने ममदानी को रोकने की कोशिश में 2.2 करोड़ डॉलर से ज्यादा खर्च कर दिए। इनमें दो ऐसे भी थे, जिन्होंने पहले उनका समर्थन किया था, लेकिन बाद में पाला बदल लिया। माइक ब्लूमबर्ग ने कुओमो का समर्थन करने वाले एक समूह को 15 लाख डॉलर का और दान दिया। हालांकि, अपनी सभी कथित राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के बावजूद, वह अमेरिकी राष्ट्रपति बनने की उम्मीद नहीं कर सकते, क्योंकि वह अमेरिकी मूल के नहीं हैं।

न्यूयॉर्क दुनिया के सबसे बड़े शहरी समूहों में से एक है और अमेरिका के बाहर जन्मे 32 लाख से अधिक निवासियों का घर है, जो 2016 तक दुनिया के किसी भी शहर की सबसे बड़ी विदेशी मूल की आबादी है। 65 लाख की आबादी के साथ, वे कुल अमेरिकी आबादी का 1.95 फीसदी (2023 के आंकड़े) हैं। अमेरिकी जनगणना के अनुसार, 2000 और 2018 के बीच, भारतीय-अमेरिकी आबादी में लगभग 150 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 2015 में उनकी औसत आय एक लाख डॉलर थी। इस बढ़ती वास्तविकता के साथ, आने वाले वर्षों में अमेरिका के सार्वजनिक जीवन में दक्षिण एशियाई लोगों की भागीदारी बढ़ना तय है।

- महेंद्र वेद वशिष्ठ

मुश्किल वक्त और धूप छाँव जैसे दिन

जिंदगी में सब कुछ सामान्य चल रहा होता है। हम अपने उद्देश्यों में सफल होने के लिए ईमानदार प्रयास कर रहे होते हैं। एकदम नहीं, कुछ समय बाद विश्वास उगता है कि हम सही रास्ते पर चल रहे हैं, हमारी कोशिशों का परिणाम एक दिन अच्छा ही निकलेगा। उठते-बैठते हमारे विचारों और भावनाओं में, %धीरे धीरे रे मना धीरे सब कुछ होय% जैसी पुरानी धारणाएं भी उगती रहती हैं। ऐसे व्यावहारिक विचार हमें आने वाले समय के प्रति आशावान बनाते हैं। हमें धैर्य थमाते हैं। भागदौड़ भरे जीवन में जबरदस्ती तेज चलने की गति को धीमा करते हैं, जिससे हमारे मानस और शरीर को आराम मिलता है। जिंदगी खुशगवार रहने की कोशिश करती है। विवाह के बाद अधिकांश दंपति संतान चाहते हैं। परिवार में शिशु जन्म की प्रतीक्षा हो रही हो, तो खुशी मनाने की प्रतीक्षा और तैयारी में कई व्यक्ति शामिल रहते हैं। सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण किरदार तो भावी मां का ही रहता है, जो विवाह के साथ ही, और फिर प्रसव के अप्रत्याशित समय तथा उसके बाद भी डाक्टर की सलाह पर अमल करती है। नौकरी करने वाली महिला का प्रयास रहता है कि जब तक हो सके, काम करते हुए सक्रिय रहे। उसे प्रसूति समय की ओर होती तैयारियों के दौरान पारिवारिक सलाह, संतुलित खानपान, दवाइयों और निश्चित अंतराल पर हो रहे चिकित्सीय परामर्श और जांच की प्रक्रिया से गुजरना होता है। चिकित्सक की महंगी फीस, दवाइयों की कीमत अदा करनी होती है।

सामान्य चल रही स्थिति में महत्त्वपूर्ण अंतराल तब आता है, जब शिशु जन्म होने में कुछ दिन ही बाकी रह जाते हैं। उम्मीद रहती है कि सब ठीक चल रहा है, इसलिए कोई परेशानी नहीं होगी, लेकिन वक्त किस घड़ी अपना मिजाज बदल लेगा, कह नहीं सकते। चिकित्सक ने गर्भावस्था को आदर्श मानते हुआ कहा कि सब ठीक है। प्रसव से ठीक पहले शिशु अपनी अवस्था बदल लेता है और मां, पिता और चिकित्सकों की टीम को चुनौतीपूर्ण स्थिति में ला खड़ा करता है। ऐसी स्थिति में मां सबसे ज्यादा जोखिम झेलती है और उतना ही संकट दुनिया में आने वाला बच्चा सहता है। हालांकि अगर पिता स्त्रियों के प्रति संवेदनशील मिजाज रखता है, तो उसकी हिम्मत भी कम जोखिम भरी नहीं होती।

जहां माता-पिता साथ हों, वहां वास्तविक व्यावहारिक संबल मिल जाता है, लेकिन जहां कोई प्रियजन साथ नहीं हो अब वक्त और माहौल ऐसा हो चला है कि आत्मविश्वास, संपर्क और सुविधाओं के साए में जिंदगी आराम से बिताना अच्छा है, लेकिन उस कठिन वक्त के लिए भी तैयारी सुनिश्चित करना जरूरी है, जो पता नहीं कब, किस लम्हा आकर सामान्य स्थिति को असामान्य बना सकता है।

पाता, तो परेशानियां सवाल खड़े करती है कि जो होना है, होकर रहेगा। कठिन समय के लिए आपकी तैयारी कितनी रही? हम यह भूल जाते हैं कि अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए क्या जरूरी तैयारी करनी चाहिए थी। यह हम तब समझते हैं जब आपात समय आ चुका होता है और हमारे पास स्थिति से किसी भी तरह निपटने के सिवा और कोई विकल्प नहीं रह जाता।

कितनी बार ऐसा होता है कि कुछ ही लम्हों में स्थिति का रूप-रंग बदल जाता है। जिंदगी कांटों के बीच उलझ जाती है। व्यक्ति सामान्य जिंदगी जीते हुए सकारात्मक सोचता है। उसे लगता है, सब ठीक रहेगा, लेकिन हम अक्सर यहीं गलती करते हैं। सहज चलते समय के दौरान व्यक्ति कठिन समय के लिए तैयारी करना भूल जाता है और जब अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है तो वक्त ऐसी भाषा में इम्तिहान लेता है, जो हमने पढ़ी नहीं होती। असमंजसों की भीड़ जमा हो जाती है। वक्त तो कभी भी नई करवट ले सकता है।

आने वाला जीवन सुचारु रहे, इसलिए मासिक आय में मिली राशि में से सबसे पहले बचत के रूप में कुछ फीसद रखने की बहुमूल्य सलाह गौर करने लायक है। यह बचत आकस्मिक, अनियोजित खर्चों के लिए की जाती है। बीमा की महत्ता हमेशा बनी रही है। कठिन समय में बीमा राशि बहुत बड़ा सहारा बनती है। व्यक्ति जान खोता है, लेकिन बीमा उपलब्ध होने के कारण बचे हुए व्यक्तियों की जिंदगी को सहारा मिल जाता है। वाहन का बीमा पहले ही करवाया जाता है, ताकि दुर्घटना में हुआ नुकसान झेला जा सके। जीवन की पल-पल बदलती, संघर्षमय, असुरक्षित परिस्थितियों में सशक्त आर्थिक पक्ष की बहुत जरूरत है। आपात स्थिति में घर के बुजुर्ग बहुत सहयोगी रहते हैं, लेकिन अनेक एकल परिवारों के साथ पारिवारिक सामंजस्य स्थापित न होने के कारण, निजी बीमारी या दूसरी अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण साथ नहीं रह नहीं पाते। विदेश में रहने वाले परिवारों के अभिभावकों का कई बार कुछ कारणों से वीजा नहीं लग पाता, इसलिए वे जा नहीं पाते। आस-पड़ोस के लोगों को उनकी प्राथमिकताएं पकड़े रहती हैं। रिश्तेदार, मित्रों के आश्वासन, आपसी संबंधों में कथित सहयोग को व्यावहारिक नहीं बना पाते।

अब वक्त और माहौल ऐसा हो चला है कि आत्मविश्वास, संपर्क और सुविधाओं के साए में जिंदगी आराम से बिताना अच्छा है, लेकिन उस कठिन वक्त के लिए भी तैयारी सुनिश्चित करना जरूरी है जो पता नहीं कब, किस लम्हा आकर सामान्य स्थिति को असामान्य बना सकता है। मुश्किल समय का ध्यान रखा जाए, तो ज्यादा परेशान होने की नौबत नहीं आएगी।

- प्रभात कुमार

आखिर कितने बच्चे होने चाहिए?

चीन और जापान अपनी बूढ़ी होती आबादी को लेकर चिंतित हैं, तो भारत में भी अब परिवार नियोजन के उलट ज्यादा बच्चे पैदा करने की बात होने लगी है।

ब हुत साल पहले इस लेखिका ने विदेश में अपने बच्चों के परिचित भारतीयों में एक ट्रेंड देखा था, वह था, एक बच्चे का। चाहे लड़की हो या लड़का। हमारे यहां की तरह नहीं कि अगर छह लड़कियां भी हों, तो बेटे की चाहत में सातवां बच्चा चाहिए। इन दंपतियों के बच्चे अकेले होते थे और उन्हें किसी के साथ का अभाव खलता था, तो इसका आसान तरीका यह निकाला गया कि कोई बच्चा किसी दूसरे के घर खेलने चला जाता था, फिर दूसरा उसके घर आ जाता था, इस तरह बारी-बारी से माता-पिता अपने बच्चों को एक-दूसरे के घर खेलने के लिए छोड़ आते थे और ले आते थे। छुट्टियों के दिन, वे लोग ग्रुप में घूमने भी जाते थे।

लेकिन यह देखकर हैरानी हुई कि उसी उम्र के मध्यवर्ग के लोग अब भारत में भी एक ही बच्चा चाहते हैं। लड़की, लड़के का कोई भेद नहीं। एक बार एक परिचित लड़की से इस बारे में पूछा, तो उसने कहा कि आंटी नौकरी करें कि कई-कई बच्चे पालें। फिर बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, उनका कॅरिअर, सब कुछ इतना महंगा है कि एक बच्चे के खर्चे उठाना ही मुश्किल है। ये वे लोग हैं, जिन्हें डिंक इनकम ग्रुप कहा जाता है। अधिकांश के माता-पिता, दोनों ही नौकरी करते हैं। बहुतों के घर में बच्चों की देखभाल के लिए सहायिका के अलावा दादा-दादी या नाना-नानी भी हैं। आपातकाल के दौरान संजय गांधी ने परिवार नियोजन के नारे हम दो हमारे दो% को पीछे छोड़ते हुए, एक नारा शुरू किया था %हम दो, हमारा एक। लगभग पचास साल पहले किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया था। लेकिन आज बिना किसी नारे के मध्यवर्ग की साधन संपन्न पीढ़ी ने इसे अपना लिया है।

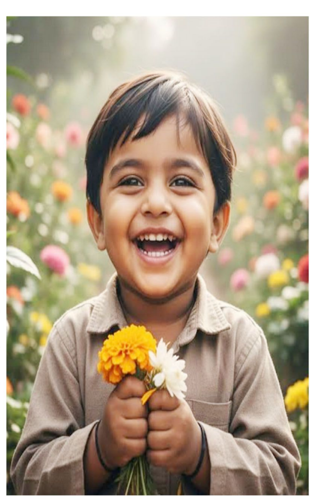

एक तरफ तो ऐसा है, दूसरी तरफ भारत की लगातार बढ़ती आबादी की चिंता जग-जाहिर है। चीन को पीछे छोड़कर, भारत अब दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश है। एक बार स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को बोलते हुए सुना था। यह दशकों पुरानी बात है, तब उन्होंने भारत की जनसंख्या नीति का विरोध करते हुए कहा था कि यदि भगवान खाने को एक मुंह देता है, तो कमाने के लिए दो हाथ भी देता है। यानी कि आर्थिकी की बढ़त में सहयोग के लिए जनसंख्या सबसे बड़ा साधन होती है। चीन, जापान जैसे देशों के बारे में पढ़ें, तो पाते हैं कि वहां सरकारें, अपने बुजुर्गों की बढ़ती आबादी से परेशान हैं। चीन से तो लगातार खबरें आ रही हैं कि वहां युवा अब बच्चे पैदा करना नहीं चाहते।

स्त्रियां बच्चों को पालने का बोझ नहीं उठाना चाहतीं। स्त्री विमर्श के तमाम नारों ने उन्हें सिखाया है कि पहले जहां स्वी के मां बनने को उसकी सबसे बड़ी योग्यता माना जाता था और संतानहीन स्त्री को बांझ कहकर अपमानित किया जाता था, अब उसके दिन गए। अब स्त्री की सबसे बड़ी योग्यता, उसकी शिक्षा और उसका कॅरिअर है। परिवार नियोजन के तमाम साधनों ने उसे यह सुविधा भी प्रदान की है कि वह चाहे तो मां बने, चाहे तो मां न बने। वैसे भी आबादी रोकने के लिए जिस तरह की बातें कही गई हैं, जैसे कि शादी का मतलब आनंद होता है, कंपेनियनशिप होती है, सिर्फ बच्चे पैदा करना नहीं, इन नारों ने भी स्त्रियों के मानस पर असर डाला है और उन्हें निर्णय लेना सिखाया है।

कल तक चीन की सरकार कहती थी कि कम बच्चे पैदा करो। अब कहा जा रहा है कि ज्यादा बच्चे चाहिए, क्योंकि देश चलाने और अर्थव्यवस्था के लिए युवा चाहिए। अगर बच्चे ही नहीं होंगे, तो युवा कहां से आएंगे। युवाओं को डेटिंग पर जाने के लिए विशेष छुट्टियां प्रदान की जा रही हैं, पर कोई नहीं सुन रहा। इसी का नतीजा है कि सैकड़ों की संख्या में केजी स्कूल बंद हो चुके हैं। प्राइमरी स्कूल भी कम होते जा रहे हैं।

- क्षमा शर्मा

इंदौर बाजार भाव

इन्दौर ।एजेंसी। कमजोर आवकों के चलते गुरूवार को तिलहनों में सरसो बाजार सुर्खी पर रहे। सोयाबीन व रायडा भी सुर्ख रहा। दलहनों में चना घटाकर बोला गया। किराना जिंसों में शक्कर बाजार सुस्ती पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सरसो में माँग निकलने व आवकें ठंडी रहने से बाजार सुर्खी पर रहे। सोयाबीन व रायडा भी सुर्ख देखा गया। चने में माँग अटकने से भावों में मंदी आयी। किराना बाजार में शक्कर में सुस्ती रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4200-4250, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारि?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-245, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-750, बेस्ट 780-791, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 525-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3650, (160) 3600-3650, (200) 4000-4100, (250) 4900-5000

तेल- सींगदाना 1400-1420, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2230, सोया साल्वेंट 1160-1165, सोया रिफाइंड 1225-1230, कपास्या 1240, धूलिया 1245, कड़ी 1245,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1360-1370, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1260,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7700-8000, रायडा 6200-6250, सोयाबीन 4300-4400, नया सोयाबीन 3800-4100, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5200-5300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मामूली सुधार पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 150000, चाँदी (99) 149500, टंच 149000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 121500,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 11 पैसे की तेजी के साथ ही 88.59 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में आठ पैसे की बढ़त के साथ 88.62 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक धारणा से भी भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला। हालांकि विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव ने तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.51 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 88.49 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले 88.62 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की बढ़त दर्शाता है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी ये गिरावट मेटल और रियल्टी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 148.14 अंक नीचे आकर 83,311.01 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 87.95 अंक टूटकर 25,509.70 पर बंद हुआ। लार्जकैप की अपेक्षा आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 568.60 अंक की गिरावट के साथ 59,468.60 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 255.90 अंक नीचे आकर 18,105 पर पहुंचा। निफ्टी मेटल , निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एनर्जी , निफ्टी कमोडिटीज , निफ्टी पीएसई और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर गिरावट पर बंद हुए जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी आईटी में तेजी आई। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस, मारुति सुजुकी, टीएमपीवी, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं पावर ग्रिड, जोमैटो, बीईएल, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाइटन, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजारों की हल्की बढ़त के साथ शुरुआत की। शुरुआती गिरावट के बाद बाजार में तेजी लौटी। निफ्टी 50 इंडेक्स 25,642.95 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद से 45.30 अंक ऊपर था। वहीं सेंसेक्स 83,516.69 पर खुला, जो पिछले बंद 83,459.15 से करीब 0.06 फीसदी तेज रहा। वहीं एशिया-प्रशांत के बाजारों में गुरुवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। अमेरिकी बाजारों में बुधवार को आई मजबूती का असर एशियाई कारोबारी सत्र में साफ दिखा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 2.5 फीसदी उछला, जापान का निक्केई 225 1.45 फीसदी बढ़ा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 0.58 फीसदी उछला।

कर्ज कम करने की दिशा में अस्पष्ट नीति आर्थिक प्रगति पर पड़ सकती है भारी

नई दिल्ली ।एजेंसी। वित्त मंत्रालय आगामी आम बजट की तैयारियों में जुट गया है, और इसी बीच वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कमी तथा उन्हें युक्तिसंगत बनाने पर विचार किया जा रहा है। मंत्रालय को यह सावधानीपूर्वक आकलन करना होगा कि दरों में कमी से राजस्व संग्रह और आर्थिक वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ेगा। दरों में कमी से अल्पकालिक रूप में राजस्व में गिरावट आ सकती है, लेकिन इससे खपत और निवेश बढ़ने की संभावना भी बनती है, जो दीर्घकाल में अर्थव्यवस्था को गति दे सकती है। वित्तीय बाजारों का ध्यान केवल जीएसटी दरों पर ही नहीं, बल्कि आगामी राजकोषीय ढांचे पर भी है। वर्ष 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी कि 2026-27 से सरकार का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तुलना में ऋण अनुपात में कमी लाने का होगा। 2018 में संशोधित राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम में ऋण और घाटे दोनों के लक्ष्य तय किए गए थे। हालांकि कोविड-19 महामारी ने इन लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित किया, जिससे वर्ष 2020-21 में राजकोषीय घाटा जीडीपी के 9.2 प्रतिशत तक पहुंच गया था। इसके बाद सरकार ने राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की दिशा में सराहनीय सुधार किया है। 2021-22 के बजट में वित्त मंत्री ने 2025-26 तक राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने का लक्ष्य रखा था। यह प्रगति पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ हासिल की गई है। 2019-20 में यह व्यय जीडीपी के 1.67 प्रतिशत से बढ़कर 2025-26 में 3.14 प्रतिशत तक पहुंच गया।

भारत रूस से कच्चे तेल की सीधी खरीद घटाएगा

नई दिल्ली ।एजेंसी। भारत नवंबर के आखिर से रूस से कच्चे तेल की सीधे खरीद में कटौती करेगा। यह निर्णय अमेरिका द्वारा 21 नवंबर से रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगाए जाने वाले नए आर्थिक प्रतिबंधों के बाद लिया गया है। प्रतिबंधों के तहत इन कंपनियों की अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगेगी। इसके अलावा, अन्य देशों की संस्थाओं पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लागू हो सकते हैं, यदि वे इन कंपनियों के साथ बड़े लेनदेन करती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के पालन में भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रोसनेफ्ट और लुकोइल से तेल की सीधी खरीद घटा सकती हैं या पूरी तरह रोक सकती हैं। प्रमुख कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी शामिल हैं। हालांकि, नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी वर्तमान खरीद प्रक्रिया जारी रखेगी। विशेषज्ञों के अनुसार 21 नवंबर के बाद रूसी तेल की खेपों में कमी आएगी। दिसंबर में आपूर्ति में तेज गिरावट होने की संभावना है, जबकि 2026 की शुरुआत तक नए व्यापारिक माध्यम और वैकल्पिक मार्गों के जरिए स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो सकती है। घटते रूसी आयात की भरपाई के लिए भारत ने पश्चिम एशिया, लैटिन अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से खरीदारी बढ़ा दी है। उदाहरण के लिए अक्टूबर में भारत ने अमेरिका से प्रतिदिन 5.68 लाख बैरल क्रूड तेल आयात किया, जो मार्च 2021 के बाद सबसे अधिक है। 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से लगभग 18 लाख बैरल प्रतिदिन क्रूड तेल आयात किया। भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अब आपूर्ति में विविधता लाकर अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव को कम करने की रणनीति अपना रही हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको कोई सिर दर्द, बदन दर्द आदि से संबंधित समस्या थी, तो उसके भी दूर होने की संभावना है। आप अपने भाई व बहनों से यदि काम को लेकर कोई सलाह लेंगे, तो वह भी उस पर अमल अवश्य करेंगे। आपका कोई काम बनते बिगड़ सकता है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा, लेकिन फिर भी आप उसे ठीक करने की पूरी कोशिश करेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए करियर के लिहाज से अच्छा रहने वाला है। आपको किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का मौका मिलेगा, लेकिन आप अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें और रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई बेहतर अवसर मिलेगा और आपको अपनी किसी शारीरिक समस्या को छोटा नहीं समझना है, नहीं तो आने वाले समय में वह बढ़ सकती है। आपको अपने कामों में बदलाव सोच समझ कर करना होगा।

मिथुन- आज आप अपनी वाणी व व्यवहार पर संयम बनाए रखें, इसलिए अपने किसी परिवार के सदस्यों से कोई लेनदेन बिल्कुल ना करें, क्योंकि इससे आपके बेवजह के लड़ाई झगड़े बढ़ सकते हैं। माताजी को कोई पैरों से संबंधित समस्या होने की संभावना है, इसलिए उनका ध्यान रखे और आपके पिताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं, जिसको लेकर यदि आपने लापरवाही की, तो वह आपसे नाराज हो सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके रहन-सहन के स्तर में सुधार लेकर आएगा। परिवार में बुजुर्गों का आपको पूरा साथ मिलेगा। मन में तनाव बना रहेगा। विद्यार्थियों की पढ़ाई लिखाई को लेकर यदि कोई समस्या थी, तो वह दूर होती दिख रही है। आज आपकी धन-धान्य में वृद्धि होने से आपको खुशी होगी। आपकी किसी पुराने बात को लेकर आपको पछतावा हो सकता है, लेकिन विरोधी आपकी पीठ में छुरा घोपने की कोशिश करेंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने से आपका मन काफी खुश रहेगा और आप ऊंचाइयों तक जाएंगे। विद्यार्थी यदि किसी परीक्षा को देने की तैयारी कर रहे थे, तो उसमें उन्हें सफलता मिलेगी। कोई मित्र आपके लिए निवेश प्लान लेकर आ सकता है, लेकिन आप उन पर भरोसा कम करेंगे। प्रॉपर्टी डीलिंग के काम मे यदि कुछ कोई डील हो, तो उसमे भी आपको नुकसान होने की संभावना है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। जीवन साथी को नौकरी में कुछ समस्याएं बनी रहेगी, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएंगी। आप किसी बड़े प्रोजेक्ट में हाथ मारने की कोशिश करेंगे, जिसमें आपको पार्टनर पर पूरी निगरानी बनाकर रखनी होगी। आपका कोई भारी नुकसान होते-होते बच सकता है। आपको बेवजह का तनाव लेने से बचना होगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के बीच किसी प्रकार के कोई गलतफहमी उत्पन्न हो सकती हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आपको अपनी आय और व्यय में तालमेल बनाकर चलना होगा, लेकिन फिर भी आपको किसी अजनबी से कोई लेनदेन करने से बचना होगा। यदि आप किसी नए काम की शुरुआत करने के प्लानिंग कर रहे हैं, तो उसकी भी पूरी जांच पड़ताल करें। कोई कानूनी मामला यदि आपका लंबे समय से रुका हुआ था, तो आज उससे भी आपका पीछा छूटेगा और आप किसी नये वाहन की खरीदारी कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज आपको अपने कामों को थोड़ा धैर्य व संयम से निपटना होगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आपको बिजनेस में छुटपुट लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। आर्थिक दृष्टिकोण से आज दिन अच्छा रहने वाला है। आप किसी धन संबंधित समस्या को लेकर परेशान रहेंगे। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपने आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियां बखूबी निभाएंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी, जो आपको सुकून देगी। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपकी किसी मन की इच्छा की पूर्ति होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत करने के लिए रहेगा। आपका कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। आपको यदि कोई हड्डियों व कमर से संबंधित समस्या है, तो आप उसे दूर करें। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानने की आवश्यकता है। आप किसी को धन उधार लेने से बचे, नहीं आपके धन के फंसने की संभावना अधिक है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आपकी किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होगी और किसी बात को लेकर आपके मन में यदि संशय चल रहा है, तो आप उसे दूर करने की कोशिश करें। आपकी अपने जीवन साथी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आप अपने लेनदेन से संबंधित मामलों में लापरवाही न करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों की कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। कार्य क्षेत्र में आपके विचारों से आपके बॉस भी काफी खुश रहेंगे और आपकी दी गयी सलाह भी उनके खूब काम आएगी। आपको कोई बड़ी डील फाइनल करने का मौका मिलेगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ा एहतियात बरतनी होगी।

शब्दजाल - 8072

शब्द जाल में अमजद खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

भा	क	श	त	रं	ज	के	खि	ला	ड़ी	र
र	च	ल	प	व	जी	ग	द	इ	मा	ली
त	र	र्म	ल	र	छ	पु	रा	ट	ह	क
क	स	ज	कु	ह	व	न	लू	ल	म	क
क	क	दो	र्बा	म	लं	रि	तु	ग	कि	क
जी	क	ल	नी	कि	झ	पू	श	ण	सी	को
ती	ज	मा	न	त	प	दे	श	र	से	ल
क	ता	दा	ई	से	र	क	फ	लो	क	न
ने	बा	चे	न्न	प	जी	ल	रि	ग	म	स्ता
द	पा	ल	श	व	दा	दा	ऐ	बें	न	शो
क	क	दे	प	ची	न	रा	बा	द	हीं	ले

शोले, चरस, शतरंज के खिलाड़ी, परवरिश, कुर्बानी, दादा, देश परदेश, हम किसी से कम नहीं, जमानत, लूटमार.

शब्दजाल - 8071 का हल

द र ल प व जी र्त ऐ बें प रु
बां ग ला दे श नी हो जा एं प क

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.55 ब.से
चंद्र	वृष में	धनु	09.11 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.16 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.03 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.35 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.06 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.46 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.44 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.58 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.14 बजे से
10.30 से		कन्या	02.26 बजे से
12.00 बजे तक		तुला	04.36 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 311 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वितीया 11.06 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 00.34 बजे रात्र को समाप्त। **योग** परिघ 22.28 बजे को समाप्त। **करण** गर 11.06 बजे तदनन्तर वणिज 21.17 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 16° 17' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872521 **जूलियन दिन** 2460986.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 15 **विशेष** रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः दिन और रात

बहुत समय पहले की बात है जब सृष्टि की शुरुआत ही हुई थी। दिन और रात नाम के दो प्रेमी थे। दोनों में खूब गहरी पटती पर दोनों का स्वभाव बिल्कुल ही अलग-अलग था। रात सौंदर्य-प्रिय और आराम-पसंद थी तो दिन कर्मठ और व्यावहारिक, रात को ज्यादा काम करने से सख्त नफरत थी और दिन काम करते न थकता था। रात आराम करना, सजना-सँवरना पसंद करती थी तो दिन हरदम दौड़ते भागते रहना। रात आराम से धीरे-धीरे बादलों की लटों को कभी मुँह पर से हटाती तो कभी वापस उन्हें फिर से अपने चेहरे पर डाल लेती। कभी आसमान के सारे तारों को पिरोकर अपनी पायल बना लेती तो कभी उन्हें वापस अपनी चूनर पर टाँक लेती। लेटी-लेटी घंटों बहती नदी में चुपचाप अपनी परछाई देखती रहती। कभी चंदा-सी पूरी खिल जाती तो कभी सिकुड़कर आधी हो जाती। दूसरी तरफ बौखलाया दिन लाल चेहरा लिए हाँफता पसीना बहाता, हर काम जल्दी-जल्दी निपटाने की फिक्र में लगा रहता। आमने-सामने पड़ते ही दिन और रात में हमेशा बहस शुरू हो जाती। दिन कहता काम ज्यादा जरूरी है और रात कहती आराम। दोनों अपनी-अपनी दलीलें रखते, समझने और समझाने की कोशिश करते पर किसी भी नतीजे पर न पहुँच पाते। जान नहीं पाते कि उन दोनों में आखिर कौन बड़ा है, गुणी है. . .सही है या ज्यादा महत्वपूर्ण है। हारकर दोनों अपने रचयिता के पास पहुँचे। भगवान ने दोनों की बातें बड़े ध्यान से सुनीं और कहा कि मुझे तो तुम दोनों का महत्व बिल्कुल बराबर का लगता है तभी तो मैंने तुम दोनों को ही बनाया और अपनी सृष्टि में बराबर का आधा-आधा समय दिया। गुण-अवगुण कुछ नहीं, एक ही पहलू के दो दृष्टिकोण हैं। हर अवगुण में गुण बनने की क्षमता होती है। पर रात और दिन को उनकी बात समझ में न आई और वहीं पर फिर से उनमें वही तू-तू, मैं-मैं शुरू हो गई। हारकर भगवान ने समझाने की बजाय, थोड़े समय के लिए रात को दिन के उजाले वाली चादर दे दी और दिन को रात की अँधेरे वाली, ताकि दोनों रात और दिन बनकर खुद ही फैसला कर सकें। एक दूसरे के मन में जाकर दूसरे का स्वभाव और जरूरतें समझ सकें। तकलीफ और खुशियाँ महसूस कर पाएँ। और उस दिन से आजतक सुबह बनी रात जल्दी-जल्दी अपने सारे काम निपटाती है और रात बने दिन को आराम का महत्व समझ में आने लगा है। अब वह रात को निठल्ली और आलसी नहीं कहता बल्कि थकने पर खुद भी आराम करता है। सुनते हैं अब तो दोनों में कोई बहस भी नहीं होती। दोनों ही जान जो गए हैं कि अपनों में छोटा या बड़ा कुछ नहीं होता। इस दुनिया में कोई भी व्यक्ति कम या ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं। सबके अपने-अपने काम हैं, अपनी-अपनी योग्यता और जरूरतें हैं। जीवन सुचारु और शांतिमय हो इसके लिए काम और आराम, दोनों का ही होना जरूरी है। आराम के बिना काम थक जाएगा और काम के बिना आराम परेशान हो जाएगा। अब दिन खुश-खुश सूरज के संग आराम से कर्मठता का संदेश देता है। जीवन पथ को उजागर करता है और रात चंदा की चाँदनी लेकर घर-घर जाती है, थकी-हारी दुनिया को सुख-शांति की नींद सुलाती है। हर शाम-सुबह वे दोनों आज भी अपनी-अपनी चादर बदल लेते हैं. . .प्यार से गले मिलते हैं इसीलिए तो शायद दिन और रात के वह संधि-पल जिन्हें हम सुबह और शाम के नाम से जानते हैं आज भी सबसे ज्यादा सुखद और सुहाने लगते हैं। कौन जाने यह विवेक का जादू है या संधि और सद्भाव का. . .या फिर उस संयम का जिसे हम प्यार से परिवार कहते हैं। शायद सच में अच्छा बुरा कुछ नहीं होता प्यार और नफरत बस हमारी निजी जरूरतों का ही नाम है. . .बस हमारी अपनी परछाइयाँ हैं। पर अगर कोण बदल लो तो परछाइयाँ भी तो घट और बढ़ जाती हैं। तभी तो हम आप उनके बच्चे, जो यह मर्म समझ पाए, अपने पूर्वजों की बनाई राह पर आजतक खुश-खुश चलते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 7016

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्कराले' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अक्षकपूर, सतस, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7015

बा	ग	बा	न	—	खु	—	स	ल	मा
गी	—	द	—	आ	शी	र्वा	द	—	लि
—	स	ल	मा	न	—	—	मा	शू	क
खौ	फ	—	या	—	वा	दा	—	ल	—
—	र	न	—	पा	प	—	भू	—	प
का	—	या	दे	—	स	पू	त	—	श
म	नो	ज	—	जीं	—	र्णि	—	छा	या
चो	—	मा	चि	स	—	मा	ला	—	ध
र	वी	ना	—	—	ब्लै	—	ड़	—	न
—	रू	—	न	म	क	ह	ला	ल	—

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7325

★★★ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1			7
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7324 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 8540

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8539 का हल

बृ	क्ष	—	अ	रा	ध	ना	—	जु
—	मा	न	क	—	ड़	—	च	र्म
अ	—	स	ड़	न	—	सु	र	—
चा	ल	—	—	त	—	ब	खा	न
न	—	आ	रा	म	दे	ह	—	न
क	म	रा	—	स्त	—	—	भा	दो
—	री	म	—	क	च	रा	—	ई
मौ	ज	—	रा	—	र	स	म	—
त	—	को	ह	रा	म	—	स्त	र

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

म.प्र. युवा कांग्रेस चुनाव संपन्न

लांजी-किरनापुर विधानसभा अध्यक्ष पद पर मनीष जुझार निर्विरोध निर्वाचित

पद्मेश न्यूज। लांजी।

प्रदेश में भारतीय युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया 6 नवंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित इस चुनाव में लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद पर मनीष जुझार निर्विरोध चुने गए। यह परिणाम प्रदेश स्तर पर युवाओं की सक्रिय भागीदारी का प्रतीक है, जिसमें लगभग 15 लाख युवाओं ने हिस्सा लिया।

राहुल गांधी के मार्गदर्शन में पिछले कुछ महीनों से प्रारंभ हुई यह निर्वाचन प्रक्रिया अखिल भारतीय स्तर पर पारदर्शिता का उदाहरण बनी। जुलाई 2025 में जारी अधिसूचना के बाद प्रदेश भर के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से लांजी-किरनापुर क्षेत्र से करीब 450 युवाओं ने मतदान कर इस प्रक्रिया को मजबूती प्रदान की। परिणाम 6 नवंबर को घोषित होते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई।

मनीष जुझार लंबे समय से कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े हुए हैं। अपने छात्र जीवन से ही वे सक्रिय रहे हैं और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) तथा युवा कांग्रेस के महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। वे पार्टी के कार्यक्रमों, चुनावों, धरनों और आंदोलनों में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं, चाहे वह जिला स्तर हो या प्रदेश स्तर। उनकी सक्रियता ने पार्टी को नई ऊर्जा प्रदान की है।

मनीष के निर्विरोध निर्वाचन पर समस्त कांग्रेसजनों में हर्ष व्याप्त है। प्रदेश विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष सुश्री हिना कावरे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्चना रेवेंद्र खोंगल, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी के अध्यक्ष ओंकार बाबा राहांगडाले, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला के अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी किरनापुर के अध्यक्ष युसुफ पटेल, पूर्व अध्यक्ष खेमचंद दानी, सरपंच संघ लांजी के अध्यक्ष ललित कबीरे, शहर कांग्रेस कमेटी लांजी के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मीरा राधेश्याम सिगनघुपे, श्रीमती चेतना अजय कुराहे, सुश्री डाली कावरे, श्रीमती ज्योति उमरे, जनपद सभापति दिनेश लाडें, रेवाजी करहाटकर, टुमनलाल घोरमारे, महेश चौधरी, चित्ररेखा, पवन भोयर, युवराज पटले, श्याम बेदरे, युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं पार्षद सौरभ मोनु पशीने, पार्षद पूनम आसटकर, मुकेश रणदिवे, कल्पना लीलाधर डोलस, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनीषा रविंद्र धारणे, अफसाना अंसारी, ज्योति महेंद्र सोनवाने, कोमल काड़े, योगेन्द्र हरिणखेड़े, देबीलाल चौधरी, योगेंद्र बबली मिश्रा, अनमोल तिडके, शरद आसटकर, चंदु किरनापुरे, पी.डी. भालाधरे, पवन कश्यप, भरतलाल बडमे, सीताराम बडमे, दिनेश चौहान, राजू मेढे, लिखेंद्र उपराड़े, धमेंद्र चुटे, घनश्याम पटले, भरतलाल टेंभरे, हेमराज ठाकरे, अमन श्रीवास्तव, शिवम नखाते, मोनु हरिनखेडे, नीरज मोरघडे, नीरज पगाडे, आदर्श ठाकरे, बंटी गौतम, प्रदीप ठाकरे, अंकित ठाकरे, चंदु मलगाम, संतोष दुरूगकर, मुकेश दशरिया, सरपंच भानेगांव राम ठाकरे, लक्ष्मण कावरे, महेश मातरे, सरपंच कंसूली लीलाराम मानकर, सरपंच घोटी श्रीचंद कामडे, सरपंच डोंगरगांव राजकुमार टांडेकर, सरपंच बापड़ी खेमराज मच्छिरके, मुन्ना वानखेडे, सैयद अरसद, सरपंच परसवाड़ा विजय लिल्हारे, सरपंच परसोड़ी चमरू पगवार, कैलाश कुराहे, खेमलाल ठकरेला, सुरेंद्र चौधरी, नरेंद्र गजबे, दयाराम डहारे, धनीराम इनवाती, रमेश्वर बिल्थरे, अफजल बेग, अजय गोस्वामी, शफीक रहमान, संजीत ठाकरे, जुग्गू खान, सखाराम वरकडे, धनेंद्र कावरे सहित समस्त कांग्रेसजनों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जम्मू माली मरार समाज लांजी का चुनाव संपन्न-भरतभाऊ बड़मे बने अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला माली मरार समाज के निर्देशानुसार ज्योतिबा फुले सांस्कृतिक मंगल भवन, चिचटोला, लांजी में बुधवार, 5 नवंबर को समाज की नई कार्यकारिणी का चुनाव विधिवत संपन्न हुआ। 2003 से लगातार अध्यक्ष पद पर आसीन भरतभाऊ बड़मे को समाज के सदस्यों ने एकबार फिर निर्विरोध चुना, जो उनके नेतृत्व और समर्पण का प्रतीक है।

चुनाव प्रक्रिया में समाज के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया और सर्वसम्मति से नई टीम का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में भरतभाऊ बड़मे को अध्यक्ष के रूप में चुना गया, जबकि उपाध्यक्ष के पद पर संतोष बड़मे और यशवंतराव बड़मे को जिम्मेदारी सौंपी गई। कोषाध्यक्ष के रूप में ताराचंद चोरवाढ़े को चुना गया। संरक्षक एवं मार्गदर्शक के पद पर सीताराम जी बड़मे विराजमान होंगे।

सचिव के पद पर लखानलाल वाकले को नियुक्त किया गया, जबकि सह-सचिवों में अलोक राजकुमार भावे, वरुण तिलकेश बड़मे, श्रीमती हीना कैलाश बड़मे, येशुलाल चोरवाढ़े, शेषराम चोरवाढ़े, तेजराम वाकले, ठुनिया वाकले, मुकेश चोरवाढ़े, जय प्रकाश गोदुले, आदित्य राजकुमार भावे, श्रीमती प्रमिला अशोक चोरवाढ़े, श्रीमती शीतल संतोष गोदुले, श्रीमती सुषमा कमलेश भावे, श्रीमती मधु कैलाश गोदुले तथा श्रीमती काजल लवकुमार गोदुले को सदस्य के रूप में चयनित किया गया।

समाज के सदस्यों ने नई कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए कहा कि यह टीम समाज के कल्याण, शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियों और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। अध्यक्ष भरतभाऊ बड़मे ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा, हमारा समाज हमेशा प्रगति की राह पर बढ़ेगा। नई टीम मिलकर लांजी क्षेत्र के माली मरार समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

सभाष चौक में यातायात सिग्नल का पोल गिरा, बड़ी दुर्घटना टली

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर परिषद लांजी के सुभाष चौक में लगा यातायात सिग्नल का पोल 6 नवंबर के सुबह करीब 5 बजे एक भारी वाहन के फंसने से गिर गया। इस घटना में आलू-पोहा और चाय का ठेला लगाने वाले व्यक्ति तथा वहां मौजूद लोग बाल-बाल बच गए। यदि समय पर कोई हादसा होता, तो यह एक गंभीर दुर्घटना बन सकती थी।

जानकारी के अनुसार, सुभाष चौक में नगर परिषद द्वारा लगाए गए यातायात सिग्नल वर्षों से उचित रखरखाव के अभाव में बंद पड़े हैं। इन सिग्नल पोल्स पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं, जिनके केबल एक पोल से दूसरे पोल तक ऊपर से बंधे हुए झूल रहे हैं। सुबह के समय एक भारी वाहन के इन केबलों में फंसने से पोल एक तरफ खिंच गया और अंततः गिर पड़ा। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई व्यक्ति चपेट में नहीं आया।

घटना की फुटेज पुलिस थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर संबंधित अधिकारी संज्ञान ले सकते हैं। घटना के बाद नगर परिषद ने अपने कर्मचारियों को भेजकर गिरे पोल को कटवाकर हटवा दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात सिग्नल और सीसीटीवी की उचित देखभाल न होने से ऐसी घटनाएं हो रही हैं। नगर परिषद से मांग की जा रही है कि ऐसे उपकरणों का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए ताकि भविष्य में कोई बड़ा हादसा न हो।

मनरेगा उपयंत्रियों की हड़ताल से पंचायतों के कार्यो पड़ा बडा असर-अवसरे

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रदेश भर में चल रही मनरेगा उपयंत्रियो के हड़ताल के चलते पंचायतों कार्यो व्यापर असर देखने को मिल रहा है जिसको लेकर जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने कहा कि वर्तमान में पंचायत उपयंत्रियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल लगभग 83 दिनों से जारी है जिसके तहत पंचायत के लगभी सभी कार्य ठप्प पडे हुये है। बताया जा रहा है कि यह अपनी 8 सूत्रीय मांगो जिनमें संविदा पारिश्रमिक की गणना नियुक्ति दिनांक की सेवा अवधि के समक्ष सेवा अवधि वाले नियमित उपयंत्री के वेतन के समतुल्य करने एवं वार्षिक वेतन वृद्धि मिलने का आदेश सरकार जारी करे। मनरेगा उपयंत्री की मृत्यू होने पर आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति मिलने के आदेश तत्काल जारी हो। मनरेगा उपयंत्री को किसी भी प्रकरण में पद से पृथक किये जाने के स्थान पर निलंबित किये जाने का आदेश जारी करे। जिला या प्रदेश स्तर पर आरईएस एवं मनरेगा के उपयंत्रियों की संयुक्त वरिष्ठता सूची अनुसार सहायक यंत्री के प्रभार दिये जाने के आदेश जारी हो। अधिकांश जिलों में आरईएस के जुनियर उपयंत्रियों को सहायक यंत्री का प्रभार मिला हुआ है। नियमित कर्मचारियों की भांति मनरेगा उपयंत्री हेतु उपादन ग्रेज्रुएटी भुगतान के आदेश जारी हो एवं 1 अगस्त 2023 के बाद मृत या सेवानिवृत्त हुये उपयंत्रियों को भी इसका लाभ देने का आदेश दिया जाये। संविदा सेवा का नवीनीकरण एक वर्ष पही 5 वर्ष की सी आर के आधार पर किया जाये ताकि वित्तिय वर्ष के आखिर में उपयंत्री का शोषण ना हो। मरनेगा उपंयत्रियो से केवल तकनीकि कार्य ही कराया जाये चंकी मनरेगा मांग आधारित योजना है इसे लक्ष्य आधारित योजना बनाकर उपयंत्रियो का शोषण बंद किया जाये। मनरेगा के उपयंत्रियो का अपना परिवार होता है जिसका पोषण उसकी जवाबदारी होती है अतः माह की प्रथम तारिख को वेतन मिल जाये यह सुनिश्चित किया जाये। इन मांगो के साथ आज मनरेगा उपंयत्री लगभग 3 माह से हड़ताल है जिसका सीधा असर आज पंचायतों में देखा जा रहा है जिसे क्षेत्र के ग्रामीण मजदूर सहित अन्य योजनाओ का लाभ पाने वाले ग्रामीण जन प्रभावित हो रहे है। आज मजदूरों को समय पर भुगतान नही होने के चलते वे क्षेत्र से बडी मात्रा में पलायन कर रहे है। मनरेगा योजना का सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रो में देखा जा रहा है। अतः मेरी शासन मांग है कि मनरेगा उपयंत्रियों की इन जायज न्यायसंगत मांगो को गंभीरता से लेते हुये तथा पंचायतों एवं ग्रामीणो की दशा को देखते हुये इन मांगो को अतिशिघ्र पूर्ण किया जाये ताकि उपयंत्री वापस कार्य पर लौटे और ग्रामीणो को लाभ प्राप्त हो।

बिसोनी के पॉली एकेडमिक महाविद्यालय ने 29वें युवा महोत्सव-2025 में लहराया परचम, नृत्य व गायन में हासिल किया प्रथम स्थान

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट जिले में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित 29वें युवा महोत्सव-2025 ने युवाओं की सांस्कृतिक प्रतिभाओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार की थीम पर आधारित इस जिला स्तरीय आयोजन ने न केवल युवाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का सुनहरा अवसर भी उपलब्ध कराया। इस महोत्सव में लांजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित संस्थान महाविद्यालय पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी ने अपनी छाप छोड़ी, जब इसके प्रशिक्षणार्थियों ने गायन और नृत्य प्रतियोगिताओं में अलग-अलग प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।

4 नवंबर 2025 को मूलना स्टेडियम ग्राउंड, बालाघाट में संपन्न इस एकदिवसीय उत्सव में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिले भर के शासकीय-अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों, तकनीकी शिक्षा संस्थानों, आदिम जाति कल्याण विभाग एवं नेहरू युवा केंद्र से जुड़े सैकड़ों युवा विभिन्न सांस्कृतिक एवं नवाचारी गतिविधियों में शामिल हुए। लोकगीत, नृत्य, वक्तृत्व, चित्रकला से लेकर विज्ञान प्रदर्शन तक की विविध विधाओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य युवाओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना रहा, जो राष्ट्रीय युवा महोत्सव की श्रृंखला का हिस्सा है।

महाविद्यालय पॉली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी, जो राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से मान्यता प्राप्त जिले का एकमात्र बीएससी-बीएड एवं बीएड प्रशिक्षण महाविद्यालय है, ने इस आयोजन में अपनी अभूतपूर्व सफलता दर्ज की। संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों ने नृत्य एवं गायन दोनों श्रेणियों में प्रथम स्थान हासिल कर संपूर्ण लांजी क्षेत्र एवं बालाघाट जिले का मान बढ़ाया। विजयी प्रतिभागियों में दिव्या डहारे (बीएससी-बीएड प्रथम सेमेस्टर), प्रणाली चौहान, माही चौधरी, सुप्रिया सोनगड़े, निधि पटले एवं दीपिका चौधरी (बीएससी-बीएड तृतीय सेमेस्टर), तथा पलक मसराम, आशा यादव एवं करण बागड़े (बीएससी-बीएड सप्तम सेमेस्टर) शामिल हैं। इन युवाओं ने अपनी कला से दर्शकों को प्रभावित किया और संस्थान का परचम लहराया।

यह सफलता अब संभाग स्तर पर आगे बढ़ेगी। ये विजेता 14 एवं 15 नवंबर को जबलपुर में आयोजित संभागीय युवा महोत्सव में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे, जहां वे राष्ट्रीय स्तर की दौड़ में शामिल होने का प्रयास करेंगे।

इस उपलब्धि पर महाविद्यालय संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य, प्राचार्य डॉ. बीएल लिल्हारे, समस्त प्राध्यापकगण एवं सहायक स्टाफ ने प्रतिभागियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की तैयारी में रसायन विज्ञान विभाग के प्राध्यापक अजित बोरकर एवं संगीत शिक्षक जयप्रकाश श्रीवास का मार्गदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा, जिन्होंने छात्रों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मंडई जाने निकला जितेन्द्र का शव दो दिन बाद लोढ़ागी में मिला

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत कोसमारा के भक्कूटोला निवासी जितेन्द्र पिता कमल सिंह उइके उम्र 25 वर्ष का शव किरनापुर थाना अंतर्गत लोढ़ांगी के परसाड़ी में पाया गया है, जिसकी सूचना लोढ़ांगी पुलिस चौकी को स्थानीय लोगो के द्वारा दी गई। इस संबध में मृतक के पिता कमल सिंह उइके ने पुलिस को जानकारी में बताया कि मेरा बेटा जिर्तेन्द्र उइके 4 नवंबर को रात्रि 9 बजे घर में बताकर निकला कि मै लोढ़ांगी मण्डई जा रहा हू। जो 6 नवंबर तक घर वापस नही आया जिसकी हमारे द्वारा तलाश की जा रही थी। 6 नवंबर को सुबह 9 बजे अपने बेटे जितेन्द्र को ढूढने अतरिया आया था तभी अतरिया के एक व्यक्ति ने बताया कि ग्राम लोढ़ांगी में मेंढरा रोड के किनारे परसाड़ी में एक व्यक्ति का शव मिला है। जिस पर मै अपने साथी गणेश के साथ घटना स्थल पर पंहुचे तो मेरे बेटे का शव महुआ एवं कारली के वृक्ष के समीप ढूमर के पास पड़ा हुआ था, मेरे बेटे जितेन्द्र की मृत्यू किन कारणो से हुई ज्ञात नहीं। सूचना पर पुलिस के द्वारा घटना स्थल पर पंहुचकर मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र किरनापुर लाया गया जहां पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। जितेन्द्र की मृत्यू किन कारणो से हुई, पुलिस इस संबध मर्ग क्रमांक 54/25 धारा 194 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है प्रकरण की जांच किरनापुर पुलिस के द्वारा की जायेगी।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

70 साल के सफर पर बदलेगा मध्यप्रदेश का नक्शा

नया संभाग और तीन जिले बनने की तैयारी

भोपाल । मध्य प्रदेश के प्रशासनिक और भौगोलिक नक्शे में दिसंबर 2025 से पहले एक बड़ा ऐतिहासिक बदलाव होने जा रहा है। राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग प्रदेश में तीन नए जिले (पिपरिया, बीना और सीहोरा बनने की प्रबल संभावना) और निमाड़ को 11वां संभाग बनाने की तैयारी में है। इस व्यापक पुनर्गठन का सीधा असर 25 से अधिक जिलों की सीमाओं पर पड़ेगा, जिसके लिए आयोग तेजी से मैदानी कार्य पूरा कर रहा है।

राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग दिसंबर 2025 तक पिपरिया, बीना, और सीहोरा को नया जिला और निमाड़ को 11वां संभाग बनाने की तैयारी में है। यह पुनर्गठन, जिसका उद्देश्य प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और वर्षों पुरानी स्थानीय मांगों को पूरा करना है। भोपाल में तहसीलों की संख्या बढ़ाएगा और मैहर-रीवा में सीमा विवाद पैदा कर सकता है। इस बदलाव के साथ कई जिलों की सीमाएं नए सिरे से तय होंगी और राजधानी भोपाल में पांच नई तहसीलें जोड़ी जाएंगी। सूत्रों के अनुसार, सरकार इंदौर संभाग से खंडवा, खरगोन और बुरहानपुर को अलग कर नया संभाग बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इस निर्णय से न केवल प्रशासनिक ढांचा मजबूत होगा, बल्कि निमाड़ अंचल के विकास को भी नई गति मिलेगी।

दिसंबर तक आयोग रिपोर्ट तैयार कर लेगा

आयोग दिसंबर 2025 तक यह कार्य पूरा करना चाहता है, जिसके बाद जनगणना कार्य शुरू होने तक किसी भी प्रशासनिक इकाई की सीमा को बदला नहीं जा सकेगा। आयोग का लक्ष्य जल्द से जल्द सीमांकन का काम पूरा करना है, क्योंकि जनगणना से पहले प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं तय करनी अनिवार्य हैं। आयोग अब तक दो दर्जन से अधिक जिलों में मैदानी कार्य पूरा कर चुका है और शेष जिलों में सर्वे का कार्य जारी है। आयोग ने सीमाओं को साइंटिफिक तरीके से और सटीक बनाने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफपब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, आई आईपीए से तकनीकी सहयोग लिया है। ड्रोन और सैटेलाइट सर्वे की मदद से सटीक सीमांकन तैयार किया जाएगा। बाद में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों को मिलाकर सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

भोपाल में बढ़ेंगी तहसीलें

वर्तमान में जिले में तीन तहसीलें हुजूर, बैरसिया और कोलार हैं। अब इनके साथ टीटी नगर, एमपी नगर, गोविंदपुरा, संत हिरदाराम नगर, बैरागढ़ और पुराना भोपाल को तहसील का दर्जा देने की योजना है। नई तहसीलों के गठन से आम नागरिकों को राजस्व, नामांतरण और प्रमाणपत्र संबंधी कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। भोपाल में हर विधानसभा क्षेत्र को एक-एक तहसील का स्वरूप देने की योजना है, जिससे जिले में कुल आठ तहसीलें हो सकती है। यह पूरी प्रक्रिया पिछले वर्ष गठित राज्य प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग की देखरेख में हो रही है। गौरतलब है कि प्रदेश के गठन से लेकर अब तक मध्यप्रदेश में 45 से बढक़र 55 जिले बन चुके हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ के अलग होने से पहले वर्ष 2000 में प्रदेश में जिलों की संख्या 61 थी। अब एक बार फिर मध्य प्रदेश इस आकड़े की तरफबढने् की तैयारी में है। यह पुनर्गठन केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि 70 वर्षों के विकास सफर का अगला अध्याय माना जा रहा है। जहां मध्यप्रदेश अपने नए स्वरूप में एक और मजबूत कदम बढ़ाने जा रहा है।

निमाड़ बन सकता है नया संभाग

प्रदेश में निकट भविष्य में सबसे बड़ा बदलाव इंदौर संभाग में देखने को मिल सकता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार इंदौर संभाग से चार जिलों जिनमें खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर और खंडवा को अलग कर निमाड़ को नया संभाग बनाने की तैयारी चल है। बता दें कि सीएम मोहन यादव की पहली समीक्षा बैठक में इस पर विचार किया गया था, जिसका उद्देश्य इन जिलों की राजस्व निगरानी बेहतर करना और संभागीय मुख्यालय से दूरी कम करना है। पिपरिया को जिला बनाने के लिए काफी लंबे समय से मांग की जा रही है। अभी नर्मदापुरम जिले में शामिल पिपरिया जिला मुख्यालय से करीब करीब 70 किलोमीटर पड़ती है। भौगोलिक दृष्टि से पहाड़ी इलाका होने के कारण यहां काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बुंदेलखंड के संभागीय मुख्यालय सागर जिले की बीना तहसील को नया जिला बनाने की मांग बीते करीब 40 सालों से उठाई जा रही है। बीना में इसको लेकर जब-तब धरना-प्रदर्शन होते रहे हैं। इसमें सामान्य नागरिक, समाजसेवी, राजनीतिक दल शामिल रहे हैं। एमपी में नए जिलों के पुनर्गठन की सुगबुगाहट के बीच फिर यह मांग जोर पकडने् लगी है। बीना की सागर मुख्यालय से दूरी करीब 80 किलोमीटर है। इस कारण प्रशासनिक कार्यों में विलंब होता है। यदि बीना नया जिला बनता है तो इसमें खुरई, मालथौन, बांदरी, कुरवाई जैसे क्षेत्र शामिल किए जा सकते हैं।

नियमित होने के लिए परीक्षा में 50 प्रतिशत अंक जरूरी

भोपाल। मप्र में संविदा कर्मचारियों के लिए विभागों की ओर से की जाने वाली सीधी भर्ती में नियम बना दिए हैं। अब संविदा कर्मचारियों को सरकारी नौकरी में आने के लिए लिखित परीक्षा देनी होगी। इसमें भी 50 फीसदी से अधिक अंक आने पर ही उन्हें नियुक्ति होगी। सामान्य प्रशासन की ओर से तैयार किए गए इन नियमों के अनुसार, सभी विभाग अपने यहां तृतीय श्रेणी की भर्तियों में इसका पालन करेंगे। गौरतलब है कि प्रदेश के 25 से ज्यादा विभागों में करीब 2.50 लाख संविदा कर्मचारी काम कर रहे हैं। इन कर्मचारियों पर अब दोहरी परीक्षा का दबाव है। ये वही कर्मचारी हैं जो 15 साल पहले विभागीय परीक्षा देकर संविदा पदों पर भर्ती हुए थे, लेकिन अब सरकार ने नियमित भर्तियों में उनके लिए 20 प्रतिशत आरक्षण तो रखा है, पर शर्त जोड़ी है-व्यापमं की परीक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत अंक लाने होंगे, तभी नियमितीकरण होगा। इस नियम के विरोध में 15 नवंबर को मध्य प्रदेश संविदा संयुक्त संघर्ष मंच के तत्वाधान में 24 योजनाओं परियोजनाओं के संविदा कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा उसी क्रम में 2 नवंबर को बिजली विभाग के संविदा कर्मचारी भोपाल में आंदोलन कर रहे हैं।

बिना परीक्षा नियमित करने की मांग

उधर, कर्मचारियों का कहना है कि 50 साल पार कर चुके कर्मियों को अब फिर से परीक्षा में बैठाना अनुचित है। उनका तर्क है कि जब हमने पहले ही परीक्षा पास कर ली थी और वर्षों से सेवा दे रहे हैं, तो अब नई पीढ़ी के उम्मीदवारों से प्रतिस्पर्धा क्यों? खासतौर पर डिप्लोमा और डिग्रीधारी सब इंजीनियर नई परीक्षा की कटऑफ में पिछड़ रहे हैं।

परफॉर्मेंस के आधार पर होगा मंत्रिमंडल विस्तार

मप्र के मंत्रियों के काम का आकलन करेंगे मुख्यमंत्री

भोपाल। मप्र में आगामी समय में मंत्रिमंडल विस्तार होगा। क्योंकि मप्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार बने करीब दो साल होने वाले हैं। ऐसे में प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना बढ़ गई है। मुख्यमंत्री का कहना है कि मंत्रिमंडल के विस्तार से पहले मंत्रियों के दो साल के कार्यकाल का आकलन किया जाएगा। उसके बाद मंत्रिमंडल विस्तार का खाका तैयारी किया जाएगा।

गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव के ठीक दो साल पहले गुजरात में मंत्रिमंडल विस्तार ने आकार लिया है। मुख्यमंत्री को छोडक़र पूरे मंत्रिमंडल का इस्तीफा लिया गया। जिन मंत्रियों की परफॉर्मेंस खराब थी, उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। ऐसे में अब मध्य प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार के कयासों का दौर लगातार जारी है। मंत्रिमंडल विस्तार से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपनी सरकार के मंत्रियों व विधायकों के कामकाज की समीक्षा करेंगे। वह मंत्रियों के साथ वन-टू-वन बैठक करके विभागवार उनके कामकाज की समीक्षा करेंगे। विभागवार मंत्रियों के प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा और इसके आधार पर मंत्रियों के कामकाज की ग्रेडिंग तय होगी। जल्द ही मंत्रियों के साथ बैठक का दौर शुरू करने की तैयारी है।

मुख्यमंत्री जिस तरह से मंत्रियों के कामकाज पर नजर बनाए हुए हैं उससे मंत्रिमंडल विस्तार के संकेत मिल रहे हैं। पूर्व में मुख्यमंत्री द्वारा अपने मंत्रियों के कामकाज की रिपोर्ट तैयार कराने के बाद इसकी प्रबल संभावना देखी जा रही है। मंत्रिमंडल विस्तार होता है तो क्षेत्रीय संतुलन साधने के हिसाब कुछ पूर्व मंत्रियों को फिर मौका दिया जा सकता है। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित 31 मंत्री हैं। नियम के अनुसार 35 मंत्री हो सकते हैं। भाजपा के कई वरिष्ठ विधायकों और नेताओं को मंत्रिमंडल में शामिल करने की मांग लंबे समय से चल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक सवाल के जवाब में कहा है कि भाजपा अखिल भारतीय पार्टी है। ऐसे कोई भी फैसले केंद्र और राज्य की इकाई मिलकर करते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में यश घनघोरिया सबसे आगे

चुनाव परिणाम घोषित 2.38 लाख वोट पाकर भोपाल के अभिषेक दूसरे नंबर पर रहे

भोपाल। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस संगठन चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस चुनाव में प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष पदों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में जबलपुर के यश घनघोरिया ने सबसे अधिक 3 लाख 13 हजार वोट पाकर पहला स्थान प्राप्त किया। भोपाल के अभिषेक परमार को 2 लाख 38 हजार वोट मिले और वे दूसरे स्थान पर रहे। तीसरे स्थान पर सीधी के देवेन्द्र दादू, जबकि चौथे स्थान पर ग्वालियर के शिवराज यादव रहे। सूत्रों के अनुसार, सबसे अधिक वोट पाने वाले तीन उम्मीदवारों यश घनघोरिया, अभिषेक परमार और देवेन्द्र दादू को दिल्ली इंटरव्यू के लिए आमंत्रित किया गया है। इंटरव्यू प्रक्रिया के बाद प्रदेश अध्यक्ष के नाम की अधिकृत घोषणा की जाएगी। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि अभी आधिकारिक घोषणा होनी बाकी है केवल वोटो की गिनती की घोषणा हुई है अब जीते हुए कैंडिडेट का इंटरव्यू किया जाएगा उसके बाद आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

18 अप्रैल को एमपी में यूथ कांग्रेस के चुनावों की घोषणा के साथ ही सदस्यता शुरू हुई थी। ऑनलाइन मोड पर एप के जरिए कराई गई मेंबरशिप में हर नए सदस्य को 50 रुपए सदस्यता शुल्क भी अदा करना था। 20 जून से 19 जुलाई तक चलाए गए सदस्यता अभियान में 15,37,527 युवाओं ने सदस्यता फॉर्म भरे। इनमें से 63,153 युवाओं ने सदस्यता शुल्क जमा नहीं किया। सदस्यता शुल्क के साथ 14 लाख 74 हजार 374 युवाओं ने मेंबरशिप के लिए फॉर्म भरे।

महासचिव पद पर धीरेज को सबसे ज्यादा वोट

युवा कांग्रेस में प्रदेश महासचिव के लिए 55 पदों पर 182 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें से धीरेज सिंह परिहार ने सबसे ज्यादा 17,716 वोट हासिल कर शीर्ष स्थान पाया। वहीं शहर अध्यक्ष और प्रदेश पदाधिकारी का भी ऐलान किया गया है। भोपाल शहर अंकित दुबे, भोपाल ग्रामीण राहुल मंडलोई, इंदौर शहर अमित पटेल, ग्वालियर शहर विजय यादव, जबलपुर सतेंद्र कुकरेले अध्यक्ष बने है। इस चुनाव में 16 लाख युवाओं ने भाग लिया था। आपको बता दें कि यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के लिए सबसे ज्यादा वोट लाने वाले यश घनघोरिया कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया के बेटे है।

कफ सिरप कांड में हो रही औपचारिकता की कार्रवाई

- 26 बच्चों की मौत को मामले में कांग्रेस विधायक बोले

भोपाल। छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और बैतूल में जहरीला कफ सिरप पीने से 26 बच्चों की मौत हो चुकी है। इस दर्दनाक घटना को लेकर की गई सरकारी कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं। परासिया से कांग्रेस विधायक सोहन लाल बाल्मीक ने कहा कि सरकार ने सिर्फ औपचारिक कार्रवाई की है, जबकि जिम्मेदार बड़े अधिकारियों को बचाया जा रहा है। विधायक बाल्मीक ने कहा कि दवा दुकानदारों और मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। ड्रग कंट्रोलर और स्वीकृति देने वाले अधिकारी पूरी तरह जिम्मेदार हैं। इनके खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। सरकार ने मामले को निचले स्तर तक सीमित कर दिया है, जबकि मुख्य दोषी अभी भी बाहर हैं।

विधायक का कहना है कि जब तक स्वीकृति प्रक्रिया और दवाई की गुणवत्ता परीक्षण प्रणाली में शामिल अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक इस तरह की घटनाएं होने का खतरा बना रहेगा। सरकारी स्तर पर उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच हो और दोषियों को सख्त सजा मिले, तभी पीड़ित परिवारों को वास्तविक न्याय मिल सकेगा।

तो ऐसी घटनाएं होती रहेंगी

परासिया विधायक ने कहा कि मप्र में ड्रग इंस्पेक्टर और लैब की संख्या कम है। सिर्फ 3 लैब मध्य प्रदेश में हैं। ये व्यवस्था सरकार की तरफ से शुरू से ही गड़बड़ा रही है। जिसके चलते इतनी बड़ी घटना हुई है। अगर व्यवस्थाएं नहीं बढ़ाई गईं तो इस तरह की घटनाएं घटती रहेंगी। सरकार द्वारा दवा बनाने वाली कंपनी और तमिलनाडु सरकार को दोषी बताने पर विधायक सोहन लाल ने कहा- मुख्य रूप से दोष तो उन्हीं का है कि उन्होंने गलत दवाई यहां पर सप्लाई की, लेकिन यहां पर गलत दवा सप्लाई हो रही थी तो विभाग और मध्य प्रदेश सरकार की जवाबदारी थी कि उन दवाओं को रोका जाना चाहिए था, जो नहीं किया। यदि रोक लेते तो ये घटना नहीं होती। कंपनी पर जिस तरह की कार्रवाई होनी चाहिए थी वैसी कार्रवाई नहीं हो रही।

मामला ठंडे बस्ते में डालने की तैयारी हो रही

विधायक ने कहा- पूरा मामला अब ठंडे बस्ते में डालने की तैयारी की जा रही है। हमने विधानसभा में स्थगन लगाया है यदि स्थगन स्वीकार करेंगे तो हम लोग पूरा विषय रखेंगे। मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी उसको लेकर मैंने कलेक्टर को पत्र लिखा है कि बच्चों के इलाज में जो पैसा खर्च हुआ वो कहां से कैसे मिलेगा ये बताया जाए। उसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 4-4 लाख रुपए देने का वादा किया था किसी को एक लाख किसी को दो लाख मिले हैं किसी को भी पूरा पैसा आज तक नहीं मिला।

सहायक आयुक्त के आदेश का विरोध करेगा कर्मचारी मंच

भोपाल। बैतूल के जनजातिय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त ने कर्मचारी विरोधी आदेश जारी करके अंशकालीन कर्मचारी को सेवा में निरंतर न रखने का आदेश जारी किया है। इस कारण वर्षों से कार्यरत अंशकालीन कर्मचारियों की नौकरी में संकट उत्पन्न हो गया। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने निर्णय लिया है कि बिना शासन आदेश के जनजातिय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त बैतूल जिले में अल्पकालीन कर्मचारियों को परेशान करने के लिए जारी किए गए आदेश का विरोध करते हुए आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को ज्ञापन सौंपा जाएगा तथा मांग की जाएगी की सहायक आयुक्त द्वारा जारी किए गए आदेश को तत्काल निरस्त किया जाए।

माननीयों की दो हजार से अधिक याचिकाओं पर नहीं हुई कार्रवाई

- विधायकों की याचिकाओं पर विभाग नहीं देते ध्यान

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी विभागों की कार्यप्रणाली से आम आदमी ही नहीं, विधायक भी परेशान हैं। आलम यह है कि अपने क्षेत्र से संबंधित समस्याओं को लेकर विधायक विधानसभा सत्र के दौरान याचिकाएं लगाते हैं, लेकिन विभाग उन पर कार्रवाई करने से कतराते हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 16 वीं विधानसभा में अभी तक 2720 याचिकाएं लगाई गई हैं, लेकिन उनमें से दो हजार से अधिक पेंडिंग हैं।

गौरतलब है कि समय-समय पर विधानसभा अध्यक्ष और सचिवालय विभागों को विधायकों की याचिकाओं का समय पर निराकरण करने का निर्देश देते रहते हैं, लेकिन विभाग इस ओर अधिक ध्यान नहीं देते हैं। उदाहरणार्थ निवाड़ी जिले के ग्राम मजल से ककावनी तक अधूरी सडक़ के कारण रोजाना सैकड़ों लोग परेशान होते हैं। लोगों की सुविधा के लिए इसका निर्माण कराए जाने और ग्राम समरया खिरक वार्ड-3 से ककावनी नहर के किनारे तक सडक़ का निर्माण कराए जाने संबंधी याचिका पृथ्वीपुर विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर ने विधानसभा के मार्च 2025 में हुए सत्र में लगाई थी, लेकिन इस पर अभी तक कोई काम शुरू नहीं हुआ है। न स्थानीय प्रशासन इस पर ध्यान दे रहा है और न संबंधित विभाग ने कुछ किया है। यह तो मात्र एक उदाहरण है।

70 फीसदी में सनवाई नहीं

16 वीं विधानसभा में अभी तक विधायकों ने 2720 याचिका लगाई हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत में सुनवाई नहीं हो पाई है। इस कारण प्रदेश के 230 विधानसभा क्षेत्रों में ऐसी कई समस्याएं हैं जिनसे रहवासी जूझ रहे हैं। जनता के प्रतिनिधि होने के नाते संबंधित क्षेत्र के विधायक इस समस्या के त्वरित निराकरण के लिए विधानसभा सत्र के दौरान याचिकाएं लगाते हैं। लेकिन संबंधित विभागों द्वारा इन पर ध्यान नहीं देने से यह सालों पेंडिंग बनी रहती हैं। गौरतलब है कि विधानसभा सत्र के दौरान विधायक जन समस्याओं के निराकरण के संबंध में याचिकाएं लगाते हैं। विधानसभा में इसके लिए एक याचिका समिति है जो इनको संबंधित विभाग के पास भेजती है। समिति बैठक के दौरान समीक्षा करती है। काम नहीं होने पर विभाग को पत्र लिखे जाते हैं। यदि पत्रों पर कार्रवाई नहीं की जाती है तो विभाग को सुनवाई के लिए तलब किया जाता है। लेकिन कई बार विभाग नियमों का हवाला देकर, बजट नहीं होने या नीतिगत बहाने बनाकर काम करने में असमर्थता जताते हैं या समय लगने की बात कह देते हैं। प्रमुख सचिव मप्र विधानसभा अरविंद शर्मा का कहना है कि विभाग यदि काम नहीं कर पाते तो उन्हें कारण बताना होता है। सभी याचिकाओं पर कार्रवाई जारी है।

कांग्रेस और भाजपा विधायकों के अपने-अपने तर्क

विधानसभा में लगाई जा रही याचिकाओं के संदर्भ में भाजपा और कांग्रेस विधायकों के अपने-अपने तर्क हैं। निवाड़ी के पृथ्वीपुर से कांग्रेस विधायक नितेन्द्र सिंह राठौर ने कहा, अभी तक जितनी याचिकाएं लगाई हैं उनमें से केवल 20 प्रतिशत पर ही काम हुआ है और 80 प्रतिशत पेंडिंग हैं।

पीडब्ल्यूडी में इंजीनियर-ठेकेदार नियमो की कर रहे अनदेखी

- 10 फीसदी नीचे गए टेंडर तो मंजूरी अनिवार्य

भोपाल। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधीन सरकारी कार्यालय और आवास में रखरखाव मरम्मत के कार्य करना है। इसके साथ ही ग्रामीण सडक़ों का निर्माण, रेस्ट हाउस सर्किट हाउस के देखरेख आदि कई कार्य इनके जिम्मे रहते हैं लेकिन पूरे प्रदेश में ठेकेदार और इंजीनियरों का गठजोड़ ऐसा है कि यह नियमों को दर किनार ही कर देते है इन्हीं मनमानियों पर अंकुश के लिए 9 महीने पहले आदेश जारी हुआ था कि 10 फीसदी से नीचे दर पर टेंडर मंजूर होने पर अधीक्षण यंत्री से मंजूरी ली जाए लेकिन ऐसा क्रियान्वयन होता नजर नहीं आ रहा। प्रदेशभर में सरकारी टेंडर के लिए एसओआर (शेड्यूल का रेट) निश्चित रहता है ईसी से कार्य की क्षमता और उसके स्वरूप अनुसार निजी ठेकेदार टेंडर प्रक्रिया में अपने रेट डालते हैं। नगर निगम, प्राधिकरण और अन्य संस्थाओं में एसओआर से 5 से 7 फीसदी नीचे टेंडर खुलते है कुछ टेंडर तो एस ओ आर से पल्स में भी जाते है लेकिन पीडब्ल्यूडी ऐसा विभाग है जहां तय राशि से 60 से 70 फ़ीसदी नीचे तक टेंडर ठेकेदार लगा देते हैं और इन्हें मंजूरी भी मिल जाती है इन्हीं घटनाक्रम को रोकने के लिए 14 फरवरी 2025 को उपसचिव ए आर सिंह ने आदेश जारी किया गया था कि उसकी 10 फीसदी से नीचे जो भी टेंडर खुलेगा इसकी मंजूरी अधीक्षण यंत्री से लेना अनिवार्य है और इसकी जानकारी शासन को देना होगी लेकिन इस नियम का पालन होता को नजर नहीं आ रहा।

पीएसी में बड़ी कोताही... जांच से आएगी बड़ी और गंभीर लापरवाहियां सामने

पीडब्ल्यूडी विभाग में प्रोबेबल अमाउंट कॉन्ट्रेक्ट (पीएसी) कार्य की अनुमानित लागत के नियमों को लेकर बड़ी अनियमितताएं हो रही है इसमें जो टेंडर 40, 50 और 60 की फिसदी तक नीचे कम दरों पर डाले जाते हैं और उनके वर्क आर्डर भी इसी क्रम में जारी होते हैं ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए पिएसी का हवाला देकर ज्यादातर कार्यपालन यंत्री ही कार्य की लागत को बिना बढ़ाते हुए शेड्यूल का रेट तक का पेमेंट कर देते हैं कभी-कभी तो इससे ज्यादा भी पेमेंट किया जाता है। कुछ एक मामलों में अधीक्षण यंत्री की टेबल तक पहुंचाते हैं लेकिन इसकी विधिवत जानकारी शासन को नहीं भेजी जा रही।जबकि अगर ठेकेदार ने 70 फ़ीसदी कम दर पर टेंडर लिया है तो उसे पीसीए की राशि का ढाई गुना ज्यादा कार्य करके देना होता है।

ई-टोकन व्यवस्था से किसानों को बिना लाइन के मिली खाद

- विदिशा जिले में सफल रही 'आधार' आधारित प्रणाली, फर्जीवाड़ा भी रुका

भोपाल। प्रदेश में जहां एक ओर खाद के लिए किसानों की लाइनें लगी रहीं। कई दिनों के संघर्ष के बाद भी किसानों को खाद नहीं मिली। कुछ जिलों में खाद के लिए किसानों को लाठी भी झेलनी पड़ी, लेकिन विदिशा जिले में खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था से बिना लाइन के ही खाद का वितरण हो गया। खाद बात यह रही कि किसी भी वितरण केंद्र पर किसानों को लंबी-लंबी लाइन नहीं लगी। दरअसल, विदिशा जिले को खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था के लिए प्रायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना गया था। जिले में यह व्यवस्था सफल रही है। विदिशा में खाद वितरण की ई-टोकन व्यवस्था 6 अक्टूबर 2025 को प्रारंभ की गई थी। इस व्यवस्था के अंतर्गत किसानों को उनकी फार्मर आईडी जो कि आधार आधारित है, के जरिए खाद का वितरण किया गया। किसान बिना लाइन में लगे अपनी पात्रता अनुसार करीबी खाद वितरण केंद्र से खाद खरीदकर ले गए। खास बात यह है कि विदिशा जिले में ई-टोकन व्यवस्था से 72491 टोकन किसानों को दिए गए। जिनमें से 59979 टोकन वाले किसानों को खाद आसानी से मिल गई है। जिले में पिछले 1 माह में डीएपी 11657 मीट्रिक टन में से 7676 मीट्रिक टन ई-टोकन से वितरित किया गया है।

भारतीय टीम ने चौथे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया

गोल्ड कोस्ट। भारतीय क्रिकेट टीम ने चौथे टी20 मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल की है। इस मैच में भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 168 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए मेजबान टीम 18.2 ओवर में 119 रन ही बना पायी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल मार्श ने सबसे अधिक 30 रन बनाए जबकि मैथ्यू शॉर्ट 25 रन बनाकर आउट हुए। मार्कस स्टोइनिस ने 17 रन जबकि टिम डेविड ने 14 रन बनाये। भारतीय टीम की कोर से वॉशिंगटन सुंदर ने 3 विकेट लिए जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने 2-2 विकेट लिए। वहीं अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को एक एक विकेट मिला। इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। वहीं अंतिम मैच 8 नवंबर को गाबा मैदान में खेला जाएगा। अब देखना है कि भारतीय टीम उसे जीतकर सीरीज अपने नाम कर पाती है या नहीं। बहरहाल सीरीज हारने का खतरा अब समाप्त हो गया है। इससे पहले शुभमन गिल के 46 रनों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 167 रन बनाए। इस मैच में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज। अभिषेक शर्मा और शुभमन ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन बनाये। अभिषेक 28 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शुभमन ने स्कोर आगे बढ़ाया। शुभमन ने अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो छक्के लगाकर 20 रन बनाये। वहीं शिवम दुबे ने 18 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की सहायता से 22 रन बनाए। वहीं अंत में अक्षर पटेल ने तेजी से खेलते हुए 11 गेंदों में एक छक्का और एक चौका लकाकर 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस और एडम ज़म्पा ने तीन-तीन विकेट लिए। इस मैच में मेजबान टीम ने चार बदलाव करते हुए स्पिनर जम्पा, ऑलराउंडर मैक्सवेल, फिलिप और ड्वार्शियस को शामिल किया। वहीं भारतीय टीम ने कोई बदलाव नहीं किया।

अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा - आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अभी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा। अभी तक जिस प्रकार से 50-50 ओवर का गेम अंडर 19 विश्व कप में होता आया है वही आगे भी चलेगा। वहीं इससे पहले एसोसिएट सदस्यों ने इसे टी20 प्रारुप का करने की मांग की थी पर आईसीसी ने उसे खारिज कर दिया है। आईसीसी की चीफ एग्जीक्यूटिव कमिटी (सीईसी) ने कहा कि अभी किसी बदलाव की जरुरत नहीं है।

दुबई में आईसीसी की बैठक में ये फैसला हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यकारी समिति ने यह फैसला किया कि अंडर-19 विश्व कप एकदिवसीय प्रारूप में ही खेला जाएगा। वहीं सहयोगी सदस्यों की ओर से यह मांग की गई थी कि जूनियर विश्व कप महिला वर्ग की तरह ही टी20 प्रारूप में खेला जाए पर सीईसी इस पर सहमत नहीं हुई।

अंडर 19 विश्व कप को लेकर आईसीसी के पूर्ण सदस्य यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में थे। टूर्नामेंट के पिछले 18 संस्करण 50 ओवरों के रहे हैं और 19वां ??संस्करण अगले साल नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा, जो एकदिवसीय प्रारुप में ही होगा। एसोसिएट सदस्यों के साथ समस्या ये है कि उनके पास खिलाड़ियों का पूल नहीं होता है और सुविधाएं भी उतनी बेहतर नहीं हैं। इसके अलावा एकदिवसीय क्रिकेट में समय भी ज्यादा लगता है। शायद इसी से बचने के लिए कई सदस्य देश टी20 प्रारुप की मांग कर रहे थे, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलीं विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट की खिलाड़ी

नई दिल्ली। विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। भारतीय टीम इस मुलाकात के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंची थी। राष्ट्रपति ने टीम से मुलाकात कर अच्छे प्रदर्शन और खिताबी जीत के लिए बधाई दी। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति को खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली एक जर्सी भी भेंट की। हरमनप्रीत ने विश्व कप ट्रॉफी के साथ राष्ट्रपति के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। इसके बाद पूरी टीम ने भी राष्ट्रपति के साथ तस्वीरें खिंचवाई। राष्ट्रपति ने टीम को बधाई दी और कहा कि उन्होंने इतिहास रच दिया है और युवा पीढ़ी के लिए आदर्श बन गई हैं। साथ ही कहा कि यह टीम भारत का प्रतिबिंब है। वे विभिन्न क्षेत्रों, विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों और विभिन्न परिस्थितियों का

प्रतिनिधित्व करती हैं पर एक एक टीम हैं।

इससे पहले बुधवार को टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री ने भी टीम को ऐतिहासिक जीत पर बधाई देते हुए खिलाड़ियों के साथ एक लंबी बातचीत की थी। वहीं साल 2005 और 2017 में भी भारतीय टीम विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन दोनों ही बार हार का सामना करना पड़ा था। मगर, इस बार टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर ट्रॉफी जीत ली।

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ सीरीज के लिए विराट और रोहित को नहीं मिली भारत ए टीम में जगह

मुम्बई। अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल नहीं किया गया है। इस सीरीज के लिए भारत ए टीम की कप्तानी तिलक वर्मा जबकि उपकप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को दी गयी है। टीम में अधिकतर युवाओं को ही जगह दी गयी है।

इस सीरीज के तीनों मैच राजकोट में 13 नवंबर, 16 नवंबर और 19 नवंबर को खेले जाएंगे। रोहित और विराट को इस सीरीज में अवसर नहीं दिये जाने से दोनो को ही झटका लगा है कयोंकि इससे इनके पास अभ्यास का अच्छा अवसर था। वैसे भी अब ये दोनो एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं।

रोहित और कोहली दोनों ने ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से से संन्यास ले लिया है। दोनों अब सिर्फ ओडीआई ही खेल रहे हैं।

दोनों को किस कारण से टीम में शामिल नहीं किया गया, ये स्पष्ट नहीं है। ये भी हो सकता है कि दोनों दिग्गज स्वयं ही भारत ए की तरफ से खेलने के इच्छुक न रहें हों। ये भी हो सकता है कि टीम प्रबंधन इन दोनों दिग्गजों के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हो कि ये बिना अभ्यास के भी रन बना सकते हैं इसलिए युवाओं और नई प्रतिभाओं को ही अवसर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे रोहित ने लंबे ब्रेक के बाद भी शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं सीरीज के शुरुआती दोनों मैचों में विराट कोहली खाता तक नहीं खोल पाए थे पर अंतिम मैच में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। तीसरे एकदिवसीय में विराट और रोहत ने शानदार साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी थी।

भारत ए टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन (विकेटकीपर), आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुथार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

हरमनप्रीत अब कप्तानी की जिम्मेदारी मंधाना को सौंपे - शांता रंगास्वामी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा है कि विश्वकप जीतने के बाद अब हरमनप्रीत कौर को कप्तानी छोड़ देनी चाहिये। शांता ने कहा कि हरमनप्रीत को अब कप्तानी स्मृति मंधाना को दे देनी चाहिये।

इस पूर्व कप्तान का मानना है कि हरमनप्रीत 36 साल की हो गयी हैं और ऐसे में भविष्य की योजनाओं को देखते हुए उन्हें मंधाना को कप्तानी दे देनी चाहिये। शांता ने कहा कि यही बदलाव का समय है। इसी में भारतीय क्रिकेट की भलाई छिपी है। कप्तानी छोड़ने से हरमनप्रीत अपनी बल्लेबाजी पर भी पूरा ध्यान दे पायेंगी। इससे वह टीम के लिए मूल्यवान खिलाड़ियों में बनी रहेंगी।

रंगास्वामी ने कहा, 'कप्तानी मे बदलाव पहले ही हो जाना चाहिए था क्योंकि हरमन बतौर बल्लेबाज और क्षेत्ररक्षक काफी अच्छी पर रणनीतिक तौर पर वह कभी-कभी लड़खड़ा सकती हैं। मुझे लगता है कि वह कप्तानी के बोझ से मुक्ता होकर और अधिक योगदान दे सकती हैं।' शांता ने कहा कि उन्हें फैसला भारतीय क्रिकेट के भविष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। अगला विश्वकप साल 2029 में जबकि टी20 विश्व कप अगले साल इंग्लैंड में खेला जाना है। उन्होंने कहा कि मंधाना हर प्रारुप में कप्तानी संभालने में सक्षम हैं।

रंगास्वामी ने ये भी माना है कि विश्वकप जीत के बाद कप्तानी में बदलाव की बात पर लोग अधिक ध्यान नहीं देंगे पर ये फैसला भारतीय क्रिकेट के हित में ही होगा। मुझे लगता है कि हरमनप्रीत कप्तानी से मुक्त होने के बाद अधिक योगदान दे सकती हैं।' रंगास्वामी ने साथ ही कहा, वह अब भी 3 से 4 साल खेल सकती हैं। अगर वह कप्तान नहीं रहेंगी तभी इतना अधिक खेल पायेंगी।

जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स को नशे की लत भारी पड़ी, टीम से भी बाहर हुए

हरारे। जिम्बाब्वे के दिग्गज क्रिकेटर सीन विलियम्स को नशे की लत के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। जिम्बाब्वे की ओर से 273 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले सीन विलियम्स के नाम पर अब जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड (जेडसी) विचार नहीं करेगा। इसके साथ ही उनका केन्द्रीय अनुबंध भी रिन्यू नहीं होगा। वहीं जेडसी ने कहा कि वह नशे की लत से जूझ रहे हैं। 39 वर्षीय सीन विलियम्स ने 20 साल से ज्यादा के अंतरराष्ट्रीय करियर में जिम्बाब्वे के लिए सभी प्रारूपों में 273 मैच खेले हैं पर जिम्बाब्वे क्रिकेट ने पुष्टि की है कि उनका अनुबंध 2025 के बाद आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। विलियम्स ने हाल ही में पुरुष टी20 विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर से पहले निजी कारणों से टीम से नाम वापस ले लिया था। बोर्ड ने कहा कि जब उन्होंने उनकी अनुपलब्धता का कारण जानने के लिए एक आंतरिक जांच की थी तो विलियम्स ने बोर्ड को बताया कि वह नशीली दवाओं की आदत से परिशान हैं और पुनर्वास केंद्र में भर्ती हुए हैं।

गौरतलब है कि साल 2005 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही विलियम्स ने जिम्बाब्वे के लिए सभी प्रारूपों में 8000 से अधिक रन बनाए हैं। एकदिवसीय में उन्होंने 37.53 की औसत से 5217 रन बनाए, जिसमें आठ शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं।

युवा सपने देखना बंद न करें, पूरे करने का प्रयास करें - हरमनप्रीत

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि युवाओं को सपने देखना बंद नहीं करते हुए उन्हें पूरे करने का प्रयास करना चाहिये। विश्वकप में भारतीय टीम की जीत से उत्साहित हरमनप्रीत ने कहा कि उन्होंने सपने देखना कभी नहीं छोड़ा इसी कारण वह भारतीय टीम को पहला महिला विश्व कप खिताब जिताने में सफल रहीं। हरमनप्रीत ने युवाओं से कहा, "सपने देखना कभी बंद मत करो। आप कभी नहीं जानते कि आपका भाग्य आपको कहां ले जाएगा।" हरमनप्रीत ने कहा, "जब से मैंने बचपन में अपनी पसंद-नापसंद का अंदाज़ा लगाना शुरू किया है, तब से मेरे हाथ में हमेशा बल्ला रहता है। मुझे आज भी याद है कि हम अपने पिताजी के किट बैग से एक बल्ला लेकर खेला करते थे। वह बल्ला बहुत बड़ा था।" उन्होंने आगे कहा, "एक दिन मेरे पिताजी ने मेरे लिए अपना एक पुराना बल्ला काटकर छोटा कर दिया। हम उससे खेला करते थे। जब भी हम टीवी पर मैच देखते थे, भारत को खेलते हुए देखते थे या विश्व कप देखते थे, तो मैं सोचती थी कि मुझे भी ऐसे ही मौके की जरूरत है। उस समय मुझे महिला क्रिकेट के बारे में पता भी नहीं था।" बचपन से शुरू हुआ यह सफर विश्व कप ट्रॉफी उठाने तक पहुंचा हालांकि इस बीच उन्हें मुश्किल दौर से भी गुजरना पड़ा।

हरमनप्रीत ने साथ ही कहा, "मैं सपना देख रही थी कि मैं यह नीली जर्सी कब पहनूंगी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक युवा लड़की जो महिला क्रिकेट के बारे में नहीं जानती थी, लेकिन फिर भी एक दिन अपने देश में बदलाव लाने का सपना देख रही थी। इससे हमें सीख मिलती है कि आपको सपने देखना कभी नहीं छोड़ना चाहिए। आप कभी नहीं जानते कि आपका भाग्य आपको कहां ले जाएगा। आप कभी नहीं सोचते, यह कब होगा, यह कैसे होगा। आप केवल यही सोचते हैं, यह होगा। मुझे विश्वास था कि ऐसा हो सकता है और आखिर में वैसा ही हुआ।"

इस खिलाड़ी ने कहा कि बचपन का सपना पूरा होने के बाद वह राहत और खुशी महसूस कर रही हैं। हरमनप्रीत ने कहा,"व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए यह बहुत भावुक क्षण है क्योंकि बचपन से ही यह मेरा सपना था। जब से मैंने खेलना शुरू किया तो एक दिन विश्व कप जीतना मेरा सपना था। अगर मुझे अपनी टीम का नेतृत्व करने का मौका मिलता है तो मैं यह मौका नहीं गंवाना चाहती।" उन्होंने कहा, " मैंने ये सारी बातें अपने दिल की गहराइयों से कहीं और भगवान ने एक-एक करके सब कुछ सुन लिया। यह जादू जैसा है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि अचानक सब कुछ कैसे ठीक हो गया। अब हम विश्व चैंपियन हैं। मैं बहुत निश्चिंत महसूस कर रही हूं। मैं ईश्वर की आभारी हूं जिन्होंने हमें यह पल दिया जिसका हम वर्षों से सपना देख रहे थे।"

आईपीएल 2026 सत्र में क्लासेन को रिलीज कर सकती है सनराइजर्स

चेन्नई। आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद अब आईपीएल के 2026 सत्र में हेनरिक क्लासेन सहित कुछ ऐसे क्रिकेटरों को रिलीज करेगी। जिनकों मोटी रकम देकर रखा गया था। क्लासेन को सनराइज़र्स हैदराबाद ने पिछले साल पूरे 23 करोड़ रुपए में रिटेन कर सबको हैरान कर दिया था। अब 2026 सत्र की तैयारी में लगी सनराइजर्स क्लासेन जैसे स्टार खिलाड़ियों को बाहर कर उनकी जगह अच्छा प्रदर्शन कर रहे युवा खिलाड़ियों को शामिल करेगी। क्लासेन को बाहर करने से टीम के करीब 23 करोड़ रुपये बचेंगे।

इस पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी को आईपीएल 2025 से पहले 23 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर रिटेन किया गया था, जिससे वह सबसे महंगे रिटेन खिलाड़ी बन गए थे। क्लासेन ने पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था पर टीम इसके बाद भी उनको रखने के मूड में नहीं है। उनको बाहर करने से 23 करोड़ बचेंगे और ये रकम नीलामी राशि में जुड़ जाएगी।

वहीं कई पूर्व दिग्गजों का मानना है कि अगर टीम आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले क्लासेन को रिलीज़ करने का फैसला करती है, तो यह एक अच्छा कदम होगा। इससे टीम के पास बची हुई रकम से बेहतर गेंदबाज शामिल करने का अवसर रहेगा। इसके अलावा टीम मध्यक्रम के लिए बल्लेबाज भी रख पायेगी।

नीलामी में 23 करोड़ रुपये ज़्यादा लेकर जाने से उन्हें ज़रूरी कमियों को पूरा करने का एक अच्छा मौका मिलता है। टीम के लिए एक अच्छा गेंदबाज़ी आक्रमण तैयार करना और अपने मध्यक्रम को बेहतर करना फायदेमंद रहेगा। इसके अलावा वह क्लासेन को कम कीमत में भी खरीद सकती है। इस क्रिकेटर ने हर सत्र में टीम की ओर से 400 से अधिक रन बनाये हैं।

ईडी ने रैना और शिखर की 11.14 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों के कारण पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्तियां अस्थायी रूप से जब?त कर ली हैं। इनमें रैना के 6.64 करोड़ के म्यूचुअल फंड निवेश और धवन की 4.5 करोड़ की अचल संपत्ति शामिल हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून (पीएलएलए) 2002 के तहत की गई है।

ये मामला कई राज्यों की पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के बाद उठा था। जिनमें एक अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म और उसके सहयोगी ब्रांड्स के खिलाफ धोखाधड़ी, अवैध लेनदेन और ऑनलाइन जुए को बढ़ावा देने के आरोप थे। इन एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जब जांच शुरू की तो शुरुआती जांच में ही करोड़ों रुपये के संदिग्ध ट्रांजैक्शन और विदेशी खातों से जुड़े दस्तावेज मिले.

ईडी की जांच में सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म बिना किसी वैध अनुमति के

ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का कारोबार कर रहे थे। यह प्लेटफॉर्म सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो और समाचार पोर्टलों पर सोरोगेट विज्ञापन दिखाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते थे। रकम एकत्र करने के लिए हजारों म्यूल अकाउंट्स बनाए गए, जिनमें देशभर के लोगों के नाम पर पैसे जमा किए जाते थे। इन खातों के जरिये रकम विभिन्न पेमेंट गेटवे के माध्यम से विदेशी खातों तक पहुंचाई जाती थी जिससे पैसा कहां से आया ये छुपाया जा सके।

ईडी की जांच में पता चला कि दोनों खिलाड़ियों ने विदेशी कंपनियों के साथ करार किये थे। जो सीधे या परोक्ष रूप से अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म और उसकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े थे। इन डील्स के बदले खिलाड़ियों को जो भुगतान किया गया, वह विदेश से किया गया जिससे कि ये लगे कि उन्हें प्रमोशन के लिए रकम मिली है पर ईडी के अनुसार ये रकम दरअसल अवैध सट्टेबाजी से कमाए गए पैसे से जुड़ी थी। इससे यह साबित हुआ कि खिलाड़ियों ने ऐसे प्रमोशन में भाग लिया जो मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में आते हैं.

इसी को देखते हुए ईडी ने चार पेमेंट गेटवे पर छापे मारकर 4 करोड़ रुपये से अधिक की राशि फ्रीज की है और 60 से ज्यादा बैंक खातों को सील कर दिया। है. जांच में अब तक 1000 करोड़ रुपये की रकम सामने आई है। ईडी के अनुसार अभी कई और हस्तियां भी जांच के दाये में आ सकती हैं। ईडी ने जनता को आगाह किया है कि वे किसी भी तरह की ऑनलाइन सट्टेबाजी, संदिग्ध लिंक या स्कीमों से दूर रहें।

त्वचा कैंसर से पीड़ित क्लार्क बोले, नियमित रुप से जांच करायें सभी लोग

अब तब मेरे चेहरे पर सात जगह सर्जरी हुई

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर कप्तान माइकल क्लार्क आजकल त्वचा के कैंसर से पीड़ित हैं। क्लार्क ने बीमारी के दर्द को बताते हुए कहा कि उनके चेहरे से अब तक 7 जगह सर्जरी से कैंसर कारक बेसल सेल्स निकाले गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ साल में इलाज के दौरान उनके चेहरे और शरीर से कई मेलानोमा और अन्य प्रकार के कैंसर हटाए गये हैं। क्लार्क को पहली बार 2006 में त्वचा कैंसर का पता चला था और तभी से वह नियमित रूप से अपने विशेषज्ञ से मिलते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा करते हुए लोगों को अपनी त्वचा की जांच कराने की सलाह दी, जिससे कि इस बीमारी का पता समय से पहले ही लग जाये।

क्लार्क ने एक शो में कहा कि उन्होंने हाल ही में अपनी नाक से एक और कैंसरयुक्त घाव हटवाया है। उन्होंने कहा, लगभग चार सप्ताह पहले मेरी नाक से एक निकाला गया था, और मैं हर छह महीने में अपने त्वचा रोग विशेषज्ञ से मिलता हूं। अब तक मेरे चेहरे पर सात से अधिक जगहों पर सर्जरी हुई है। क्लार्क के मुताबिक, वह नियमित रूप से सनस्पॉट को फ्रीज करवाते हैं और किसी भी बेसल सेल्स को तुरंत कटवा देते हैं जिससे कि बीमारी आगे न फैले।

पिछले साल क्लार्क ने अपनी नाक की सर्जरी के बाद की तस्वीर साझा की थी। उन्होंने लिखा, आज मेरी नाक से एक और निकाला गया। यह सबको याद दिलाने के लिए है कि अपनी त्वचा की जांच करवाएं। रोकथाम इलाज से बेहतर है, लेकिन जल्दी पहचान भी उतनी ही ज़रूरी है। उन्होंने अपने डॉक्टर का आभार जताया कि उन्होंने कैंसर को शुरुआती चरण में ही पकड़ लिया। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई और कई लोगों ने उनकी ईमानदारी की सराहना की।

क्लार्क ने बताया कि उनकी बीमारी का बसे बड़ा कारण क्रिकेट के दौरान धूप में बिताए गए लंबे घंटे हैं। उन्होंने कहा, सोचिए भारत या ऑस्ट्रेलिया में पूरे दिन फील्डिंग करना, आठ घंटे तक तेज धूप में रहना। हम अक्सर बैगी ग्रीन कैप पहनते थे, जिससे चेहरे और कानों पर सीधी धूप पड़ती थी। छोटी आस्तीन वाली शर्ट पहनने से बाहों पर भी असर होता था।

सर्तकता और जागरूकता से करे कार्य- सीईओ जोशी

कोर बैंकिंग, जीएसटी, इन्कम टैक्स, टीडीएस पर जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बालाघाट मुख्यालय में 5 नवंबर को जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यशाला में कोर बैंकिंग, जीएसटी, इन्कम टैक्स, टीडीएस सहित अन्य विषयों पर सर्वप्रथम नितिन दुबे टी.सी.एस. भोपाल द्वारा शाखा प्रबंधको, लिपिक एवं शाखा के डाटा ऑपरेटरों को कोर बैंकिंग में आ रही कठिनाईयों के समाधान को लेकर आवश्यक जानकारी दी गई।

इस दौरान शाखा प्रबंधको द्वारा कोर बैंकिंग में आ रही कठिनाईयों के संबंध में प्रश्न किया गया। जिस पर श्री दुबे ने बताया कि खाताधारको के केवायसी पूर्ण रूप से भरे यदि केवायसी पूर्ण नही की जाती है तो बैंकिंग कार्य में कठिनाईयां आना संभव है। ए.टी.एम. में आने वाली व्यवहारिक परेशानियो का निराकरण कैसे किया जाता है इस संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी गई। इसके अलावा खाताधारको के सीआईएफ, एफ.डी., आर.डी., सेविंग, करेंट खातों को किस प्रकार ऑपरेट किया जाना चाहिए इस संबंध में भी बारिकी से बताया गया। शाखा प्रबंधक मुख्य शाखा बालाघाट, परसवाड़ा, तिरोड़ी, कटंगी, साडरा, किरनापुर सहित अन्य शाखा प्रबंधको द्वारा टीडीएस, चैक और एसएमएस अलर्ट, पेन कार्ड को लेकर आ रही कठिनाईयों से अवगत कराया गया। जिस पर श्री दुबे ने इन विषयों को लेकर विस्तार से समाधान के संबंध में बताया।

इस दौरान बैंक सीईओ पी. जोशी ने कहा कि सभी शाखा के कर्मचारियों को सर्तकता और जागरूकता के साथ सावधानीपूर्वक बैंकिंग कार्य करने की आवश्यकता है। किसी भी स्तर पर कोर बैंकिंग में यदि असावधानी बरती जाती है तो परिणाम नकारात्मक होता है। इसलिए आवश्यक है कि आरबीआई, नाबार्ड, अपेक्स बैंक, बैंक मुख्यालय के द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्य करें। श्री जोशी ने बैंकिंग कार्य अंतर्गत पैक्स कम्प्यूराईजेशन ईआरपी में बाउचर प्रविष्टि, पोस्टींग, ई-पेक्स, धान उपार्जन, ऋण प्रविष्टि, ऋण वसूली, मध्यमकालीन ऋण वितरण और वसूली, उपार्जन अंतर्गत आधार लिंकिंग, डिमांड नोटिस तामिली, प्रोत्साहन राशि सहित अन्य विषयों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जिला स्तरीय कार्यशाला में उपस्थित हुए रविन्द्र वैद्य सनदी लेखापाल बालाघाट द्वारा जी.एस.टी.,इन्कम टैक्स और टी.डी.एस. जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यक जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में शीर्ष स्तर से जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप जी.एस.टी, इन्कम टैक्स और टी.डी.एस. बैंक कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका में है जिसका पालन करना बैंककर्मीयों को निमयानुसार करना महत्वपूर्ण हो गया है। इस दौरान उपस्थित बैंक कर्मचारियों द्वारा प्रश्न भी किया गया जिस पर श्री वैद्य ने इसकी महत्ता और बैंक कार्य में इसकी भूमिका के संबंध में आवश्यक जानकारी से अवगत कराया गया। इस अवसर पर एम.एल. यादव, श्रीमती सीमा दुबे,सतीश कोरी, आशीष मिश्रा, प्रकाश साहू, श्रीमती लता गौतम, जयकुमार नंदनवार, मुकेश ठाकरे, राजेश दुबे, ऋषि बिसेन, दिलीप रामटेके, अनिरूद्ध वागदे, दिपक देशमुख, सुनील राहंगडाले, ऋषि हरिनखेड़े, दीनदयाल ठाकरे, आर.आर. भूरे, मोरेश्वर फुण्डे, शाखाओ के डाटा ऑपरेटर एवं मुख्यालय के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

13 दिसम्बर नेशनल लोक अदालत को लेकर अधिकारियों की हुई बैठक

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 13 दिसम्बर 2025 (शनिवार) को जिला न्यायालयों/तालुका न्यायालयों, श्रम न्यायालयों, कुटुम्ब न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसमें न्यायालयीन लंबित दीवानी एवं आपराधिक शमनीय मामलों एवं बैंक, विद्युत, श्रम, जलकर, संपत्तिकर आदि प्री-लिटिगेषन प्रकरणों सहित सभी प्रकार के मामले निराकरण के लिए रखे जायेगें।

नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन की दृष्टि से 06 नवम्बर को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीष शर्मा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे द्वारा समस्त बैंक अधिकारियों की बैठक ली गई। बैठक में बैंकों से संबंधित प्रकरणों के संबध में चर्चा की गई। साथ ही समस्त बैंकों के अधिकारियों से अनुरोध किया गया कि अपनी बैंक से संबंधित प्रिलिटिगेशन प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में राजीनामा के माध्यम से निराकरण के लिए प्रस्तुत करें। बैठक में यूको बैंक से श्री ब्रजेश मोहन सुर्यवंशी, बैंक ऑफ इण्डिया बालाघाट से श्री शिवानी दूबे, मप्र ग्रामीण बैंक बुढ़ी से लीलाधर सुलाखे, आईडीबीआई बैंक से निखिल सुरेश महाजन, बैंक ऑफ महाराष्ट्र से राहुल कोमलकर, इंडियन ओवरसीज बैंक से सुजीत मरकाम आदि उपस्थित रहे।

बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओ को गणना पत्रक का कर रहे है वितरण

1675 बीएलओ घर-घर जाकर करेंगे 13 लाख से अधिक मतदाताओं से सम्पर्क

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 01 जनवरी 2026 के आधार पर निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य बालाघाट जिले में भी प्रारंभ कर दिया गया है। जिले के सभी 1675 बीएलओ को गणना पत्रक का वितरण कर दिया गया है और वे 04 नवम्बर से घर-घर जाकर मतदाताओ से गणना पत्रक भरवा रहे है। गणना पत्रक भरने और जमा करने का कार्य 04 दिसम्बर 2025 तक किया जाएगा।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जिले के 1675 बीएलओ 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं के घर-घर जाकर उनसे गणना पत्रक भरवाएंगे। इस दौरान मृत, स्थानांतरित, डुप्लीकेट व अपात्र मतदाता हटाने का काम किया जायेगा। साथ ही नए पात्र मतदाता जोड़े जायेंगे।

बीएलओ घर-घर जाकर विशिष्ट गणना पत्रक (ईएफएस) प्रपत्र वितरित करेंगे। साथ ही मतदाता का अपना नाम या अपने परिजन का नाम पिछले एसआईआर (वर्ष 2002-2004) की मतदाता सूची के मिलान व लिंक करने में मदद करेंगे। गणना पत्रक भरने के लिये मतदाता को कोई भी दस्तावेज जमा नहीं करना है। सभी मतदाता अपना नवीनतम पासपोर्ट साईज का रंगीन फोटोग्राफ अवश्य बनवा लें। ताकि बीएलओ द्वारा प्रदाय प्रपत्र में नया फोटो चिपकाया जा सकें।

नारी मंच परिवार का दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिले की सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था नारी मंच द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन स्थानीय आईटीआई में किया गया।कार्यक्रम के शुभारंभ में श्रीमती निर्मला त्रिपाठी ने शांति एवं शुभता की कामना से स्वस्ति वाचन किया गया।उसके पश्चात मंचीय औपचारिकता के तहत मंच पर आसीन श्रीमती चंदा जायसवाल, वरिष्ठ सदस्य, श्रीमती शांता तिवारी, अध्यक्ष, नारी मंच, श्रीमती सरला माहुले, कोषाध्यक्ष का स्वागत किया गया। फिर आरम्भ हुआ, प्रतियोगिताओं का दौर जिसमें प्रथम प्रतियोगिता ब्रेन एंड ब्यूटी के तहत श्रीमती रानी दीक्षित द्वारा देश, प्रदेश से संबंधित कुछ तत्कालीन घटनाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी पर महिलाओं ने भाग लिया, जिसमें सफलता हासिल हुई प्रथम पायदान पर श्रीमती सीमा शुक्ला, द्वितीय पायदान निर्मला दीक्षित एवं तृतीय पायदान पर निर्मला त्रिपाठी पर रही।हल्की शारीरिक मशक्कत वाले खेल चप्पल ढूंढो प्रतियोगिता में तीन बहनों ने सफलता हासिल की जिसमें एक बार पुन: तीसरे नंबर पर रही निर्मला त्रिपाठी दूसरे नंबर पर शशि पुरोहित और प्रथम स्थान प्राप्त किया शांता तिवारी, अध्यक्ष, नारी मंच ने । इसी तरह तीसरी प्रतियोगिता कुर्सी दौड़ में जिन बहनों ने सफलता अर्जित की उनमें प्रथम स्थान सरला माहुले, दूसरे स्थान पर सुषमा नाविक और तीसरे स्थान पर रानी दीक्षित ने सफलता प्राप्त की।कार्यक्रम में नारी मंच की सदस्य श्रीमती संध्या रानी मिश्रा ने वरिष्ठ मात्र शक्तियों श्रीमती शांता तिवारी, श्रीमती निर्मला त्रिपाठी, श्रीमती सरला माहुले को साड़ी भेंट की और श्रीमती शशि तिवारी सेवानिवृत शिक्षिका का शॉल से अभिनंदन किया। कार्यक्रम में श्रीमती कमल दीक्षित, श्रीमती रानी दीक्षित और श्रीमती लीना गुप्ता ने बहुत ही मधुर स्वर में पुराने गीत, ग़ज़ल और भजन की प्रस्तुति की। नारी मंच की अध्यक्ष श्रीमती शांता तिवारी द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कार भेंट किए गए, एक विशेष पुरस्कार श्रीमती चंदा जायसवाल को प्रदान किया गया।संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन सुषमा नाविक ने किया। श्रीमती मीना चावड़ा ने खेल गतिविधियां संचालित की।शुभ्रा श्रीवास्तव ने पुरस्कारों व स्वल्पाहार की व्यवस्था संभाली। ऋतु रायजादा को फोटो व वीडियोग्राफी की जिम्मेदारी दी गई थी। सभी बहनों ने अपने दायित्वों का निर्वहन बखूबी किया। संस्था अध्यक्ष ने सभी की सराहना की।कार्यक्रम के अंत में नारी मंच की संरक्षक स्वर्गीय श्रीमती विद्या देवी अग्रवाल और सदस्य श्रीमती मधु वर्मा जी को दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत परसवाड़ा विधानसभा चयन स्पर्धा का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत 06 नवम्बर को परसवाड़ा विधानसभा चयन स्पर्धा का आयोजन मुलना स्टेडियम खेल और युवा कल्याण विभाग के बैडमिंटन हॉल, परिसर एवं जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र में किया गया, जिसमें बैडमिंटन शतरंज एवं कराते खेलो का आयोजन किया गया। सांसद श्रीमती भारती पारधी के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ परसवाड़ा विधानसभा प्रभारी तपन राजा चौधरी एवं खेल चयन स्पर्धा श्री जिला खेल अधिकारी अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में किया गया। खेल प्रशिक्षक सचिंद्र कृष्णन ने बताया कि इस खेल आयोजन में शतरंज में बालक वर्ग में प्रथम देवेंद्र दमाहे एवं बालिका वर्ग में प्रथम मोनाली बिसेन रहीं। इसी तरह बैडमिंटन में अर्पित मारसवोलै, अमन परते, अभिषेक खरे, सत्यम पांडे, सूर्यकांत सय्याम एवं बालिका वर्ग में हर्षा वाडिवा, मानसी बिसेन एवं गरिमा बिसेन ने स्थान पाया। इसके साथ ही कराते में बालक वर्ग में लक्की डोमेन, अंश खोबरागड़े एवं बालिका वर्ग में पल्लवी लिल्हारे, स्वाति पटले, अंजलि गोंदुडे एवं तमन्ना कुथे ने इन सभी प्रतियोगियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान बताया गया कि आगामी परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र सांसद खेल महोत्सव की चयन स्पर्धा 8 नवंबर को परसवाड़ा आदिवासी छात्रावास मैदान में कबड्डी, वालीबाल, रस्साकसी एवं महाविद्यालय परसवाड़ा ग्राम लिंगा में एथलेटिक्स खेल की विधा? होगी एवं बगदरा ग्राम जागृति मंदिर (बालाघाट) परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 9 नवंबर को कुश्ती खेल का आयोजन होगा।

150 बालिकाएं टाटा इलेक्ट्रानिक्स के लिए बैंगलोर रवाना

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कम्पनियों में रोजगार दिलाने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 06 नवम्बर को 150 बालिकाओं को बैंगलोर के लिए रवाना किया गया है। इन बालिकाओं को कलेक्ट्रेट कार्यालय से झंडी दिखाकर बैंगलोर के लिए रवाना किया गया है। इस अवसर पर कलेक्टर मृणाल मीना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, एसडीएम गोपाल सोनी, नगर पालिका बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री रमेश रंगलानी, शिक्षाविद श्रीमती लता एलकर, अभय सेठिया, आशीष मिश्रा, तपेश असाटी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री मीना ने इस अवसर पर टाटा इलेक्ट्रानिक्स बैंगलोर में जाब के लिए जाने वाली बालिकाओं को शुभकामनायें देते हुए कहा कि यह बालिकाओं के नये भविष्य एवं कैरियर के लिए आगे बढ़ने का दिन है। बालिकायें बैंगलोर में जाकर अनुशासन के साथ लगन से अपना काम करें और अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनें। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जिले के लगभग 04 हजार युवाओं का जाब के लिए देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट कराया गया है। कंपनियां पात्र युवाओं को जाब के साथ पालीटेक्निक डिप्लोमा व बीटेक करने का अवसर भी दे रही हैं।

जिला प्रशासन द्वारा स्वयं सेवी एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से 28 अक्टूबर को सांदीपनी विद्यालय बालाघाट में रोजगार मेले का आयोजन कर उनमें देश की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा मोटर्स एवं टाटा इलेक्ट्रानिक्स को आमंत्रित किया गया था। इस मेले में 1500 से अधिक युवाओं का इंटरव्यू लेकर कंपनियों द्वारा चयन किया गया है। 02 नवम्बर को इन चयनित युवाओ की काउंसलिंग कर उन्हें देश के बड़े शहरों में जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया और उनकी शंका समस्याओं का समाधान किया गया। इस काउंसलिंग में युवाओ के परिजन भी उपस्थित थे।

बैंगलोर जाने वाली बालिकाओं में जिले के दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र की बालिकायें भी शामिल है। मलाजखंड क्षेत्र के ग्राम टिंगीपुर के कृषक परिवार की बेटी किरण मरावी, वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम खापा की रविना व करिश्मा लांजेवार के साथ ही किरनापुर क्षेत्र के ग्राम अकोला, कटंगी क्षेत्र के ग्राम नवेगांव, लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम बिरसोला, बहियाटिकुर सहित बैहर, बिरसा, परसवाड़ा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों की बालिकायें बैंगलोर के लिए रवाना हुई हैं। मंडला जिले के नैनपुर की बालिका मुस्कान परते भी बैंगलोर के लिए रवाना हुई है। इन बालिकाओं को टाटा इलेक्ट्रानिक्स कंपनी द्वारा एप्पल कंपनी के लिए मोबाईल बनाने का जाब दिया जा रहा है। कंपनी द्वारा इन बालिकाओं को लगभग 15 से 20 हजार रुपये का वेतन दिया जायेगा और भोजन व रहने की व्यवस्था की जायेगी। कंपनी द्वारा बालिकाओं का पीएफ भी जमा कराया जायेगा। बैंगलोर जाने वाली इन बालिकाओं में कक्षा 10 वीं, 12 वीं, आईटीआई, बीए, एमए की पढ़ाई वाली बालिकायें शामिल हैं।

जिले के ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को बैंगलोर में जाब मिलने से न केवल उनका भविष्य अच्छा बनेगा बल्कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा और जिले की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। जिले के युवाओ को रोजगार मेले में लाने, उनकी काउंसलिंग कराने एवं अहमदाबाद बैंगलोर जैसे बड़े शहरो तक पहुंचाने में समाज सेवी एवं सामाजिक कार्यकर्ता आशीष मिश्रा व तपेश असाटी द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

ठाकुर वीर बहादुर सिंह नहीं रहे

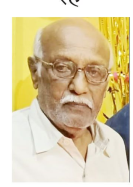

पदमेश न्यूज।बालाघाट। नगर के वार्ड 13, पुलिस परेड ग्राउंड के निकट, निवासी ठाकुर वीर बहादुर सिंह का बीती रात्रि निधन हो गया. वे 84 बरस के थे.स्व. ठाकुर समाचार पत्र व्यवसाय से जुड़े हुए अत्यंत मृदुभाषी शख्सियत थे. वे मनीष सिंह ठाकुर तथा आशीष सिंह ठाकुर के पिता थे. वे अपने पीछे 2 पुत्र और 2 पुत्रियों का भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं. 5 नवंबर को स्थानीय मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय मंच ताइपेई में मॉयल की चमक, बालाघाट खान को मिला गोल्ड मैडल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। भरवेली-मॉयल लिमिटेड जिसकी बालाघाट जिले में चार खदान है। अंतरराष्ट्रीय क्वालिटी सर्कल सम्मेलन 2025 का आयोजन 3 से 6 नवंबर तक ताइपेई, ताइवान में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें विश्व के 16 देशों की विभिन्न टीमों ने भाग लिया। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजन में भारत की ओर से मॉयल लिमिटेड, नागपुर की अविघ्न क्वालिटी सर्कल टीम का चयन किया गया था। अविघ्न टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, तकनीकी ज्ञान, नवाचारपूर्ण विचारों और बेहतरीन समस्या-समाधान क्षमता का परिचय देते हुए गोल्ड अवार्ड जीतकर देश और मॉयल का नाम गौरवान्वित किया। यह सफलता मॉयल लिमिटेड की गुणवत्ता, समर्पण, नवाचार और टीम भावना की सशक्त मिसाल है। टीम ने न केवल अपने प्रोजेक्ट की प्रस्तुति में दक्षता दिखाई बल्कि व्यावहारिक समाधानों के माध्यम से संगठन के उत्पादन और कार्यकुशलता में सुधार के उपाय भी प्रस्तुत किए। अविघ्न टीम बालाघाट खान में उम्मेद सिंह भाटी, संतोष कुमार राव, नरेश सिंह सोमवंशी और मनोज उमाले सम्मिलित रहे, जिन्होंने परिश्रम, एकजुटता और उत्कृष्ट टीमवर्क का परिचय दिया। इस सफलता के पीछे उनकी लगन और सतत प्रयास महत्वपूर्ण रहे। इस उपलब्धि पर अभिकर्ता एवं संयुक्त महाप्रबंधक उम्मेद सिंह भाटी ने कहा कि यह पुरस्कार हमारी टीम भावना, नवाचार और गुणवत्तापरक कार्य के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है, जो पूरे मॉयल परिवार के लिए गर्व की बात है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली यह उपलब्धि मॉयल लिमिटेड के लिए गौरव का विषय है और यह सिद्ध करती है कि कंपनी न केवल खनन क्षेत्र में अग्रणी है बल्कि गुणवत्ता सुधार और नवाचार के क्षेत्र में भी अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतर रही है। पूरे मॉयल परिवार ने अविघ्न टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी है।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का उमाबाई को मिला लाभ

पति की मृत्यु पर मिली 02 लाख रुपये की बीमा राशि

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत बाघाटोला लांजी निवासी उमाबाई भाजीपाले को 02 लाख रुपये की बीमा राशि प्रदान की गई। उमाबाई के पति शेषराम भाजीपाले का मार्च 2025 को दुर्घटना में निधन हो गया था। शेषराम का जिला सहकारी केंद्रीय बैंक लांजी समिति बीरनपुर में खाता था और उसने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में एक साल के लिए अपना बीमा कराया था। जिससे उसकी पत्नी को इस बीमा योजना का लाभ मिला है। कलेक्टर मृणाल मीना ने 6 नवंबर को उमाबाई को बीमा राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर पी. जोशी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट, राजेश उइके उपायुक्त सहकारिता बालाघाट, राजेश नागपुरे फील्ड अधिकारी जेएसके बैंक बालाघाट उपस्थित थे।

शेषराम भाजीपाले की मृत्यु होने पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित लांजी के शाखा प्रबंधक एवं नेहा मंडलोई बैंक मुख्यालय ने उसकी पत्नी उमाबाई को बीमा राशि दिलाने के लिए तत्परता के साथ प्रयास किया और बीमा कंपनी को सारे दस्तावेज भेज कर दावा राशि स्वीकृत करायी है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट व लॉजी, समिति बिरनपुर के कर्मचारियों, अधिकारियों की संवेदनशीलता के फलस्वरूप इस प्रकरण का निराकरण होकर उमाबाई को 02 लाख रुपये की राशि प्राप्त हो गई है। बीमा योजना की यह राशि उमाबाई के जीवन में पति की कमी को कभी पूरा नहीं कर सकती है, लेकिन उसके दुखों को जरूर कम कर सकती है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में मात्र 20 रुपये की राशि में एक साल का बीमा होता है। इस बीमा योजना में 18 से 70 वर्ष तक की आयु के लोग अपना बीमा करा सकते हैं। बीमा कराने वाले व्यक्ति की मृत्यु होने पर बीमा राशि का भुगतान उसके नामांकित व्यक्ति को किया जाता है। इस बीमा योजना के माध्यम से परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है जिससे वे अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

न्यूज गैलरी

राष्ट्रगीत वंदन समारोह आज

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। स्वतंत्रता आंदोलन के मंत्र राष्ट्रगीत वन्देमातरम की 150 वीं जयंती पर राष्ट्रीय विचार मंच द्वारा जिला प्रशासन के साथ शुक्रवार प्रातः शुक्रवार 9 बजे से स्थानीय नूतन कला निकेतन के सभागार में राष्ट्रगीत वंदन समारोह के रूप भव्यता के साथ मनाया जायेगा जिसमें लगभग स्कूली विद्यार्थियों एवं पुलिस बैंड के साथ 1000 लोगों द्वारा सामूहिक रूप से पूर्ण वन्देमातरम राष्ट्र गीत का गायन किया जायेगा। तदोपरान्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव उद्बोधन होगा। इस कार्यक्रम में प्रमुख वक्ताओं के रूप में रवीन्द्र श्रीवास्तव एवं डॉ. भारती शरणागत उपस्थित रहेंगे। विभिन्न शालाओं के बच्चों द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जायेगी।राष्ट्रीय विचार मंच के संरक्षक रमेश रंगलानी एवं संयोजक श्रीमती लता एलकर द्वारा द्वारा जिले के गणमान्य नागरिकों को इस कार्यक्रम में उपस्थिति का निवेदन किया गया। इस आशय की जानकारी विज्ञप्ति के माध्यम से राष्ट्रीय विचार मंच के सचिव राजेन्द्र शुक्ल सहज द्वारा प्रेषित की गई है।

मोटरसाइकिल की टक्कर से गंभीर वृद्ध की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लोरा के कोहका टोला में इसी ग्राम के एक व्रद्ध चमर सिंह पिता बबरसिंह उइके 65 वर्ष मोटरसाइकिल की ठोकर से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी बिरसा अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। मलाजखंड पुलिस ने इस वृद्ध का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है और मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 जेड जी4327 चालक के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लोरा के कोहका टोला में चमरसिंह अपनी पत्नी समलो बाई के साथ में रहता था। खेती मजदूरी करता था ।5 नवंबर की शाम 5:30 बजे करीब चमर सिंह अपने घर के सामने रोड किनारे खड़ा था इसी समय ग्राम लोरा की ओर से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने रोड किनारे खड़े चमर सिंह को ठोस मार दिया। मोटरसाइकिल की ठोकर से चमर सिंह गंभीर रूप घायल और बेहोश हो गया था। जिसे तुरंत ही 108 एंबुलेंस से बिरसा के अस्पताल ले गए।जहां डॉक्टर ने चमर सिंह को मृत घोषित कर दिए। चमरसिंह की बिरसा अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी।6 नवंबर को बिरसा पुलिस ने मृतक चमरसिंह का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये और मर्ग जांच उपरांत मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 जेड जी 4327 के चालक के विरुद्ध धारा 106(1) भारतीय न्याय संहिता और धारा 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

ग्राम रट्टा में युवक मारपीट में घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रट्टा में बीती रात एक युवक को दो युवकों ने हाथ बुक्के और लाठी से मार कर घायल कर दिएघायल युवक अजय पिता कंचन उइके 23 वर्ष ग्राम भुरखुड़ी थाना उगली जिला सिवनी निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय उइके एंटरप्राइजेज चिरचिरा में काम करता है।5 नवंबर को 4 बजे अजय उइके अपने दोस्त उपदेश विश्वकर्मा के साथ रट्टा भरवेली आए थे। और रात में दोनों रट्टा में ही रुक गए थे। रात 1:00 बजे अजय उइके लघुशंका के लिए उठा और बाहर निकाला था। उसी समय दो लड़के आए और अजय उईके को हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट करने लगे। अजय उइके जिस घर में रुका हुआ था।उसी घर वाले ने बीच बचाव किये। अजय उइके मारपीट करने वाले युवको कोनहीं पहचानता था।जो हाथ में लाठी डंडे रखे हुए थे। सूचना मिलने पर ग्राम रट्टा पहुंची डायल 112 से मारपीट में घायल युवक अजय उइके को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

2 दिन से लापता युवक की संदिग्ध अवस्था में लाश बरामद

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। किडनेपोर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लोढागी मे मेंडा रोड किनारे परसाड़ी में एक युवक की संदिग्ध स्थिति में लाश बरामद की गई। मृतक युवक जितेंद्र पिता कमल सिंह उइके 25 वर्ष ग्राम भक्कू टोला थाना लांजी निवासी है। इस युवक की मौत किस वजह से हुई अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। किरनापुर पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भक्कू टोला लांजी निवासी जितेंद्र उइके दो भाई तीन बहने हैं। जिसका पिता कमलसिह उइके वन विभाग लोढागी में चौकीदारी करता है।4 नवंबर की रात्रि 9:00 जितेंद्र उइके अपने घर से लोढ़ागी मंडई जाने निकला था। जो घर वापस नहीं आया जिसकी परिवार के लोग तलाश कर रहे थे।6 नवंबर को जितेंद्र उइके को ढूंढने के लिए उसका पिता कमलसिंह उइके ग्राम अतरिया आया था। ग्राम अतरिया में कमल सिंह उइके को पता चला कि ग्राम लोढ़ागी में मेडा रोड किनारे परसाड़ी में एक युवक की लाश देखी गई है। तब कमलसिह उइके अपने गांव के गणेश सरोते के साथ देखने के लिए गया। परसाड़ी महुआ और कारली के बीच डूमर के पास उसके बेटे जितेंद्र उइके की लाश पड़ी हुई थी। जिसकी रिपोर्ट कमलसिंह उइके के द्वारा लोढागी पुलिस चौकी में की गई थी। लोढागी पुलिस चौकी प्रभारी अनिलसिह घुरैया अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक जितेंद्र उइके का शव बरामद किए। पंचनामा कार्यवाही पश्चात जितेंद्र उइके का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। इस युवक की मौत किस वजह से हुई। अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होने की संभावना है। किरनापुर पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

विडंबना : गली मुहल्लों के खूबसूरत शहर में बदसूरत अतिक्रमण

राजघाट चौक से गुजरी बाजार रोड पर दुकानों का कब्जा!!

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

कभी यह शहर अपने विविधता वाले गली- मुहल्लों से खूबसूरत हुआ करता था, आज बेजा अतिक्रमणों ने इसकी पहचान पर संकट खड़ा कर दिया है!इनमे राजघाट चौक से गुजरी बाजार गली भी एक है जो दुकानों द्वारा फैलाये जाने से बदरंग और सिमटी हुई है.इन सड़कों को वाहनों और राहगीरों के लिए कब मुक्त कराया जायेगा, कहा नहीं जा सकता!!

सतपुड़ा मैकल की पर्वत उपत्यकाओं के बीच बसा कभी का यह शहर अपनी बेशकीमती खूबसूरती खो चुका है! 1867 में अंग्रेजों ने बेहद संवेदनशीलता के साथ इसकी बसाहट पर काम किया था।

स्थानीयता के साथ इसके हर गली मुहल्लों, तालाबों को तहजीब से स्थापित किया गया था. आज वह तहजीब गायब है. लोगों की ज्यादा जमीन घेरने की लालची दुष्प्रवर्ति ने गलियों को संकरा कर दिया है। नगरपालिका प्रशासन भी बेजा अतिक्रमण और कब्जा हटाने के मामले में महज रस्म अदायगी तक सीमित है। ऐसे में सवाल यही है कि क्या कभी शहर के दिन फिरेंगे?

गौरतलब है कि राजघाट चौक से गुजरी चौक की ओर जाने वाली सड़क पर अतिक्रमण का जाल बिछ चुका है, दुकानदार सड़क तक अपना दुकान और सामान फैलाकर आवागमन को प्रभावित कर रहे है।

यहाँ के रहवासियों ने नाराजगी जताते हुए सड़क के आर पार तक दुकानों के फैलाव को लेकर रोष व्यक्त किया है।

इस तरह कभी कभी शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने प्रशासन द्वारा समय पर अभियान चलाकर अतिक्रमण की कार्यवाही की जाती है। उसके बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। ताजा मामला नगर के वार्ड16 गुजरी चौक का है। जहां राजघाट चौक से गुजरी चौक जाने वाली सड़क पर दोनों ओर अतिक्रमण होने के कारण राहगीरों और दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। वहीं यहाँ के एक निवासी राकेश सावलानी ने पद्मेश न्यूज से चर्चा करते हुए बताया कि ये सड़क राजघाट चौक से गुजरी को जाता है। यहां व्यवस्था बिल्कुल बराबर है।किन्तु दुकानदारों के द्वारा दुकान को बाहर लगाने लगे है। जिसकी वजह से ट्राफिक की समस्या आए दिन बनती रहती है।इस मार्ग से प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारी भी गुजरते है। उसके बाद भी समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है।

इसी तरह वार्ड16 निवासी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि सड़क के दोनों ओर नगर पालिका द्वारा नाली बना दिया जाए तो साथ ही गुजरी चौंक में पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण भी जाम की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने ये भी बताया कि ये शहर का व्यस्तम मार्ग है। हजारों की संख्या में लोग आना जाना करते है। फिर भी इस ओर किसी का ध्यान नहीं है।

बहरहाल, अतिक्रमण का संजाल गुजरी चौक और राजघाट चौक को अपने मकड़जाल में फांस चुका है. प्रशासन को इस तरफ नजरें इनायत कर नागरिक सुविधाओं का खिदमतगार बनना चाहिए।

नक्सली सर्चिंग कर रहे हॉकफोर्स जवानों पर मधुमक्खियों का हमला

एक दर्जन से अधिक जवान जख्मी-चार जवान जिला अस्पताल में भर्ती
पालागोंदी के घने जंगल में नक्सली सर्चिंग के दौरान हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पिछले 4 दिन से लगातार चलाए जा रहे सर्चिंग अभियान के बीच 6 नवंबर को 12:30 बजे करीब सोनेवानी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले पालागोंदी के जंगल में हॉक फोर्स के जवानों में उस समय भगदड़ मच गई। जब अचानक मधुमखीयो के झुंड ने इन हॉकफोर्स जवानों पर हमला कर दिया। जिसमें एक दर्जन से अधिक हाक फोर्स के जवान जख्मी हो गए। मधुमक्खी के हमले में अत्यधिक जख्मी चार जवान को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। अन्य जवानों का इलाज स्थानीय तौर पर किया गया है जो मधुमक्खी के हमले में मामूली रूप से जख्मी हुए थे।

हाक फोर्स के जवानों द्वारा 4 दिन से लगातार की जा रही थी सर्चिंग

ज्ञात हो कि 3 नवंबर की शाम रूपझर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लुद के कटेझिरिया के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ होने के बाद इन दिनों इस क्षेत्र के जंगलों में हाफ फोर्स और सीआरपीएफ की टीम के द्वारा पिछले चार दिन से नियमित सर्चिंग अभियान के चलाया जा रहा है। 6 नवम्बर को12:30 बजे गोदरी केम्प के 30 से 35 हाक फोर्स के जवानों के द्वारा पालागोंदी के घने जंगल में सर्चिंग की जा रही थी। इसी दौरान मधुमक्खियो के झुंड ने सामने चल रहे हाकफोर्स जवानों पर हमला कर दिया अचानक हुए इस हमले से हॉक फोर्स के जवानों में भगदड़ मच गई। जवानों ने किसी तरह खुद को बचाने की कोशिश की तो कुछ जवान दूसरे जवानों को बचाने के चक्कर में मधुमक्खी के हमले में घायल हो गए। करीब एक दर्जन से अधिक जवानों को मधुमक्खी ने जख्मी कर दिया। जिनमे चार जवान मधुमक्खी के हमले में अधिक जख्मी हुए। चारों जवान जिनमे पवन पिता छोटेलाल कोल 35 वर्ष, अभिनव सिंह पिता पीर भान सिंह 36 वर्ष, नरेंद्र पिता हनुमंत धुर्वे 38 वर्ष, अजय पिता आर बी मिश्रा 35 वर्ष सभी गोदरी कैंप के है। सभी जवानों को जंगल में ही प्राथमिक उपचार के बाद जंगल से बाहर निकाला और उन्हें एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया है।जिनका डॉक्टरों की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चारों घायल जवानों की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। मधुमक्खी के हमले में अन्य हाफ कोर्स के जवानों का इलाज स्थानीय तौर पर किया गया ।जो मधुमक्खी के हमले में मामूली रूप से जख्मी हुए थे।

सर्चिंग अभियान के बीच बाधा

घटना के बाद सुरक्षा बलों ने सर्च अभियान को अस्थायी रूप से रोक दिया है। अधिकारियों का कहना है कि जंगल का यह इलाका बेहद घना और नक्सली गतिविधियों के लिहाज़ से संवेदनशील है, इसलिए किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए दल को फिलहाल विश्राम दिया गया है।स्थानीय पुलिस सूत्रों ने बताया कि सर्च अभियान का उद्देश्य नक्सलियों की गतिविधियों पर नज़र रखना और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाना था। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और घायल जवानों के स्वस्थ होने के बाद अभियान को फिर से शुरू करने की योजना बनाई जा रही है।

पुलिस विभाग ने जताई राहत की साँस

हॉकफोर्स कमांड के एक अधिकारी ने बताया, यह पूरी तरह प्राकृतिक घटना थी, इसमें किसी तरह की मानवीय चूक या नक्सली गतिविधि शामिल नहीं थी। टीम के चार जवान घायल हुए हैं, मगर अब सभी की स्थिति ठीक है। हमें राहत है कि कोई गंभीर जानहानि नहीं हुई।

कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार वृद्ध दंपत्ति घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले वारासिवनी रोड पर स्थित बैनगंगा नदी पुल के ऊपर के ऊपर कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस दुर्घटना में वृद्ध दंपति मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गये। दोनों घायल वृद्ध दंपति को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। दोनों घायल दोनों घायल रतनलाल पिता देवा जी देशमुख 62 वर्ष और उनकी पत्नी उर्मिला पति रतनलाल देशमुख 62 वर्ष ग्राम पलाकामथी थाना लालबर्रा निवासी है। अत्यधिक चोट लगने से घायल उर्मिला देशमुख को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रतनलाल देशमुख अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 6 नवंबर को 12:30 बजे करीब रतनलाल देशमुख अपनी पत्नी उर्मिला देशमुख को मोटरसाइकिल में इलाज करने के लिए बालाघाट ला रहे थे। बैनगंगा नदी पुल के ऊपर पीछे से तेज रफ्तार से आ रही कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी।कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार रतनलाल देशमुख और उनकी पत्नी उर्मिला देशमुख मोटर साइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। दोनों घायल को उसी कार वाले ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जहां से अधिक चोट लगने से घायल उर्मिला देशमुख को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। कार का नंबर एमपी 20 सी टी 2107 बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने रतन लाल देशमुख का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली बालाघाट भिजवा दी है।

मोटरसाइकिल खड़ी कार से टकराई : मोटरसाइकिल सवार घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। समनापुर रोड ग्राम भटेरा के मोटरसाइकिल खड़ी कार से टकरा गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालकघायल हो गया जिसे जिला अस्पताल में

भर्ती किया गया है। घायल मोटरसाइकिल चालक भीमराव पिता रामेश्वर गोंडाने 39 वर्ष ग्राम कोड़िया थाना लालबर्रा निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भीमराव गोंडाने बालाघाट बूढ़ी चौक के पास कबाड़ी की दुकान में काम करता है और प्रतिदिन मोटरसाइकिल से आना जाना करता है। रोज की तरह 5 नवंबर भीमराव गोंडा ने बालाघाट कबाड़ी की दुकान में काम करने आया था और रात्रि 9:00 बजे भीमराव गोंडाने मोटरसाइकिल में बालाघाट से धपेरा होते हुये अपने घर ग्राम कोड़िया जाने निकला था। तभी समनापुर रोड ग्राम भटेरा के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल रोड किनारे कार से टकरा गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक भीमराव गोंडाने घायल हो गया।जिसे 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट